अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस आज

दैनिक जागरण

वर्ष 69 » अंक 203 » पृष्ठ 12
» महानगर » मूल्य 5 रुपए

» भोपाल, बुधवार 22 अप्रैल, 2026 » वैशाख शुक्ल पक्ष 05, विक्रम संवत् 2083

वेंस का पाकिस्तान दौरा टला युद्ध फिर भड़कने की आशंका

ट्रंप का दावा: ईरान में सत्ता बदल दी, बोले-डील नहीं हुई तो भारी बमबारी तय

वॉशिंगटन डीसी/ इस्लामाबाद/ तेहरान, जेएनएन। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का पाकिस्तान दौरा टाल दिया गया है। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव और अनिश्चितता के चलते यह कदम उठाया गया है। दरअसल, अमेरिका-ईरान के बीच दो हफ्ते का सीजफायर बुधवार को समाप्त होने वाला है। ऐसे में हालात बेहद संवेदनशील हो गए हैं और युद्ध फिर से भड़कने की आशंका बढ़ गई है। ईरान की ओर से मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालियाफ ने साफ कहा है कि उनका देश 'धमकियों के साए में बातचीत' नहीं करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान के पास 'मैदान में नए विकल्प' हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल किया जाएगा।

ईरान की ओर से अभी तक कोई प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान नहीं पहुंचा है। हालांकि पाकिस्तान के संचार मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा है कि ईरान की ओर से अब तक यह स्पष्ट जवाब नहीं मिला है कि वह बातचीत में शामिल होगा या नहीं।

इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे सीजफायर बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका 'मजबूत स्थिति' में है और जल्दबाजी में समझौता करने की जरूरत नहीं है। ट्रंप ने कहा कि मौजूदा हालात में ईरान के पास समझौते के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर सीजफायर की समयसीमा से पहले कोई समझौता नहीं हुआ, तो 'भारी बमबारी' शुरू हो सकती है। इस बीच, अमेरिका ने हाल ही में एक ईरानी जहाज को कब्जे में लिया, जिससे तनाव और बढ़ गया। जवाब में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को 'शत्रु देशों' के लिए बंद करने की घोषणा कर दी है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद अहम मार्ग है।

धमकियों के साये में बातचीत संभव नहीं: ईरान

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने अमेरिका के सख्त रुख पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए साफ कहा है कि ईरान किसी भी हालत में 'धमकी के साए में बातचीत' स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने ट्रंप पर आरोप लगाया कि वे घेराबंदी और सीजफायर उल्लंघन के जरिए बातचीत को 'सरेंडर की टेबल' में बदलना चाहते हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अघारची ने भी कहा कि अमेरिका द्वारा लगातार सीजफायर उल्लंघन कूटनीतिक प्रक्रिया में सबसे बड़ी बाधा है।

ट्रंप का आरोप: ट्रंप ने कहा है कि ईरान ने अमेरिका के साथ हुए युद्धविराम का 'कई बार उल्लंघन' किया है।

अघारची का प्रत्यारोप: ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, अमेरिका का सीजफायर उल्लंघन कूटनीतिक प्रक्रिया में बड़ी बाधा है।

8 महिलाओं को रिहा करने की अपील

ट्रंप ने ईरान से 8 महिलाओं को रिहा करने की अपील की है। एक पोस्ट का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान 8 महिलाओं को फांसी देने की योजना बना रहा है। इन महिलाओं को रिहा किया जाए और उन्हें कोई नुकसान न पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो यह दोनों देशों के बीच बातचीत की अच्छी शुरुआत होगी।

ऑफ बीट

ट्रोलिंग का अनोखे अंदाज में दिया जवाब

चीन की एक महिला गेम कमेंटेटर इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है। वजह है कपड़ों को लेकर ट्रोल किए जाने के बाद उनका दिया गया अनोखा जवाब। ऑनलाइन 'गेम नाराका: ब्लेडप्वाइंट' की लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान 'झाझा' नाम से जानी जाने वाली कमेंटेटर को उनके कपड़ों की वजह से काफी आलोचना झेलनी पड़ी। ट्रोलिंग का जवाब देने के लिए झाझा ने अगले लाइव सेशन में पूरी तरह अलग अंदाज अपनाया। उन्होंने काले रंग की ड्रेस, विग और यहां तक कि अपने चेहरे को भी काले रंग से रंग लिया। उनका यह लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और लोगों को चौंका दिया। कई यूजर्स ने इसे ट्रोल्स को करारा जवाब बताया, तो कुछ ने इस पर भी मजाक उड़ाया। दरअसल, कुछ दिन पहले झाझा मिनीस्कर्ट पहनकर लाइव स्ट्रीम में आई थीं। इस दौरान कुछ दर्शकों ने उनके हाव-भाव और कपड़ों को लेकर टिप्पणी की और आरोप लगाया कि वे जानबूझकर ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसे कपड़े पहनती हैं। हालांकि झाझा ने साफ कहा कि उन्हें अपनी पसंद के कपड़े पहनने की पूरी आजादी है।

आईपीएल में आज

लखनऊ बनाम राजस्थान
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर
परिणाम: हैदराबाद ने दिल्ली को 47 रनों से हराया।

सबरीमाला: मंदिर में महिलाओं की एंट्री पर सुनवाई

छूने से अपवित्र कैसे होते हैं देवता?: सुप्रीम कोर्ट

अहम सवाल: अगर किसी भक्त को केवल उसके जन्म या पहचान के आधार पर देवता को छूने से रोका जाए, तो क्या संविधान हस्तक्षेप नहीं करेगा?

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मामले की सुनवाई के दौरान संविधान और धार्मिक परंपराओं के टकराव पर एक बार फिर गहन बहस देखने को मिली। 9 जजों की संवैधानिक पीठ के सामने सुनवाई के छठे दिन अदालत ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया कि अगर किसी भक्त को केवल उसके जन्म या पहचान के आधार पर देवता को छूने से रोका जाए, तो क्या संविधान हस्तक्षेप नहीं करेगा? यह सवाल जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने उस समय उठाया, जब सबरीमाला मंदिर के 'थंथरी' (मुख्य पुजारी) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वी गिरी अपने तर्क रख रहे थे।

वकील वी गिरी ने अदालत में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत पूजा का अधिकार तभी लागू होता है, जब वह उस देवता की विशेषताओं और मंदिर की परंपराओं के अनुरूप हो। उनका तर्क था कि जो व्यक्ति किसी देवता में आस्था रखता है, वह उसकी मूल विशेषताओं के खिलाफ आचरण नहीं कर सकता। सबरीमाला में भगवान अयप्पा को 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' माना जाता है, इसलिए वहां की परंपराएं उसी आधार पर निर्धारित हैं। गिरी ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इन परंपराओं से सहमत नहीं है, तो वह अपने तरीके से पूजा कर सकता है, लेकिन किसी सार्वजनिक मंदिर में जाकर वहां की परंपराओं को चुनौती नहीं दे सकता।

बहस के दौरान जस्टिस अमानुल्लाह ने एक काल्पनिक उदाहरण देते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति पूरी श्रद्धा के साथ भगवान को अपना सृजनकर्ता मानता है, लेकिन उसे सिर्फ जन्म या वंश के आधार पर देवता को छूने से रोका जाता है, तो क्या यह संविधान के मूल सिद्धांतों के खिलाफ नहीं है? उन्होंने कहा कि 'अगर सृजनकर्ता और सृजन के बीच स्थायी दूरी बना दी जाए, जिसे बदला भी न जा सके, तो क्या यह उचित है?

क्या आस्था तर्क से परे है?

सुनवाई के दौरान जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि एक सच्चा आस्तिक परंपराओं की तर्कसंगतता पर सवाल नहीं उठाता और गैर-आस्तिक को इसमें दखल देने का अधिकार नहीं है। हालांकि जस्टिस प्रसन्ना बी वराले ने इस पर अलग दृष्टिकोण रखा। उन्होंने पूछा कि क्या आधुनिक शिक्षा, तकनीक और विचारों से प्रभावित एक आस्तिक पुरानी परंपराओं पर सवाल नहीं उठा सकता? क्या आस्था का मतलब यह है कि व्यक्ति तर्क करना छोड़ दे?

केरलम में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 13 लोगों की मौत

त्रिशुर, जेएनएन। केरलम के त्रिशूर जिले में मंगलवार दोपहर 3.30 बजे एक पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। कई लोग झुलस गए। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, मौके से 10 शव बरामद किए गए हैं। जबकि 3 लोगों के शरीर के हिस्से मिले है। 5 घायलों की हालत गंभीर है, वहीं 17 लोगों को मामूली चोटें आई हैं। पटाखे खेतों के बीच बने शेड में बनाए जा रहे थे। हादसे के समय करीब 40 लोग मौजूद थे। फायर ब्रिगेड, पुलिस और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं, लेकिन रुक-रुक कर विस्फोट होने से रेस्क्यू में दिक्कत आई। पीएम नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया। वहीं, राज्य सरकार ने राहत और बचाव के लिए जिला प्रशासन को 50 लाख रुपए दिए हैं।

पाक की पाबंदी, खाड़ी का सफर होगा महंगा

नई दिल्ली, जेएनएन। पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) पर लगी पाबंदी को एक महीने के लिए और बढ़ा दिया है। अब यह प्रतिबंध 24 मई 2026 सुबह 5 बजे तक लागू रहेगा। इस संबंध में पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एनटीए (नोटिस टू एयरमेन) जारी कर स्पष्ट किया है कि सभी भारतीय पंजीकृत, लीज पर लिए गए, वाणिज्यिक और सैन्य विमान इस अवधि तक पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। इस फैसले का सबसे ज्यादा असर भारत से खाड़ी देशों की उड़ानों पर पड़ रहा है। आमतौर पर ये उड़ानें पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र से होकर गुजरती थीं, लेकिन अब लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है। इससे उड़ानों का समय और ईंधन खर्च बढ़ रहा है।

मप्र विधानसभा: 4 माह के अंदर का दूसरा विशेष सत्र, अधिसूचना जारी

सदन में 27 को 'नारी शक्ति वंदन' पर चर्चा

जागरण, भोपाल। संसद में गिरे महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक की बारीकियों और प्रक्रिया पर मध्यप्रदेश विधानसभा में दिन भर चर्चा की जाएगी। इसके लिए विधानसभा का विशेष सत्र 27 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। इसके लिए विधानसभा सचिवालय ने मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी है। प्रदेश की वर्तमान सोलहवीं विधानसभा का यह दसवां, जब महज चार महीनों के अंदर दूसरा विशेष सत्र आयोजित किया जा रहा है। मंगलवार को जारी अधिसूचना के मुताबिक इस एक दिनी विशेष सत्र की शुरूआत 27 अप्रैल को सुबह 11 बजे होगी। इसमें केवल नारी शक्ति वंदन के तहत महिलाओं के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए दिन भर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संसद में 131 वां संविधान संशोधन विधेयक गिरने के अगले दिन रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए इस मुद्दे पर विशेष सत्र बुलाने के स्पष्ट संकेत दिए थे। इसके बाद सोमवार को भाजपा ने सड़क पर उतरकर महिला जनाक्रोश रैली भी राजधानी में निकाली थी।

वर्तमान विधानसभा का दसवां सत्र

यह वर्तमान विधानसभा का दूसरा विशेष सत्र होगा। इसके पहले 17 दिसंबर 2025 को भी एक दिनी विशेष सत्र बुलाया गया था। यह विधानसभा का आठवां सत्र था। मध्यप्रदेश को विकसित, आत्म निर्भर और समृद्ध बनाने पर विस्तृत चर्चा करने के लिए यह सत्र बुलाया गया था। जबकि 27 अप्रैल से होने वाला सत्र वर्तमान विधानसभा का दसवां सत्र होगा। मध्यप्रदेश का नियमित बजट सत्र 16 से 27 फरवरी तक चला था।

क्रिकेटर यूसुफ पठान के ससुर व साले गिरफ्तार

मुंबई, जेएनएन। यूसुफ पठान के परिवार से जुड़े मारपीट के एक मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए उनके ससुर और साले समेत कई रिश्तेदारों को गिरफ्तार किया है। यह घटना मुंबई के भायखला इलाके की बताई जा रही है, जहां एक व्यक्ति के साथ कथित तौर पर बेरहमी से मारपीट की गई। पुलिस के मुताबिक, घटना 18 अप्रैल की रात करीब 9 बजे माझगांव के हीराबाई कंपाउंड के पास हुई। शिकायतकर्ता यूसुफ आसिफ खान अपनी कार से जा रहे थे, तभी सड़क पर जमा पानी आरोपी शोएब पठान पर उछल गया। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ और आरोप है कि शोएब पठान ने गाली-गलौज करते हुए बांस के डंडे से कार का कांच तोड़ दिया। बाद में ससुर खालिद पठान और अन्य रिश्तेदारों ने मिलकर पीड़ित और उसके परिवार पर हमला कर दिया। घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। एफआईआर के मुताबिक, आरोपियों ने बांस के डंडों और बेसबॉल बैट से हमला किया। इस हमले में शिकायतकर्ता के भाई सलमान का हाथ फ्रैक्चर हो गया।

किश्वर को नोटिस देने दिल्ली आवास पहुंची चंडीगढ़ पुलिस

नई दिल्ली, जेएनएन। मधु किश्वर के दिल्ली स्थित आवास और दफ्तर पर चंडीगढ़ पुलिस की टीम पहुंची और उन्हें नोटिस थमाया। पुलिस ने उनसे एक कथित भ्रामक वीडियो मामले में जांच में शामिल होने का आग्रह किया है। पुलिस टीम में इंस्पेक्टर इरम रिजवी और इंस्पेक्टर सरित राय शामिल थीं। मधु किश्वर के मुताबिक, टीम 20 अप्रैल की रात उनके ऑफिस पहुंची, जहां उस समय वे वीडियो रिकॉर्डिंग कर रही थीं। किश्वर ने पुलिस के रात में आने पर आपत्ति जताई। कानून के अनुसार महिलाओं के घर पर सूर्यास्त के बाद पुलिस नहीं आ सकती। उन्होंने यह मुद्दा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के सामने भी उठाया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि वे गिरफ्तारी के लिए नहीं, बल्कि सिर्फ नोटिस देने आई हैं। किश्वर के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच बातचीत शालीनता से हुई और उन्हें जैसे ही एफआईआर की कॉपी मिलेगी, वे पूरे मामले की जानकारी साझा करेंगी।

बड़वानी: तेज रफ्तार टैंकर ने कार को मारी टक्कर, छह की मौत, 1 गंभीर

जागरण, बड़वानी। बड़वानी में एक तेज रफ्तार टैंकर ने कार को सामने से टक्कर मार दी, जिससे उसमें सवार युवक अंदर ही फंस गए। इस हादसे में 3 युवकों की मौके पर मौत हो गई जबकि तीन ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एक अन्य की हालत भी गंभीर है। वहीं कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

हादसा जुलवानिया टोल प्लाजा के पास मंगलवार दोपहर करीब 2.30 बजे हुआ। सभी युवक बारात में शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में एक वाहन का डीजल खत्म होने पर कुछ युवक दूसरी कार से डीजल लेने गए थे। वापसी में खरगोन की ओर से आ रहे टैंकर ने टक्कर मार दी।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। राजपुर के समीप अंतर संभा जलगोन से बारात के कुछ सदस्य कार से जुलवानिया गए थे। लौटते समय खरगोन की दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित टैंकर ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन घायलों ने जुलवानिया के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मृतकों में सचिन गोकूल वास्कले 25 वर्ष, प्रदुम्य सहते 25 वर्ष, पप्पू 29 वर्ष, आकाश 25 वर्ष और यशवंत सुपड़िया 30 वर्ष शामिल हैं।

धर्म व विज्ञान के मॉडल फेल अब भारत से उम्मीद: भागवत

अगरतला, जेएनएन। मोहन भागवत ने कहा है कि पिछले करीब 2000 सालों में शासन, धर्म और विज्ञान के अलग-अलग प्रयोगों के बावजूद दुनिया को स्थायी शांति नहीं मिल सकी है। उन्होंने दावा किया कि अब वैश्विक समाज भारत की सभ्यतागत सोच और ज्ञान परंपरा की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। वे त्रिपुरा के मोहनपुर में मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ शक्तियां देश में धार्मिक और भाषाई आधार पर विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। भागवत ने कहा कि जिन देशों का इतिहास अपेक्षाकृत छोटा है, वहां एक धर्म या भाषा हो सकती है, लेकिन भारत की पहचान उसकी बहुलता और समृद्ध परंपरा से बनती है। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने और ऐसी कोशिशों को विफल करने का आह्वान किया।

आतंकी हमले का एक साल | पहलगाम में पर्यटकों की हलचल में इजाफा पर बैसरन अब भी बंद

उम्मीद व डर के बीच 'मिनी स्विट्जरलैंड' में सन्नाटा

नई दिल्ली, जेएनएन। बैंसरन घाटी.... देवदार के घने जंगलों से घिरी, हरी घास के विस्तृत मैदानों वाली वह घाटी, जिसे कभी 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहा जाता था। 22 अप्रैल 2025 के आतंकी हमले की पहली बरसी पर, यह घाटी सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक त्रासदी, ए स्मृति और एक अधूरी वापसी का प्रतीक बन चुकी है।

एक साल पहले इसी घाटी में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय टट्टूवाले की हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। आरोप था कि आतंकियों ने धर्म पूछकर गोलियां चलाईं। उस दिन की गोलियों की गूंज अब भी यहां के सन्नाटे में सुनाई देती है। पहलगाम आज फिर से पर्यटकों की हलचल से धीरे-धीरे भर रहा है, लेकिन बैसरन अब भी बंद है। घाटी की ओर जाने वाले रास्ते सील हैं। कुछ पर्यटक दूर से उसे निहारते हैं, लेकिन वहां तक पहुंच नहीं पाते। घाटी के ऊपर खड़े देवदार के पेड़ आज भी उस दिन के गवाह हैं, जब खुशियों से भरा मैदान अचानक खून से लाल हो गया था। स्थानीय लोग बताते हैं कि 'हरियाली तो वही है, लेकिन माहौल बदल गया है- अब यहां पहले जैसी बेफिक्री नहीं रही।'

एक साल बाद कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे संभल रही है, लेकिन पूरी तरह नहीं। पहलगाम में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है, मगर यह अब भी हमले से पहले के मुकाबले लगभग आधी है। होटल मालिक बताते हैं कि अब पर्यटक एक-दो दिन से ज्यादा नहीं रुकते। वे बेताब वैली और अरु वैली जैसे खुले इलाकों तक जाते हैं और जल्दी लौट जाते हैं। सबसे बड़ा झटका उन 3500 से ज्यादा टट्टूवालों को लगा है, जिनकी रोजी-रोटी बैसरन जैसे ऊंचाई वाले इलाकों पर निर्भर थी। जो पहले रोज 1000-1500 रुपये कमाते थे, उनकी आय घटकर 200-300 रुपये रह गई है।

'26 लाशों का बोझ' और टूटी आजीविका

बैसरन सिर्फ एक घटना का स्थल नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था की धुरी भी था। यहां तक पहुंचने के लिए टट्टू ही एकमात्र साधन थे, जिससे हजारों परिवार जुड़े थे। हमले के बाद सरकार ने सुरक्षा कारणों से 48 पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया था। इनमें से कई अब खुल चुके हैं, लेकिन बैसरन समेत करीब 20 स्थल अब भी बंद हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि 'पहलगाम में रौनक लौट रही है, लेकिन बैसरन अब भी वीरान है और जब तक वह नहीं खुलेगा, असली सुधार नहीं होगा।

सुरक्षा का नया ढांचा भरोसे की कोशिश

हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह बदल दी गई है। घाटी के आसपास नई चौकियां बनाई गई हैं, लगातार गश्त हो रही है और डिजिटल निगरानी को मजबूत किया गया है। अब हर स्थानीय सेवा प्रदाता चाहे वह टट्टूवाला हो या गाइड को बारकोड वाला आईडी कार्ड दिया गया है। पर्यटकों की भी सख्त जांच होती है। पहलगाम के प्रवेश द्वार पर एक 'शहीद स्मारक' बनाया गया है, जो उन 26 लोगों की याद दिलाता है जिन्होंने उस दिन अपनी जान गंवाई। यह स्मारक अब श्रद्धांजलि और चेतावनी दोनों का प्रतीक बन गया है।

संबोधन विवाद: कांग्रेस ने दिया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

आरोप: विपक्ष की 'स्वतंत्रता-निष्पक्षता' पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन (प्रिविलेज नोटिस) का प्रस्ताव रखा है। आरोप है कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में विपक्षी सांसदों की 'स्वतंत्रता और निष्पक्षता' पर सवाल उठाए और उनकी नीयत पर टिप्पणी की। यह नोटिस कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को सौंपा है। 17 अप्रैल को लोकसभा में 131वें संविधान संशोधन बिल के लिए सत्ता पक्ष आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा सका और यह बिल गिर गया। इसके अगले दिन प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्ष पर कड़ा हमला बोला। अपने लगभग 29 मिनट के भाषण में उन्होंने विपक्ष पर बिल रोकने का आरोप लगाया और सांसदों के मतदान व्यवहार पर सवाल उठाए। इस दौरान उन्होंने 'भ्रूण हत्या' जैसे शब्द का इस्तेमाल करते हुए विपक्ष की आलोचना की, जिससे विवाद और गहरा गया।

कांग्रेस का आरोप: सत्ता का दुरुपयोग और संसद का अपमान

कांग्रेस का कहना है कि राष्ट्र के नाम संबोधन का इस्तेमाल विपक्ष की आलोचना के लिए करना 'अभूतपूर्व, अनैतिक और सत्ता का खुला दुरुपयोग' है। केसी वेणुगोपाल के मुताबिक, सांसद के संसद में दिए भाषण या मतदान के आधार पर उसकी नीयत पर सवाल उठाना विशेषाधिकार का गंभीर उल्लंघन है और यह अवमानना के बराबर है।

संक्षिप्त खबरें

तीन आरआई का तबादला सभी को उज्जैन भेजा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस मुख्यालय ने मंगलवार को रक्षित निरीक्षक (आरआई) स्तर के तीन अफसरों के तबादले किए हैं। मंगलवार को पीएचक्यू द्वारा जारी आदेश के अनुसार दतिया में पदस्थ आरआई सौरभ कुमार तिवारी, छिंदवाड़ा में पदस्थ यातायात के कार्यवाहक आरआई राकेश कुमार तिवारी और शाजापुर में तैनात यातायात के कार्यवाहक आरआई सौरभ शुक्ला का ट्रांसफर उज्जैन किया गया है। संबंधित जिलों के एसपी को यह निर्देश दिए गए हैं कि इन सभी अफसरों को समयावधि में रिलीव कर नई पदस्थापना पर जॉइनिंग के लिए भेजें। इन तीनों आरआई को काम का आवंटन उज्जैन के एसपी करेंगे। गौरतलब है कि आगामी 2028 में होने वाले सिंहस्थ से पहले वहां अफसरों की तैनाती की जा रही है, ताकि आयोजन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न रहे।

सशस्त्र सेना झंडा निधि में योगदान, राष्ट्र भक्ति की सशक्त अभिव्यक्ति

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि करुणा और दया मानव का मूल स्वभाव है। दान अंतर्रात्मा की आवाज है। यह आत्मीय भाव से की गयी सहयोग की पहल है। इस भावना को जरूरतमंदों की सेवा में लगाने में ही जीवन की सार्थकता है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा कोष में उदार योगदान हमारे सैनिकों और उनके परिवारों का केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की सशक्त अभिव्यक्ति है। झंडा निधि में सहयोग राष्ट्र सेवा में समर्पित वीरों के प्रति हमारे कर्तव्य पालन का अवसर है। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदेशवासियों का आहवान किया कि सैनिक कल्याण के लिए अपनी क्षमता के अनुसार अधिक से अधिक दान दें। साथ ही अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। रज्यपाल श्री पटेल मंगलवार को समामेलित विशेष निधि प्रबंध समिति की बैठक उपरांत लोकभवन में आयोजित सशस्त्र सेना झंडा निधि में विशेष योगदान देने वालों के अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहण के लिए संभागायुक्त जबलपुर श्री धनंजय सिंह भदौरिया, हरदा कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन, अलीराजपुर कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर, नीमच कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा और दानदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

सामाजिक न्याय विभाग का चिंतन शिविर आज

मुख्य संवाददाता, भोपाल। सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग के मैदानी अमले के लिए चिंतन शिविर बुधवार को आयोजित होगा। विभाग के सभागार में होने वाले इस शिविर में मंत्री नारायण सिंह कुशवाह मौजूद रहेंगे। इस चिंतन शिविर का मकसद योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाइयों को दूर करना और विभाग का रोडमैप तैयार करना है। शिविर में योजनाओं की समीक्षा और फीडबैक के साथ ही योजनाओं का ऑडिट होगा एवं मैदानी स्तर पर हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिलने में होने वाली देरी के कारण खोजे जाएंगे। विभाग इस दौरान नवाचार और नई तकनीक के जरिए स्पर्श पोर्टल और अन्य ऑनलाइन सेवाओं के बेहतर उपयोग पर भी चर्चा करेगा। इसके अलावा डाटा शुद्धिकरण, ई-केवाईसी, आधार सीडिंग में आ रही चुनौतियों का समाधान, नई प्राथमिकताएं, जन-जागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा, विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रमों और दिव्यांग छात्रावासों की स्थिति और सुविधाओं में सुधार, एनजीओ के कामकाज की मॉनिटरिंग के साथ आने वाले समय के लिए एक्शन प्लान भी तय किया जा सकता है।

सिविल सर्विस डे पर सीएस की सीख फाइल के पीछे इंसान का चेहरा भी देखें

जनता को परेशान करने वाले नियम बदलें, मंत्री ने भी सुनाया ईमानदारी का किस्सा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मंगलवार को राजधानी के प्रशासन अकादमी में आयोजित सिविल सेवा दिवस के दौरान मुख्य सचिव अनुराग जैन ने प्रशासनिक अधिकारियों से दो टूक लहजे में कहा कि नियमों का पालन आंखें मूंदकर (ब्लाइंडली) न करें, बल्कि यह ध्यान रखें कि फाइल के पीछे भी एक जीवित इंसान का चेहरा और उसकी जरूरतें छिपी हैं। उन्होंने साफ कहा कि नियम अपनी जगह सही हो सकते हैं, लेकिन यदि कोई पुराना नियम आज के परिवेश में जनता के लिए मुसीबत बन रहा है, तो अधिकारियों को उसे बदलने की पहल करनी ही चाहिए। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासन में अफसरों की भूमिका केवल लकीर का फकीर बनने की नहीं, बल्कि एक फैसिलिटेटर की तरह होनी चाहिए, जो नागरिकों की समस्याओं का समाधान निकाले।

शॉर्टकट सफलता की सीढ़ी नहीं

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को शॉर्टकट की राजनीति और कार्यशैली से बचने की सलाह देते हुए कहा कि आज का छोटा रास्ता भविष्य में बड़ी मुश्किलें खड़ी कर सकता है। उन्होंने सिविल सेवा दिवस पर जोर देते हुए कहा कि यह दिन सिर्फ आईएएस या अन्य अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों का नहीं है, बल्कि प्रदेश के उन सभी सवा सात लाख कर्मचारियों का है जो अंतिम छोर पर बैठकर जनता की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश आज देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जिसने सभी 55 विभागों के हर पद की जिम्मेदारी और ट्रेनिंग को पोर्टल पर मैप किया है। जैन ने जोर देकर कहा कि नीति निर्धारण में निष्पक्षता और नैतिकता ही लोक सेवा की असली बुनियाद है।

अफसर से राजनेता बने वर्मा की कहानी मंत्री ने सुनाई

भोपाल के प्रभारी मंत्री चेतन्य काश्यप ने कहा कि आज के दौर में केवल दिखावे के लिए नए प्रयोग या नवाचार करना उतना जरूरी नहीं है, जितना वर्तमान व्यवस्था की गुणवत्ता और निरंतरता को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि किसी भी अभियान को सात दिन तक जोश के साथ चलाना आसान है, लेकिन असली चुनौती उस सेवा को साल भर बिना रुकावट के जनता तक पहुंचाना है। उन्होंने अफसरों को नसीहत दी कि जनता तभी सुखी रहती है जब उसे सरकारी सेवाएं सहजता से उपलब्ध होती रहें। मंत्री ने पूर्व मुख्य सचिव सुशील चंद्र वर्मा से जुड़ा एक किस्सा सुनाकर अधिकारियों को ईमानदारी का पाठ पढ़ाया। जब वर्मा चुनाव जीतने के बाद आए, तो उन्होंने चंदे में मिले रुपयों में से बचे हुए 2700 रुपये और एक-एक पाई का हिसाब लिखकर वापस लौटा दिया था। मंत्री ने इस घटना के जरिए प्रामाणिकता का वह पैमाना पेश किया, जो आज के दौर में मिसाल है। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अच्छा काम करने वाले अफसरों को मंत्री काश्यप और मुख्य सचिव जैन ने सम्मानित भी किया।

अफसरों को मिली ये भी सलाह

- आम जनता की जरूरतों को समझना सबसे च्यादा जरूरी
- इनोवेटिव हेड की भूमिका निभाएं, ब्लाइंडली रूल फॉलो न करें
- नियम अगर जनता की परेशानी का सबब बन रहा है, तो उसे बदलने की पहल करें
- प्रशासन को 360 डिग्री के नजरिए से चीजों को समझना चाहिए
- शॉर्टकट से बचना चाहिए, ऐसा फैसला लें जो लंबे समय तक असरदार रहे
- सिविल सर्विस केवल ब्यूरोक्रेसी नहीं, सरकार के सवा सात लाख सरकारी कर्मचारियों इसका अंग
- पॉलिसी एडमिनिस्ट्रेशन में फेयरनेस (पारदर्शिता) की वैल्यू होनी चाहिए
- हर अधिकारी के हर एक्शन में निष्पक्षता अनिवार्य

विधायक प्रीतम लोधी के बयानों पर भड़का आईपीएस एसोसिएशन

खाकी के सम्मान में उतरा संघ, सिविल सर्विस डे पर की निंदा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। शिवपुरी जिले के करैरा में पदस्थ प्रोबेशनर आईपीएस अधिकारी डॉ. आयुष जाखड़ के खिलाफ पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा की गई टिप्पणियों ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले में मध्य प्रदेश भारतीय पुलिस सेवा संघ (आईपीएस एसोसिएशन) ने कड़ा रुख अपनाते हुए मंगलवार को आधिकारिक प्रेस नोट जारी किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष चंचल शेखर द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार मीडिया में वायरल वीडियो में विधायक प्रीतम लोधी जिस प्रकार की अभद्र, अमर्यादित एवं धमकी भरी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, वह अत्यंत निंदनीय एवं सार्वजनिक जीवन की गरिमा के विपरीत है। एसोसिएशन ने विधायक के बर्ताव पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि एक अधिकारी और उसके परिवार के खिलाफ ऐसी अपमानजनक टिप्पणियां की गईं, जिससे पूरे प्रशासनिक तंत्र के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। कटाक्ष करते हुए आईपीएस एसोसिएशन ने कहा कि यह दुखद संयोग है कि सिविल सर्विस डे के अवसर पर किसी जनप्रतिनिधि के ऐसे आचरण की निंदा करनी पड़ रही है।

जमकर वायरल हो रहे धमकी भरे वीडियो

प्रीतम लोधी के इन बयानों के बाद प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में भी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। वायरल वीडियो में विधायक अपने रसूख का प्रदर्शन करते हुए न केवल अधिकारी को धमकाते नजर आ रहे हैं, बल्कि उनके परिवार के प्रति भी अशोभनीय शब्दों का उपयोग कर रहे हैं। आईपीएस एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि जनप्रतिनिधियों से अपने आचरण और भाषा में संयम की अपेक्षा की जाती है, लेकिन इस तरह का धमकीपूर्ण व्यवहार किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्वीकार्य नहीं है और यह प्रशासनिक तंत्र की निष्पक्षता को आहत करता है। संघ ने इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए उचित कार्यवाही की मांग की है। सूत्रों के मुताबिक इस मामले में सीएम तक एसोसिएशन ने अपनी बात पहुंचा दी है और जल्द ही कोई बड़ा एक्शन भी लिया जा सकता है।

बेटे पर हुई एफआईआर से भड़के थे विधायक

विवाद की जड़ विधायक प्रीतम सिंह लोधी के बेटे की हरकतें हैं। उसके खिलाफ करैरा में पदस्थ प्रोबेशनर आईपीएस आयुष जाखड़ ने कार्रवाई की थी। इसके बाद विधायक ने आपा खो दिया था और मीडिया के सामने ही बेहद अभद्र भाषा का प्रयोग किया। यह पहली बार नहीं है जब प्रीतम लोधी अपने बयानों के कारण विवादों में आए हों। लोधी ने आईपीएस के खिलाफ वर्दी की गर्मी को ठंडा करने और उल्टा लटकाने जैसी बात भी कही थी। इसके अलावा आईपीएस के परिवार के खिलाफ भी बयान दिया था।

सिविल सर्विस-डेः देवास की पुलिस चौपाल को सीएम एक्सीलेंस अवार्ड

2 करोड़ से ज्यादा की साइबर फ्रॉड राशि कराई वापस

मुख्य संवाददाता, भोपाल। सिविल सेवा दिवस पर मंगलवार को प्रशासन अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में देवास पुलिस के नवाचार पुलिस चौपाल को सीएम एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मंत्री चेतन्य कश्यप और मुख्य सचिव अनुराग जैन ने देवास के एसपी पुनीत गेहलोत और प्रधान आरक्षक शिवप्रताप सिंह सेंगर को संयुक्त रूप से 1 लाख रुपये की राशि और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया। 1 नवंबर 2024 से संचालित इस अभियान के तहत जिले में 2800 से अधिक चौपालें आयोजित की गईं, जिससे करीब 94 हजार नागरिकों की मौके पर जाकर सुनवाई कर उनकी शिकायतों का निराकरण किया गया। इस दौरान 214 संभावित डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं को रोका गया और साइबर ठगी का शिकार हुए लोगों के 2 करोड़ 14 लाख रुपये वापस कराए गए। इसके अलावा ऑपरेशन त्रिनेत्रम चलाकर पुलिस ने 10 हजार सीसीटीवी कैमरे लगाकर 46 ग्राम पंचायतों और 2 नगर पंचायतों को पूरी तरह सुरक्षित किया। पुलिस चौपाल के जरिए पुलिस ने ग्राम स्तर पर 1100 व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर 22 हजार युवाओं को भी जोड़ा है।

वसुंधरा का पत्र वायरल होने पर एमपी में कांग्रेस के सात नेता गिरफ्तार, राजस्थान ले गई पुलिस

चार दिन से वायरल हो रहा था संघ प्रमुख को लिखा पत्र, महिला आरक्षण से जुड़ा है मामला

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का वायरल होने पर मध्यप्रदेश में दबे पांव गिरफ्तारी शुरू हो गई है। पुलिस ने प्रदेश कांग्रेस के आईटी प्रकोष्ठ से जुड़े 7 नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। बाद में चार को छोड़ दिया गया, लेकिन 3 नेताओं को लेकर 30 घंटे तक परिवारजनों को भी सूचना नहीं मिल सकी। मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस के नेता पुलिस अफसरों से मिलने पहुंचे तो गिरफ्तार किए गए तीनों नेताओं को राजस्थान पुलिस भोपाल आकर ले गई। इसके बाद कांग्रेस आक्रामक हो गई है। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी सहित तमाम बड़े नेता इसके खिलाफ उतर आए हैं। वहीं कांग्रेस अदालत जाने की तैयारी में भी जुट गई है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस आईटी सेल से जुड़े जिन तीन नेताओं को राजस्थान पुलिस गिरफ्तार कर ले गई है, उनमें बिलाल, ईनाम अहमद और निखिल प्रजापति शामिल हैं। इन्हें भी 19 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। कार्रवाई इतनी गोपनीय थी कि परिवार व पार्टीजनों को भी कोई सूचना नहीं मिल सकी। परिवार और पार्टीजनों को मंगलवार दोपहर तक इनके संबंध में कोई जानकारी ही मिल सकी थी। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक के नेतृत्व में ज्ञापन देने पहुंचे दल को भी पुलिस अधिकारी गुमराह करते रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना था कि राजस्थान पुलिस ने ही कार्रवाई की है, उन्हें कोई सूचना ही नहीं है। मगर जैसे ही पार्टी के नेताओं ने इस मामले में सोशल मीडिया पर मोर्चा खोला, तीनों को राजस्थान पुलिस द्वारा जयपुर के ज्योति नगर थाने ले जाने की जानकारी सामने आने लगी।

क्या है मामला

सोशल मीडिया पर राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा के नाम वाले सरकारी लेटर हेड पर लिखा गया पत्र पांच दिनों से वायरल हो रहा था। संघ प्रमुख को लिखे पत्र में महिला आरक्षण से जुड़े कदमों और तरीकों पर सवाल उठाए गए थे। इसे कांग्रेस के आईटी विभाग द्वारा भी फारवर्ड किया गया था। इसी आधार पर यह गिरफ्तारी की गई है। इस पर राज्यसभा सांसद व प्रसिद्ध अधिवक्ता विवेक तन्खा ने पुलिस ने ट्वीट कर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि लीगल टीम हाई कोर्ट में याचिका दायर करने वाली है। तन्खा ने फेसबुक पर मुख्यमंत्री और डीजीपी को टैग करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि एमपी पुलिस की कार्रवाई से आश्चर्य और निराशा हुई है।

निष्पक्ष जांच बगैर गिरफ्तारी अनुचित

गिरफ्तारी की प्रदेशाध्यक्ष पटवारी ने निंदा की है। उनहोंने कहा कि यदि पत्र में लिखी गई बातें निराधार हैं, तो भाजपा को सामने आकर स्पष्ट तथ्यों के साथ उसका खंडन करना चाहिए। यदि उसमें सच्चाई का अंश भी है, तो उसे दबाने या उससे ध्यान भटकाने के बजाय उस पर गंभीरता से विचार और कार्रवाई की जानी चाहिए।

भाजपा बोली- फर्जीवाड़ा बंद करे कांग्रेस

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कांग्रेस के कदम को कुत्सित मानसिकता की पराकाष्ठा बताया है। उन्होंने कहाकि कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल अब फेक न्यूज का अड्डा बन चुके हैं। पूर्णतः फर्जी और भ्रामक पत्र को आधिकारिक प्लेटफॉर्म से पोस्ट करना गिरती हुई राजनीतिक सोच और स्तर का स्पष्ट प्रमाण है।

बिचौलियों को खत्म कर सरकार करे आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती

नगर संवाददाता, भोपाल। सरकारी विभागों में इस समय पांच लाख से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी काम कर रहे हैं। इन्हें न तो समय पर वेतन मिल रहा है और न कोई रोजगार गारंटी है। प्रदेश के शोषित आउटसोर्स कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को दूर करने के लिए भारतीय मजदूर संघ ने मोर्चा खोल दिया है। बीएमएस ने मंगलवार को प्रदेश के हर जिले में कलेक्टर स्तर पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। भोपाल में बीएमएस के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर और बीएमएस ठेका कर्मचारी सेल के संयोजक राजन नायर ने बताया कि हमारी सरकार से मांग है कि जल्द से जल्द प्रदेश में आउटसोर्स निगम मंडल का गठन किया जाए। आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए राज्य स्तर पर स्पष्ट नीति बनाई जाए, जिससे उन्हें नियमित वेतन, समय पर भुगतान और श्रम कानूनों का संरक्षण मिल सके।

अपने अतीत व आचरण पर गौर कर माफी मांगें खड़गे : सीएम यादव

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई विवादित टिप्पणी की कड़े शब्दों में निंदा की है। मुख्यमंत्री ने कहाकि इसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष माफी मांगें। डॉ. यादव ने सलाह देते हुए कहा है कि भविष्य में खड़गे को इस तरह की टिप्पणी से बचना चाहिए। उन्होंने कहाकि आज देश में अलग प्रकार का माहौल बना हुआ है। कांग्रेस एक के बाद एक वह सब गलतियां कर रही हैं, जिसके कारण उसे नुकसान उठाना पड़ रहा है। कांग्रेसियों को अपने अतीत और आचरण पर गौर करना चाहिए।

अलगाववादी तत्वों को कांग्रेस ने प्रोत्साहन दिया

कांग्रेस ने मीसा बंदी के दौरान विपक्ष के साथ जो व्यवहार किया, उसकी आज तक माफी नहीं मांगी। तमाम प्रकार के अलगाववादी तत्वों को कांग्रेस ने प्रोत्साहन दिया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी को आतंकवादी बताया। सीएम डॉ यादव ने कहाकि चुनाव में डीएमके और कांग्रेस हार देखकर बौखला रही हैं।

प्रदेश में अब एक दिन में 2250 क्विंटल गेहूं बेच सकेंगे किसान

केंद्रों पर स्लॉट बुकिंग क्षमता बढ़ाई, 81 लाख क्विंटल की खरीदी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में गेहूं की सरकारी खरीदी और भी? कम करने के लिए उपार्जन केंद्र पर रोजाना की स्लॉट बुकिंग क्षमता 1000 क्विंटल से बढ़ाकर 2250 क्विंटल कर दी है। इसके अलावा उपार्जन केंद्रों पर तौल कांटों की संख्या भी 4 से बढ़ाकर 6 कर दी गई है, ताकि किसानों को अपनी उपज की तुलाई के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े। जानकारी के मुताबिक अब तक प्रदेश के 1 लाख 88 हजार 971 किसानों से 81 लाख 76 हजार 970 क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। इस दौरान सरकार ने 1 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 1083 करोड़ 80 लाख रुपये की राशि भेज भी दी है।

इस साल 19 लाख किसानों ने कराया है पंजीयन

प्रदेश में इस वर्ष उपार्जन के लिए कुल 3171 केंद्र बनाए गए हैं, जहां 19 लाख से अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले साल के मुकाबले 3.60 लाख अधिक है। इस बार केंद्र सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल के साथ ही राज्य सरकार द्वारा घोषित 40 रुपये का बोनस मिलाकर किसानों को 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जा रहा है। अब तक खरीदे गए गेहूं में से 64 लाख क्विंटल से अधिक का परिवहन गोदामों तक किया जा चुका है। गौरतलब है कि इस साल सरकार ने 78 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का लक्ष्य रखा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस कांग्रेस, राहुल-प्रियंका की जिद है, महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिला कर रहेंगे: रागिनी

रात के अंधेरे में चोर दरवाजे से महिला आरक्षण क्यों दे रही है सरकार

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। संसद में गिरे संविधान संशोधन विधेयक को महिला आरक्षण बताकर विपक्ष पर ठीकरा फोड़ रही भाजपा और केंद्र सरकार पर कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रागिनी नायक ने तीखे हमले किए हैं। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मायाजाल बताते हुए कांग्रेस प्रवक्ता ने पूरी सरकार की नीयत पर भी सवाल उठाते हुए कहाकि यदि वे वाकई महिला शक्ति को बढ़ावा देना चाहते हैं तो 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम की याद उन्हें तीन साल बाद क्यों आई। अचानक रात के अंधेरे में अधिसूचना जारी कर जनगणना और परिसीमन की बैसाखियों के सहारे चोर दरवाजे से महिला आरक्षण क्यों देना चाहती है सरकार। यदि सरकार की नीयत साफ है तो वर्तमान 543 सांसदों में से ही महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू कर दिया जाए। कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. रागिनी ने मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए यह बात कही। महिला आरक्षण के नाम पर देश के साथ अब तक का सबसे बड़ा छल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहाकि तमिलनाडु और बंगाल चुनावों में चुनावों को देखते हुए मोदी सरकार को नारी शक्ति वंदन की याद आ गई। मगर सरकार के विभाजनकारी मंसूबे सफल नहीं हो पाए और विपक्ष की एकता से लोकतंत्र के मंदिर में संविधान की लाज बच गई। उन्होंने सीधे तौर पर पीएम मोदी की नीति और नीयत में खोट बताते हुए कहाकि सरकार केवल दक्षिण भारत के राज्यों को अलग करने के लिए मनमाने ढंग से परिसीमन करना चाहती है। मगर यह विभाजनकारी और महिलाओं के हिस्से में चोरी के प्रयास कांग्रेस कभी सफल नहीं होने देगी। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी और उनकी सरकार ने तमिलनाडू और पश्चिम बंगाल के चुनावों में संभावित हार को देखते हुए विशेष सत्र बुलाकर रातों रात महिला आरक्षण की आड़ में मनमाना परिसीमन को मंजूरी दिलाने की कोशिश की थी। यह महिला आरक्षण बिल था ही नहीं।

हमारी नीयत से ही पारित हुआ था विधेयक

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहाकि जब 2023 में सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाई थी, कांग्रेस नेताओं ने ही इसे सर्व सम्मति से पारित कराया था। हमारे नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे, प्रियंका गांधी ने सर्वसम्मति से इसे पारित कराया था। मगर इसके विपरीत जब हम 2010 में महिला आरक्षण विधेयक लाए थे, तब राज्यसभा में तो पारित करा लिया था, लेकिन लोकसभा में बहुमत न होने से यह इसे पारित नहीं करा पाए थे। इसके पहले जब 1989 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी पंचायतों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का बिल लाए थे, तब भी भाजपा के चार दिग्गजों अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जसवंत सिंह और रामजेठमलानी ने महिला आरक्षण के विरोध में वोट डाले थे। तब भी भाजपा की नीयत देश की महिलाओं ने देखी थी।

हां, महिला अपना अपमान कभी नहीं भूलती

डॉ. नायक ने भाजपा पर उसी के अंदाज में हमले किए। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहाकि राष्ट्र के नाम संदेश में पीएम मोदी ने अपने 29 मिनट के भाषण में 58 बार कांग्रेस का विलाप किया। यह भी कहाकि नारी कभी अपना अपमान नहीं भूलती। उन्होंने बिल्कुल सही कहा, मगर महिलाओं का अपमान किसने किया, यह देश की हर महिला जानती है। सदन में कांग्रेस की विधवा, एक सांसद की पत्नी का 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड, सुपर्णखा और एक मुख्यमंत्री को दीदी-ओ-दीदी कहकर महिलाओं का मजाक उड़ाने वालों को देश की महिलाएं कभी माफ नहीं करेंगी। यह भाजपा द्वारा महिलाओं का अपमान ही है कि संसद में महिला सांसदों का औसम 13.6 है तो भाजपा में मात्र 31 यानी 12.9 प्रतिशत सांसद हैं। भाजपा शासित 21 राज्यों में से केवल एक महिला सीएम है। देश के 1654 विधायकों में से भाजपा की विधायक मात्र 164 हैं। महिलाओं पर अत्याचार, बलात्कार करने वालों को भाजपा सरकार ही संरक्षण देती है, यह भी देश की महिलाओं ने देखा है और वे कभी माफ नहीं करेंगी।

45 साल से शहर के बीच मौजूद आरा मशीनों की शिफ्टिंग दो सप्ताह में होगी, मेट्रो की राह में बाधा अन्य निर्माण भी हटेंगे

बैठक: एसडीएम शहर सहित अन्य को कलेक्टर ने दिया अल्टीमेटम, कहा-तैयार करें अधिग्रहण की रिपोर्ट, जहां विवाद नहीं वहां तेजी से हो काम

जागरण संवाददाता, भोपाल। पिछले 45 साल से शहर के बीचों बीच मौजूद आरा मशीनों को अगले दो हफ्ते के अंदर शहर से बाहर करने की तैयारी की जा रही है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को भोपाल मेट्रो परियोजना की समीक्षा करते हुए जिले के सभी एसडीएम को निर्देश जारी किए कि वे अपने क्षेत्र में मेट्रो परियोजना से जुड़े भूमि अधिग्रहण के कार्यों को तेज गति से पूरा करें और जिस इलाके में किसी भी वाद-विवाद की स्थिति नहीं है वहां निर्माण कार्य तेज गति से पूरा किया जाए। इस दौरान मेट्रो अधिकारियों ने बताया कि इन दिनों भोपाल रेलवे स्टेशन से ऐशबाग तक अंडर ग्राउंड टनल का काम चल रहा है। साथ ही इस रूट पर आरा मशीनों मेट्रो निर्माण कार्य में बाधा पैदा कर रही हैं। इस पर कलेक्टर ने शहर एसडीएम को निर्देश जारी किए कि अगले दो हफ्ते के भीतर आरा मशीनों को शहर से बाहर शिफ्ट करने की तैयारी करें। साथ ही मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण में जो भी अतिक्रमण सामने आ रहे हैं, उन्हें समय सीमा में हटा दिया जाए। बैठक में एडीएम सुमित

पांडेय के साथ नगर निगम व मेट्रो के अधिकारी सहित शहर के सभी एसडीएम व अन्य अधिकारी मौजूद थे। बता दें कि पातरा पुल स्थित आरा मशीनों के लिए 30 माह पहले ही जमीन का आवंटन किया जा चुका है, लेकिन प्रशासनिक सुस्ती की वजह से आरा मशीनों की शिफ्टिंग नहीं हो पा रही है। यह आरा मशीनें ऑरेंज लाइन के निर्माण में बाधा बन रही हैं और इस लाइन का काम जून 2028 तक पूरा किया जाना है, लेकिन मशीनों की शिफ्टिंग न होने से मेट्रो का काम अधर में लटका हुआ है।

मेट्रो ने जारी की है 5.85 करोड़ की राशि

मेट्रो प्रशासन द्वारा परवलिया स्थित ग्राम छोटा रातीबड़ में शिफ्टिंग के लिए चिन्हित 18 एकड़ जमीन पर विकास कार्यों के लिए 5.85 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। पूर्व में शिफ्टिंग के लिए जनवरी की डेडलाइन तय की गई थी, लेकिन फिलहाल यह काम अब तक अटका है। जबकि पिछले साल नवंबर और दिसंबर माह के बीच दो भीषण अग्निकांड हुए थे। जबकि पिछले 5 सालों में आरा मशीनों के चलते 12 बार भीषण आग लग चुकी है, जिसकी वजह से आम लोगों का जीवन संकट में पड़ जाता है।

यह है वर्तमान स्थिति

ग्राम छोटा रातीबड़ में उद्योगों के लिए सड़कों का जाल बिछाने का काम छह माह से चल रहा है, जो पूरा हो गया है। इसके अलावा ड्रेनेज और सीवेज लाइन का काम भी चल रहा है। फिलहाल स्ट्रीट लाइट और पेयजल का काम पूरा नहीं हो सका है। परवलिया मुख्य मार्ग से छोटा रातीबड़ तक आने वाला मार्ग भारी वाहनों के लिए समस्या का कारण बन सकता है, इसका चौड़ीकरण किया जाना भी जरूरी है। वहीं बिजली लाइन सहित अन्य काम भी न होने से शिफ्टिंग फिलहाल टलती हुई नजर आ रही है, जबकि पिछली बार हुई आगजनी की घटना के बाद कलेक्टर सहित आरा मशीन संचालकों में बैठक भी हो चुकी है।

मेरे संज्ञान में लाए जाएं विवादित मामले

बैठक में कलेक्टर ने सभी एसडीएम से दो टूक कहा कि मेट्रो परियोजना से जुड़े मामलों में चिन्हित भूमि का सीमांकन कर उसे तुरंत मेट्रो कंपनी को सौंपा जाए। जहां भूमि संबंधी विवाद की स्थिति बनती है, तो उसे देरी किए बिना सीधे मेरे संज्ञान में लाया जाए, ताकि तेजी से समाधान किया जा सके। एमआईडीसी, वन और राजस्व विभाग के अधिकारियों को हिदायत दी गई कि आरा मशीनों की शिफ्टिंग में वैसे ही काफी देर हो चुकी है। आगे और देरी या बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

चाकू दिखाने से रोकने पर युवक पर जानलेवा हमला

जागरण, भोपाल। कोतवाली थाना क्षेत्र में चाकू दिखाने से मना करने पर बदमाशों ने युवक पर चाकू से जानलेवा हमला दिया। हादसे में युवक का गाल फट गया। जबकि उसके दोस्त को मामूली चोटें आई हैं। अस्पताल में भर्ती सुभाष को 5 से 6 टांके लगे हैं। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ हत्या की प्रयास का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 22 वर्षीय सुभाष वानखेड़े पिता गोपाल गांधी नगर स्थित विकास नगर झुग्गी में रहता है। वह कबाड़ बीनने का काम करता है। सोमवार को वह दोस्त अमर के साथ कोतवाली इलाके कबाड़ बीनने के बाद शाम को सात बजे उसे बेच दिया। इसके बाद वे इतवारा कलारी के पास स्थित दुकान से खाना खरीदकर के सामने बैठकर खाने लगे। इतने में वहां पर पहले से परिचित आरोपी गुल्ली बच्चा छुरी लेकर पहुंचा। उसने कहा कि छुरी मत दिखा अंदर रख लो। बाद में वह वहां से चला गया। इसके बाद वे खाना खाने लगे। कुछ देर बाद रात करीब साढ़े 10 बजे गुल्ली अपने साथी के साथ दोबारा वहां आया। जहां उसने गाली-गलौज कर एक के बाद एक चाकू से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिए। बीच-बचाव करने आए अमर पर भी उन्होंने हमला कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने गुल्ली बच्चा और एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पत्नी से बात कर ट्रेन के आगे कूदा युवक, मौत

जागरण, भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र में ऑटो चालक ने ट्रेन के सामने कूद कर खुदकुशी कर ली। घटना से पहले उसका पत्नी से विवाद हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 24 वर्षीय राजकूमार अहिरवार पिता हीरालाल शिवनगर फेस तीन में रहता था। वह ऑटो चालक था। दो साल पहले उसने लव मैरिज की थी। वह शराब पीने का आदी था। अक्सर दोनों पत्नी-पति के बीच झगड़ा होता रहता था। जिस पर वह पत्नी को खुदकुशी करने की धमकी देता था। सोमवार को उसका पत्नी से विवाद हुआ था। घटना के पहले उसने पत्नी से फोन पर बात की थी। रात करीब 10 बजे उसने अपना ऑटो खड़ा कर भानपुर के पास स्थित डाउन रेल पटरी पर ट्रेन के सामने कूद कर जान दे दी। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव की पहचान कर पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

दिनदहाड़े घर में घुसकर एसआई की पत्नी से मारपीट व लूट, ईंट से सिर और मुंह तोड़ा

नाक-कान की बाली, गले से चेन छीनकर भागा लुटेरा, गंभीर हालत में नर्मदा अस्पताल में चल रहा इलाज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। निशातपुरा इलाके में दिनदहाड़े घर में घुसकर एसआई की पत्नी से मारपीट कर लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। आरोपी ने ईंट से बुजुर्ग महिला का सिर और मुंह तोड़ दिया। वह उनकी नाक और कान की बाली, गले की चेन छीनकर भाग निकला। लहूलुहान हालत में महिला को पास स्थित अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से उसे नर्मदा रेफर किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट, लूट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपी की पहचान हो चुकी है, फिलहाल उसकी तलाश जारी है। जानकारी के मुताबिक, करीब 65 वर्षीय शैल कुमारी पति स्व. देवेंद्र मिश्रा राजीव कालोनी निशातपुरा में अकेली रहती हैं। उनके पति की मौत के बाद बेटे को अनुकंपा नियुक्ति मिली। वह एसएएफ है और इन दिनों पश्चिम बंगाल चुनाव ड्यूटी में गया है। दूसरा बेटा बैंगलोर में जॉब करता है। घटना की जानकारी लगने पर दोनों बेटे भोपाल के लिए निकल चुके हैं।

महिला ने शोर मचाया तो मुंह दबा दिया

मंगलवार सुबह करीब साढ़े सात बजे महिला घर में अकेली थी। तभी पास में काम करने वाला एक मजदूर घर के अंदर घुसा। उसने यहां से कुछ सामान चोरी करना चाहा। इस बीच उसका सामना बुजुर्ग महिला से हो गया। महिला ने शोर मचाना चाहा तो उसने उनका मुंह दबा दिया। इसके बाद उनसे मारपीट की। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने ईंट उठाई और उनके सिर और मुंह पर मार दी। उसने महिला के कान और कान की बाली, गले में पहने चेन छीन ली। महिला लहूलुहान होकर गिर पड़ी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग निकला। इधर, महिला को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अलमारी से सामान लूटकर भागा

घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। लुटेरा घर में रखी अलमारी और अन्य जगह से भी सामान लूटकर ले गया। पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली है। फिलहाल उसका नाम नहीं बताया है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। महिला की हालत गंभीर है। उनका नर्मदा अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अकेले रह रहे बुजुर्ग सुरक्षित नहीं

पुलिस का कहना है कि आरोपी, महिला के घर के पास मजदूरी कर रहा था। जिससे उसे पता था कि बुजुर्ग महिला घर में अकेली रहती है। इसी का फायदा उठाकर उसने लूट की वारदात को अंजाम दिया। एक कहानी यह भी सामने आई है कि आरोपी महिला के घर से गिट्टी चोरी करने गया था, लेकिन यह बात हजम नहीं हो रही। यदि गिट्टी चोरी करना था तो लूट क्यों की? संभवतः आरोपी लूट करने के मकसद से ही घर में दाखिल हुआ था। इस घटना से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अकेले रह रहे बुजुर्ग घर में सुरक्षित नहीं हैं।

बाल विवाह, समझाइश के बाद भी नहीं माने परिजन

कजलीखेड़ा का मामला: बाल विकास महिला अधिकारी ने थाने में दिया प्रतिवेदन, एफआईआर की प्रक्रिया शुरू

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कजलीखेड़ा थाना इलाके में बाल विवाह की घटना सामने आई है। बाल विकास महिला अधिकारी के समझाने के बावजूद परिजनों ने नाबालिग की शादी करवा दी। इस संबंध में कजलीखेड़ा थाना पुलिस को प्रतिवेदन दिया गया है। पुलिस ने एफआईआर की तैयारी कर ली है। इस मामले में पुलिस की भी बड़ी लापरवाही सामने आई है। उन्हें इसकी भनक तक नहीं लगी। इस संबंध में कजलीखेड़ा थाना प्रभारी पल्लवी पांडे को कॉल किया तो उन्होंने रिसीव नहीं किया।

जानकारी के मुताबिक कजलीखेड़ा थाना इलाके के एक गांव में 18 अप्रैल को बाल विवाह किया जा रहा था। इसके पूर्व सगाई हो चुकी है। यह जानकारी लगने के बाद महिला बाल विकास की परियोजना अधिकारी मौके पर पहुंची और उन्होंने शादी रुकवा दी। परिजनों ने भी हामी भरते हुए शादी रुकवाने का समर्थन किया। इसके बाद परियोजना अधिकारी ने परिजनों को समझाइश दी और ऐसा करना कानूनन अपराध बताया। इसके बाद अधिकारी और उनकी टीम लौट गई।

थाने की लापरवाही आई सामने

परियोजना अधिकारी ने अपने प्रतिवेदन में बताया कि समझाने के बावजूद परिजनों ने सोमवार को बाल विवाह किया गया है। इसलिए जिम्मेदार के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाए। देखने में यह भी आया है कि बाल विवाह की भनक पुलिस को भी नहीं लगी। बाल विवाह होने पर कजलीखेड़ा पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। वहीं खुद लापरवाह अब परिजनों या जिम्मेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने जा रहे हैं। कजलीखेड़ा थाने का सूचना तंत्र कमजोर साबित हो रहा है।

लेंसकार्ट शोरूम में ड्रेस कोड पर हिंदू संगठनों का प्रदर्शन

कर्मचारियों को तिलक लगाया व कलावा बांधा, कार्यकर्ता बोले- सनातन का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। लेंसकार्ट के ड्रेस कोड के खिलाफ हिंदू संगठनों ने मंगलवार को रोशनपुरा पर प्रदर्शन किया। हिंदू उत्सव समिति के कार्यकर्ताओं ने लेंसकार्ट शोरूम के बाहर प्रदर्शन कर कर्मचारियों को तिलक लगाया, मंत्रोच्चार के साथ कलावा बांधा। उन्होंने कहा- सनातन का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। प्रदर्शन एक घंटे चला। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि संगठन लेंसकार्ट के बहिष्कार का आह्वान कर रहा है। यह हिंदुस्तान है, यहां तिलक, कलावा और बिंदी का सम्मान होना चाहिए। अगर कंपनी ने रोक लगाने की कोशिश की, तो बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कार्पोरेट कंपनियों से कहा- सनातन धर्म के प्रतीकों का अपमान हुआ, तो सख्त विरोध किया जाएगा।

भले ही कंपनी के सीईओ पीयूष बंसल ने माफी मांगी हो, लेकिन संगठन इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है। अगर हमने कंपनी को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, तो जरूरत पड़ने पर उसे नीचे भी ला सकते हैं।

सनातन परंपराओं का सम्मान होना चाहिए

मप्र संत समिति अध्यक्ष अनिल आनंद ने कहा कि कथित गाइडलाइन में महिलाओं को सिंदूर और कलावा पहनकर आने से रोकने की बात कही गई है, जो स्वीकार्य नहीं है। किसी भी कंपनी को धार्मिक प्रतीकों पर रोक लगाने का अधिकार नहीं है।

सोशल मीडिया से शुरू विवाद

पूरा मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक कथित पॉलिसी डॉक्यूमेंट से शुरू हुआ। इसमें दावा किया गया कि कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और कलावा पहनने से रोका गया है, जबकि हिजाब और पगड़ी को कुछ शर्तों के साथ अनुमति दी गई है। भेदभाव को लेकर विवाद बढ़ा। एक्टिविस्ट शेफाली वैद्य ने एक्स (ट्विटर) पर स्क्रीन शॉट साझा कर कंपनी से सवाल किया कि जब हिजाब की अनुमति है, तो बिंदी व कलावा पर रोक क्यों। इसके बाद मुद्दा वायरल हुआ व कंपनी को लेकर प्रतिक्रियाएं सामने आईं।

कंपनी की सफाई- सभी धर्मों का सम्मान: विवाद बढ़ने के बाद कंपनी के सीईओ पीयूष बंसल ने कहा कि लेंसकार्ट सभी धर्मों का सम्मान करता है और कर्मचारियों को अपने धार्मिक प्रतीक पहनने की पूरी आजादी है। हालांकि, विरोध कर रहे संगठन इस सफाई से संतुष्ट नहीं हैं।

दुर्घटना

मंगलवार दोपहर करीब दो बजे यह दुर्घटना रोशनपुरा चौराहे पर हुई। पांच सेकंड की पीली बत्ती पर दो तरफ से दो पहिया वाहन तेज रफ्तार में निकले और आपस में बीच चौराहे पर टकरा गए। गनीमत रही कि इस बीच और कोई वाहन नहीं आया। दोनों को मामूली चोटें आई थीं। दुर्घटना का कारण जल्दबाजी नजर आया।

फोटो एचसी वर्मा

सुनवाई एनजीटी ने पर्यावरण को लेकर हो रही खिलवाड़ पर तत्काल रोक लगाने एजेंसियों को दिए निर्देश

पेड़ों के चारों ओर नहीं कर सकेंगे कांक्रीट, छोड़नी होगी 1 मीटर जगह

जागरण संवाददाता, भोपाल। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की सेंट्रल जोन बैंच ने मंगलवार को भोपाल शहर के पर्यावरण से जुड़े दो अहम मामलों में पर लेकर सुनवाई की और विभिन्न निर्माणाधीन एजेंसियों को आदेश जारी करते हुए पर्यावरण से हो रही खिलवाड़ पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए। पहले मामले में एनजीटी ने पेड़ों के चारों ओर बिछाई गई सीमेंट-कांक्रीट के निर्माण को हटाने का निर्देश दिया है। जबकि दूसरे मामले में लहारपुर डैम में मिल रहे सीवेज प्रवाह पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति शियो कुमार सिंह एवं विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की बैंच ने पाया कि शहर में बाबूलाल गौर मार्ग, अवधपुरी में सड़क निर्माण के दौरान पेड़ों की जड़ों तक कांक्रीट कर दी गई है। बैंच ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि इससे जड़ों तक हवा और पानी का प्रवाह बाधित हो रहा है और पेड़ों की वृद्धि रुक सी गई है। इसके अलावा स्वच्छ पर्यावरण में जीवन जीना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सबका मौलिक अधिकार है। अत्यधिक कांक्रीटकरण से भूजल पुनर्भरण घटता है, तापमान बढ़ता है और पर्यावरण को गहरा नुकसान पहुंचता है। ऐसे में एनजीटी ने नगर निगम व पीडब्ल्यूडी सहित अन्य निर्माणाधीन एजेंसियों को सख्त आदेश जारी किए हैं।

एनजीटी के पेड़ों के संबंध में प्रमुख निर्देश

- पेड़ों के चारों ओर कम से कम 1 मीटर खुली मिट्टी अनिवार्य रूप से रखी जाए।
- नगर निगम, पीडब्ल्यूडी एवं एनएचएआई सहित अन्य सभी एजेंसियों को पेड़ों पर लगे बोर्ड, विज्ञापन और बिजली के तार तुरंत हटाने होंगे।
- इतना ही नहीं शासन को यह सभी निर्देश निर्माण कार्यों में अनिवार्य रूप से लागू करना होगा।
- भोपाल नगर निगम को ट्री डिजीज सर्जरी यूनिट स्थापित करना होगी, ताकि शहर के ज्यादा से ज्यादा पेड़ों का संरक्षण किया जा सके।

लहारपुर डैम मामले में लिया स्वत: संज्ञान

दूसरे ओर ने एनजीटी ने बाग मुगालिया स्थित लहारपुर डैम में मिल रहे नालों और यहां बढ़ रहे प्रदूषण पर स्वतः संज्ञान लिया। एनजीटी की संयुक्त समिति ने निरीक्षण में पाया कि कई नालों से बिना उपचारित सीवेज सीधे डैम में गिर रहा है। डैम का पानी काला, दुर्गंधयुक्त और झागयुक्त हो गया है। चिंताजनक यह है कि इस दूषित पानी से लगभग 2,500 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई हो रही है, जो जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। मामले में बैंच ने स्पष्ट किया है कि बिना उपचारित सीवेज का किसी भी जल स्रोत में प्रवाह किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है और इसके लिए संबंधित निकाय सीधे जिम्मेदार होंगे।

डैम मामले में जारी किए यह निर्देश

■ नगर निगम भोपाल को डैम में गिरने वाले सभी नालों की पहचान कर बिना सीवेज को मिलने से रोकना होगा। ■ जल संसाधन विभाग, नगर निगम व भेल को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने होंगे। ■ जल संसाधन विभाग को डैम के चारों ओर ग्रीन बेल्ट विकसित करने का निर्देश दिया गया है। ■ नगर निगम को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना लागू करने तथा जन जागरूकता अभियान चलाना होगा। ■ एमपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी करनी होगी और नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

अपर लोक अभियोजक पर किया त्रिशूल से हमला

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। मिसरोद में जिला न्यायालय में पदस्थ अपर लोक अभियोजक पर साधु ने त्रिशूल से हमला कर दिया। घटना के वक्त वह परिवार के साथ जा रहे थे। इसके पहले आरोपी ने गाली-गलौच कर खिड़की का कांच फोड़ा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 50 वर्षीय नारायण सिंह ठाकुर दानिश नगर में रहते हैं। सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे वह परिवार के साथ कार से जा रहे थे। कार में उनकी पत्नी व बेटा था। वह अभी सुरेंद्र लैंडमार्क के पास बापू की कुटिया के सामने सिग्नल पर खड़े थे, तभी एक साधु वहां पहुंचा। वह गालियां देने लगा। नरेंद्र ने विरोध किया तो आरोपी ने हाथ में लिए त्रिशूल से कार के फ्रंट कांच पर वार किया। इसके बाद साइड विंडो पर आकर त्रिशूल मारकर कांच फोड़ दिया। उसने तीसरी बार नरेंद्र ठाकुर के ऊपर हमला किया। उन्होंने हाथ आगे कर दिया। त्रिशूल उनकी दाहिनी हथेली में घुस गया, जिससे वे घायल हो गए और खून बहने लगा। यह देखकर नरेंद्र के परिवार ने चीख-पुकार की। आसपास के लोग आ गए। उन्होंने बीचबचाव किया। आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था, तभी पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची मिसरोद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। आरोपी की पहचान रायसेन निवासी अरविंद चौधरी के रूप में हुई। वह साधु के वेश में भीख मांगकर अपना जीवन यापन करता है।

व्यंग्य

सिंघई सुभाष जैन

'सबै भूमि गोपाल की'

जो जनरल डिब्बे में यात्रा कर रहे थे, वे स्लीपर में यात्रा कर रहे हैं और स्लीपर वाले एसी कोच में। रेलवे 'सबै भूमि गोपाल की', 'जो चाहे सो आवे' का अनुपालन होने लगा है, अर्थात आप किसी की भी बर्थ के आस-पास या दो बर्थ के बीचों-बीच की जगह पर रात्रि में बिस्तर बिछाकर सो सकते हैं!

आजकल रेलवे की खबरें दिनों-दिन सुर्खियों में आ रहीं हैं। एक यात्री ने एआई की सहायता से एक पर्ची में सात यात्रियों के टिकट बनवा लिए तो रेलवे ने टिकट के सत्यापन के लिए डिजिटल से भौतिक प्रस्तुति का मार्ग अपनाने का निर्णय भी ले लिया है। रेलवे प्रबंधन वरिष्ठ है और अधिकांशतः रेलगाड़ी विलंब से चल रही हैं। फुरसत में पुराने संगीत का आनंद लिया जा रहा होगा। अतः 'आ, लौट के आ जा मेरे मीत' को सुनकर यह निर्णय लिया गया होगा। तत्काल टिकट, ऑनलाइन टिकट में आधार का पंजीकरण आवश्यक कर दिया गया है। नित नए इन कदमों के अलावा रेलवे में अब 'फोर टू का वन' गीत का रुझान दिखाई देने लगा है।

पिछले हफ्ते एक फिल्मी कपूर के लड़खड़ाने के समाचार छपे थे। एक अन्य फिल्मी कपूर ने 'वन टू का फोर, फोर टू का वन' गीत पर नृत्य किया था। हमने सेकंड एसी का टिकट लिया था। हमें उसमें 'फोर टू का 'वन' का सुख मिल गया था। हमारे कोच में जनरल यात्री भी आ-जा रहे थे। ले, मूंगफली ले, इलायची चाय, चटपटा चना ले। ये ध्वनियां पूरी यात्रा में सुनाई दीं। थर्ड एसी और स्लीपर के यात्री भी जुगाड़ में आ-जा रहे थे।

हमारी बर्थ क्रमांक दो थी। उस अपर बर्थ पर चढ़ने के लिए प्लाईवुड के बीच पांव रखने के लिए छेद था। अगला कदम बढ़ाकर रखने के लिए ऊपर पाइप लगा हुआ था। हमने टीटीई से कहा कि वजन हमारा चौहत्तर किलो है और उमरिया सत्तर हो गई है। हम ऊपरी बर्थ ऊपर पर ऐसे छेद वाले प्लाईवुड, जिसके लोहे की पत्ती लगी है, कैसे चढ़ेंगे। गिर जाने का आतंक बन रहा है। वह बोले कि आप पुराने जमाने के हो!

बेरी से बेर तोड़ने के लिए ऊपर उचकते हुए डाल पकड़कर नीचे बेर झराते होंगे। वे दिन याद करते हुए ऊपर उचककर बैठ जाओ। हमें न्यूटन की दो बिल्लियों की याद हो आई। बड़ी बिल्ली और छोटी बिल्ली के लिए अलग-अलग बड़े और छोटे छेद करवाए गए थे। वैसे ही छेद यहां दिखे। रेलवे यात्रा अब विज्ञान स्मरण शक्ति प्रकट हो रही है। राष्ट्र सेवा में लगे टीटीई वहीं बर्थ नंबर पांच पर बैठे-बैठे अधूरे टिकट, बिना टिकट यात्रियों की 'सेवा' करने में व्यस्त थे। बारंबार किवड़िया (फाटकिया) खुलने बंद होने से हमारी निंद्रा रानी परेशान थीं। आंखों में नींद आते ही किवड़िया (फाटकिया) खुलती बंद हो रही थी। रेलगाड़ी में स्लीपर कोच कम करके राष्ट्र की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए एसी कोच बढ़ाए जा रहे हैं। आम आदमी की प्रगति हो रही है। जो जनरल डिब्बे में यात्रा कर रहे थे, वे अब स्लीपर में आ रहे हैं और स्लीपर वाले एसी कोच में यात्रा करने लगे हैं। एसी कोच में यात्रा करने वाले चारो धाम जैसी यात्रा का सुख ले रहे हैं। राष्ट्र सेवा प्रगति के नए सोपान को छू रही है। सुविधाएं दामों पर उपलब्ध होने लगी हैं। अब जनरल कोच में किराये पर तकिया- कंबल मिल सकेंगे। एक कन्फेक्शनरी बेचने वाला बाल- युवा व्यक्ति कोच में घुसा। उसकी टोकरी में गोली. टॉफी. चॉकलेट थीं। टीटीई ने उनमें से एक बड़ी टॉफी उठाई। वह मुस्कुराया। टीटीई ने उसकी हथेली पर रुपये रखने के बजाय अपनी चिड़िया बिठा दी, यानी कि टीटीई की ड्यूटी वाले अंतिम स्टेशन तक वह सभी एसी कोच में अपना सामान बेच सकेगा। छठ पूजा के अवसर पर सुनने में आया था कि रेलवे ने 12 हजार विशेष रेलगाड़ियां चलाई, लेकिन गिनती करना आसान नहीं हुआ।

आजकल के युवाओं को कैलकुलेटर की आवश्यकता पड़ती है। कुछ दर्जन तक की ही गणना कर सकते हैं। रेलवे में 'सबै भूमि गोपाल की', 'जो चाहे सो आवे' का अनुपालन होने लगा है, अर्थात आप किसी की भी बर्थ के आस-पास या दो बर्थ के बीचों-बीच की जगह पर रात्रि में बिस्तर बिछाकर सो सकते हैं! यदि रेलगाड़ी छूटने के समय प्लेटफॉर्म पर आ गए हो तो वहां चलित टिकट वितरणकर्ता से तुरंत ही टिकट ले सकते हो। अब तो रेलवे की भांति भी हवाई यात्राएं अचानक रद्द होने लगी हैं।

गीत

भगवान अटलानी, जयपुर

सच से मत इनकार करो

अच्छा होगा मन को तैयार करो,
जो है उसको स्वीकार करो!
क्यों भागे मन उसके पीछे,
जो छूट गया जो बीत गया,
उस सपने की दस्तक
क्यों सुननी
जो टूट गया
जो रीत गया।
वे रिश्ते जो
अब नहीं रहे
क्यों गम उनका
सौबार करो!
खुशियों के छूटे
दामन को
व्यर्थ अतीत से
तोल रहे,
छिना साथ
जिस छलिया का
क्यों पास
उसी के डोल रहे?
जो नहीं रहा
वो नहीं रहा
इस सच से मत इनकार करो!

चार रागों में निबद्ध विलक्षण गीत

संगीतायन

सुनंदा शर्मा
नोएडा

फिल्मों में बहुत से गीत शास्त्रीय रागों पर बने हैं। कुछ गीतों में एक से अधिक रागों का प्रयोग होता है या उनमें कुछ रागों की छाया होती है। पर, एक गीत ऐसा भी है, जिसमें चार रागों का निर्वाह पूरी तरह किया गया है...

वर्ष 1958 में बनी फिल्म 'सुवर्ण सुंदरी' में आदि नारायण राव द्वारा संगीतबद्ध गाना कुहू कुहू बोले कोयलिया... इसलिए विलक्षण है, क्योंकि इसमें चार रागों का प्रयोग किया गया है। यह गीत राग सोहनी से शुरू होता है। गीत का स्थायी और पहला अंतरा सोहनी राग की शुद्धता के साथ बना है- कुहू कुहू बोले

कोयलिया, कुंज-कुंज में भंवरा डोले, गुनगुन बोले.....तथा अंतरा राज सिंगार आई बसंती... जैसे नार कोई हो र सवंती...।

तीव्र मध्यम के प्रयोग के साथ मध्यरात्रि में गाए जाने वाला राग सोहनी अत्यंत आकर्षण से भरपूर है। अनुराग में तीव्रता और करुणा की तड़प के साथ रहस्यभय गंभीरता से युक्त यह राग सप्तक के ऊपर के स्वरों में खिलता है। वसंत ऋतु को दर्शाते हुए यह गाना श्रृंगार रस के सौंदर्य को परत दर परत खोलता है। भरत व्यास द्वारा लिखे इस गीत में ऋतु का श्रृंगार मानो नायिका का श्रृंगार हो गया है। लेकिन गीत का अगला अंतरा राग सोहनी से राग बहार में ढल जाता है। नायक और नायिका के संगीतिक वार्तालाप के साथ यह गीत अंतरे में राग बहार के सौंदर्य से सराबोर होता है। राग बहार में अंतरे के बोल हैं- काहे घटा में बिजुरी चमके ... चोरी-चोरी मन पंछी उड़े, नैना जुड़े। कुहू कुहू बोले कोयलिया... 7

कोमल गांधार और कोमल निषाद के साथ शुद्ध नी का लगाव राग बहार को स्थापित करता है। सा और मा का संवाद - भाव इस राग का विशेष स्थान है। वसंत ऋतु में यह राग दिन और रात्रि के प्रत्येक प्रहर में गाया - बजाया जा सकता है। राग बहार के इस अंतरे के बाद इस गीत में मधुर बांसुरी बजती है और नायिका के मदमस्त नृत्य के साथ अगला अंतरा राग जौनपुरी में परिवर्तित हो जाता है- चंद्रिका देख छाई पिया, चंदा से मिलके मन ही मन में मुस्काई... कुहू कुहू बोले कोयलिया....! शरद ऋतु के चांद को दर्शाते हुए यह अंतरा जौनपुरी में निबद्ध है। राग जौनपुरी अंतर्मुखी वैराग्य को भी आत्मसात किए हुए है, जो गाने में भी स्पष्ट सुनाई देता है।

इस गाने का अंतिम अंतरा राग यमन के अनुशासन में बंधा है। कोमलता और दिव्यता लिए हुए यह राग शांति और आनंद को बढ़ाता है। शास्त्रीय संगीत परंपरा में हर कलाकार, बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक राग यमन को साधता है और जीवन के हर पड़ाव पर यही लगता है कि राग यमन में अभी भी बहुत कुछ शेष है, जो देखना बाकी है। अद्भुत और विशाल है कल्याण ठाट का यह आश्रय राग । रात्रि के प्रथम पहर का यह राग है। फिल्म के इस गीत के अंतिम अंतरे के बोल राग यमन में इस प्रकार हैं- सरस रात मन भाए प्रियतमा कमल कमलिनी मिले... किरण हार दमके..... जल में चांद चमके, मन सानंद, आनंद डोले । कुहू- कुहू बोले कोयलिया.... । फिल्म के इस गाने में चार रागों का इस तरह प्रयोग एक विलक्षण और अद्भुत बात है। इतनी सौम्यता के साथ चार रागों में गुंथा हुआ यह गीत सौंदर्य के चरम को पा जाता है, जब लता मंगेशकर के स्वर में गाए शब्द कुहू कुहू कोयल की मधुर पुकार बन जाते हैं, तो मोहम्मद रफी की आवाज इसमें एक मखमली और पुरअसर एहसास की तरह सुनाई देती है।

भाषा की पाठशाला

कमलेश कमल

इस सप्ताह के शब्द : उदाहरण, दृष्टांत, आहरण और प्रत्याहार

'उदाहरण' शब्द उद् (उत् = ऊपर) तथा आहरण (खींचकर लाना) से बना है। इसका अर्थ हुआ - किसी तथ्य को सिद्ध करने के लिए कहीं और से सामग्री खींचकर लाना। आप जब 'उदाहरण' देते हैं तो अपनी बात के पक्ष में कहीं और से तथ्य लाकर देते हैं। दूसरे शब्दों में, बौद्धिक और व्यावहारिक तथ्यों, पदार्थों, विचारों आदि के संबंध में कुछ प्रमाणित करने के निमित्त कुछ प्रस्तुत करना 'उदाहरण' कहलाता है। इस शब्द के दो प्रयोग देखें: 1. ठोस पदार्थ के 'उदाहरण' हैं- लोहा, लकड़ी, बर्फ आदि। 2. भारत लोकतंत्र का एक उदाहरण' है।

दृष्टांत : दृष्टांत शब्द 'दृष्ट+ अंत' से बना है। दृष्ट शब्द 'दृश' धातु (देखने के लिए प्रयुक्त) में 'क्त' प्रत्यय लगकर बना है। दृष्ट का अर्थ है, जो देखा हुआ हो। इस प्रकार, दृष्टांत का अर्थ है कथन की पुष्टि के लिए अंत में कुछ ऐसा प्रस्तुत करना, जो पूर्व में कहीं देखा गया है, इसलिए प्रामाणिक है। 'दृष्टांत' आचरण और कृतियों के संबंध में साम्य, आदर्श और प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है; जैसे- प्राचीन काल में मल्ल - युद्ध का एक 'दृष्टांत' महाभारत काल - जरासंध युद्ध में मिलता है।

आहरण : आहरण शब्द 'आहरण' से बना है। हरण शब्द 'ह' से बना है और इसका अर्थ है 'छीन लेना' ।

आहरण का प्रयोग भले ही निकासी करने के लिए होता है, पर अपने मूल अर्थ में यह मूल स्थान से हटाने, विवर्तन, प्रत्याहार से संबंधित है।

प्रत्याहार : 'प्रति+आहार' से बना है। प्रति का अर्थ है 'विपरीत' और आहार है 'भोजन' अर्थात 'विपरीत भोजन'। इसका आशय है- इंद्रियों को बाहरी विषयों से हटाकर भीतर की ओर मोड़ना अर्थात् इंद्रियों को बहिर्मुखी से अंतर्मुखी बनाना । विशेष : 'दृश' धातु में 'तव्य' प्रत्यय जुड़ने से 'द्रष्टव्य' बनता है, जिसका अर्थ है 'देखने योग्य'। भ्रमवशात् लोग इसे 'दृष्टव्य' लिख देते हैं, जो नितांत अनुचित है।

हास्य-व्यंग्य

सिंधु कन्हौआ

चूके तो शुभचिंतक कैसे?

जिसे देखिए, अपने आपमें गुम है- जमाना बेहद खुदगर्ज है, बड़े धोखे हैं इस राह में या अकेला हूं मैं। कहीं आप भी दुनिया-ए-बाजार को लेकर कुछ ऐसे ही रोते- कलपते नजरिये के स्पीड ब्रेकर की आड़ में अपनी चहारदीवारी में सिमटे तो नहीं बैठे हैं? यह गलतफहमी छोड़ दीजिए और कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर देखिए, शुभचिंतकों की पूरी की पूरी कौम अपने प्यार, परवाह और भलमनसाहत के गुलदस्ते सजाकर आपकी राह में आंखें बिछाए बैठी है। आपके प्रति प्रेम और वफादारी को प्रदर्शित करते इन शुभचिंतकों के रोजमर्रा के खाते में दर्ज बानगियों का जमा जोड़ कुछ यूं है राह चलते आपके झोले से सामान गिर जाए, पर्स की चेन खुली हो, कार का दरवाजा लॉक न हो, दुपट्टा या पल्लू दोपहिया से गिरकर जमीन झाड़ रहा हो, आगे ट्रैफिक जाम लगा हो, नन्हे-मुन्ने की टोपी या जूता गिर गया हो, सरेराह चलते शुभचिंतकों की त्वरित कार्रवाई से आप दंग रह जाएंगे। ऐसे अनेक अवसर आते हैं, जब ये शुभचिंतक मसीहा बनकर सामने आ जाते हैं।

कभी किसी नए शहर या अपने ही शहर की किसी अपरिचित गली-कूंचे में आप इन शुभचिंतकों से कोई पता पूछकर देखिए, इनका मदद करने का जज्बा देखते ही बनता है। कई बार जब आप इन अधुनातन सुविधा साधनों की भूल- भुलैया के बीच अटकते-भटकते हुए हरि स्मरण कर रहे होते हैं, तब वहां मौजूद इस खेमे के होनहार उद्धारक आपकी देहभाषा से झलक रहे संकोच, नासमझी और अज्ञानता के भाव देखकर पल भर में भांप लेते हैं और आपके कहे बगैर आपको यथास्थिति से उबार लेते हैं। आप झेंपते-लजाते हुए शुक्रिया अदा करें, उसके पहले ये मुस्कुराकर अपनी राह पकड़ लेते हैं। ऐसी बानगियां लिफ्ट,

एयरपोर्ट स्वचलित सीढ़ियों, मेट्रो ट्रेन पर देखने को मिलती हैं। बच्चे चलते वाहन की खिड़की से सिर बाहर निकालकर बैठे हैं, आप ओवरटेक कर रहे हैं या ट्रैफिक नियमों को ताक पर रखकर वाहन दौड़ा रहे हैं, असावधानी से सड़क पार कर रहे हैं, तब ये अनजाने मददगार आगाह तो करते ही हैं, अधिकारपूर्वक मीठी डांट भी लगा देते हैं। जब कतिपय सजग नागरिक कार या बस की खिड़की से या सार्वजनिक स्थानों पर चुपके से कूड़ा, पन्नी पाउच आदि फेंकने की कोशिश करते हैं, तब ये मासूम मददगार उसे वापस उठाकर विनीत स्वर में यह कहकर हाथ में थमा देते हैं- सर/मेडम, आपका सामान गिर गया। सामने वाला शर्म से पानी-पानी हो जाता है। यह वर्ग अपनी उपस्थिति से यह भरोसा दिलाता रहता है कि इन्सानियत किसी दिलकश खुशबू की मानिंद अब भी हमारी राहों में बिखरी पड़ी है।

सुंदरी

ककिसी व्यक्ति की उपस्थिति कैसे माहौल में परिवर्तन की कारक बन जाती है, पढ़िए आंतोन चेखव द्वारा लिखी ऐसी ही एक कहानी 'द ब्यूटीज' का अनूदित अंश....

जब मैं पांचवीं या छठी कक्षा का विद्यार्थी था, तब अपने दादा के साथ बोलशू क्रेपकीय नामक गांव से, जो दोन प्रदेश में था, गाड़ी में रोस्तोव - औन-दी-दोन को जा रहा था। वह अगस्त का एक अत्यंत गरम, नीरस और थकान उत्पन्न कर देने वाला दिन था। आंखें बंद हुई जा रही थीं, मुंह गर्मी और झुलसाने वाली लू से सूखे जा रहे थे, लू धूल के गुबार उड़ाकर हमारे ऊपर फेंक रही थी। कोई भी न तो देखना पसंद करता था और न बातचीत करना या सोचना ही। जब हमारे ऊंघते हुए कोचवान ने, जो कारपो नामक एक छोटा सा रूसी था, घोड़ों पर चाबुक फटकारा और मेरी टोपी पर चोट की तो न तो मैंने शिकायत की और न एक शब्द ही मुंह से निकाला, बल्कि अपने को ऊंघते हुए से जगाने की कोशिश करते हुए, आहिस्ते से हताश होकर दूर तक देखने का प्रयत्न किया कि इस धूल-धक्कड़ में कहीं कोई गांव दिखाई भी दे रहा है या नहीं।

हम लोग घोड़ों को दाना-पानी देने के लिए एक बड़े से आरमीनियन गांव में एक अमीर इंसान के यहां ठहरे, जिसे मेरे दादा जानते थे। अपने जीवन मैंने उस आरमीनियावासी से अधिक हास्यास्पद और कोई भी दूसरी वस्तु नहीं देखी थी। कल्पना करें कि एक छोटी सी घुटी हुई खोपड़ी, घनी छायादार भौंहें, चोंच जैसी नाक, लंबी-भूरी मूंछें और एक चौड़ा मुंह, जिसमें से एक लंबा काठ का पाइप बाहर निकला हुआ हो। छोटी सी खोपड़ी बड़े भद्दे ढंग से एक दुबले-पतले, कुबड़े, अस्थि कंकालवत् धड़ के साथ जुड़ी हुई थी, जिसे अजीब से कपड़े पहनाए गए थे, एक छोटी लाल जैकेट और चमकते हुए नीले रंग का पूरा पाजामा। वह स्लीपर फटफटाते हुए चल रहा था, मुंह से बिना पाइप निकाले बात करता था और पूरे आरमीनियाई गर्व के साथ व्यवहार कर रहा था। उसके चेहरे पर मुस्कुराहट नहीं थी, परंतु वह आंखें फाड़े और अपने मेहमानों की तरफ यथासंभव कम-से-कम ध्यान देने का प्रयत्न करते हुए घूर रहा था।

कमरों में न तो धूल थी और न हवा। उनमें वैसा ही मनहूस, दमघोंटू और नीरस वातावरण था, जैसा कि घास के मैदानों और बाहर सड़क पर छाया हुआ था। मुझे याद है कि धूल से लथपथ और गर्मी से बुरी तरह क्लांत मैं कोने में पड़े हुए एक हरे बक्स पर बैठ गया था। उन बिना रोगन की हुई दीवारों, फर्नीचर और पीली मिट्टी से रंगे हुए फर्श से धूप में सूखी हुई लकड़ी की सी गंध आ रही थी। चारों तरफ, जिधर भी मैंने देखा, मक्खियां-ही-मक्खियां थीं। दादा और वह आदमी दोनों जानवरों के चारे, खाद और जौ के बारे में बातें कर रहे थे। मैं जानता था कि अभी चाय तैयार होने में बहुत समय लगेगा। दादा चाय पीने में एक घंटे से कम समय नहीं लेंगे और फिर दो या तीन घंटे तक सोएंगे। मुझे दिन का चौथाई हिस्सा इंतजार करने में बर्बाद करना पड़ेगा, उसके बाद गर्मी बढ़ जाएगी, मुझे फिर धूल और गाड़ी के झटकों का सामना करना पड़ेगा। मैंने दो व्यक्तियों के बुदबुदाकर बातें करने की आवाज सुनी और मुझे ऐसा लगने लगा, मानो मैं इस आरमीनियाई चीनी मिट्टी के बर्तनों से भरी हुई अलमारी, उन मक्खियों, सूरज की धूप से तपती हुई खिड़कियों आदि को युगों से देखता चला आया हूं और उनका दिखाई देना युगों बाद बंद होगा और हृदय उन घास के मैदानों, उस सूरज और उन मक्खियों के प्रति घृणा से भर उठा।

एक छोटी सी रूसी किसान औरत, जो रुमाल बांधे हुए थी, पहले चाय के सामानवाली ट्रे लाई और फिर समोवार (चाय बनाने का बर्तन) लाई । वह आदमी धीरे से बाहर बरामदे में गया और चीखा, 'माश्या, चलो, चाय बनाओ। कहां हो माश्या?' तेजी से आते हुए कदम सुनाई दिए और वहां उस कमरे में एक 16 साल की लड़की सादा सूती पोशाक पहने और एक सफेद रुमाल बांधे हुए आई। जब वह खड़ी हुई और चाय के बर्तन साफ कर चाय बना रही थी तो मेरी तरफ उसकी पीठ थी और जो कुछ भी मैं देख सका, वह यही था कि उसका शरीर छरहरा और पैर नंगे थे और उसकी खुली हुई नन्ही सी एड़ियां लंबे पाजामे से ढकी हुई थीं। उस आदमी ने मुझे भी चाय पीने के लिए बुलाया। मेज पर बैठते हुए मैंने लड़की की तरफ, जो मुझे चाय का गिलास दे रही थी, निगाह डाली और तुरंत मुझे ऐसा अनुभव हुआ, जैसे ठंडी हवा का एक झोंका मेरी आत्मा को स्पर्श कर गया हो और मेरे ऊपर पड़े हुए दिनभर की धूल और नीरसता के प्रभाव गायब हो गए हों। मेरे सम्मुख सौंदर्य साकार खड़ा था और मैंने उसे पहली ही झलक में इस तरह पहचान लिया जैसे कि मैं विद्युत् की एक झलक मात्र में ही उसे पहचान लेता।

मैं इस बात की सौगंध खाने को तैयार हूं कि माशा या माश्या, जैसा कि उसका बाप उसे पुकारा करता था, एक वास्तविक सौंदर्य की मूर्ति थी, परंतु मैं यह नहीं जानता कि इसे सिद्ध कैसे करूं। कभी-कभी ऐसा होता है कि क्षितिज पर बादल अस्त-व्यस्त दशा में एकत्र हो जाते हैं और उनके पीछे छिपा सूर्य उन्हें और आसमान को प्रत्येक संभव रंगों की छाया से रंगीन बना देता है- लाल, नारंगी, स्वर्णिम, बकाइन के रंग का फीका गुलाबी आदि। एक बादल पादरी के समान है, दूसरा मछली समान, तीसरा साफा बांधे हुए एक तुर्क की तरह। डूबते हुए सूरज की चमक एक तिहाई आसमान को अपने दामन में लपेटे हुए गिरजे के ऊपर लगे क्रास को चमका देती है। दूर, बहुत दूर डूबते हुए सूरज के पीछे, जंगली बतखों का झुंड उड़ता हुआ घर की ओर चला जा रहा है। गायों को हांकते हुए लड़के, अपनी गाड़ी में बैठकर जाता हुआ कानूनगो, घूमने के लिए बाहर निकला हुआ नागरिक, सब डूबते हुए सूरज की तरफ देखते हैं और सभी इसे आकर्षक रूप से सौंदर्यशाली समझते हैं, परंतु कोई भी न तो इस बात को जानता है और न बता ही सकता है कि इस सौंदर्य का रहस्य क्या है। केवल मैं ही अकेला ऐसा नहीं था, जो उस आरमीनियन लड़की को सुंदर समझ रहा था। मेरे 70 साल के दादा, जो नारियों और प्रकृति के सौंदर्य के प्रति कठोर थे, एक मिनट तक स्नेहपूर्वक देखते रहे और पूछा-

'क्या यह तुम्हारी लड़की है, नाजारिच?'

'हां, यह मेरी बेटी है,' उस आरमीनियाई ने उत्तर दिया।

उस लड़की के सौंदर्य को एक कलाकार अत्यंत उच्च कोटि का और गंभीर कह सकता था। यह बिल्कुल उसी प्रकार का सौंदर्य था, जिसकी कल्पना को ईश्वर ही जानता है, जो किसी में इस बात का विश्वास उत्पन्न कर देती है कि वह सौंदर्य की सही रूपरेखा देख रहा है। उन बालों, आंखों, नाक, मुख, ग्रीवा और उस सुंदर शरीर की प्रत्येक गति को-एक ऐसी सुसंबद्ध श्रृंखला में बांध दिया गया है, जिसके निर्माण में प्रकृति ने रंचमात्र भी गलती नहीं की है। किसी कारण से आप यह कामना करने लगते हैं कि आदर्श सुंदर रमणी की नासिका माशा जैसी होनी चाहिए-सीधी और हल्की सी झुकी, वैसी ही सरल चितवन होनी चाहिए। आप कामना करते हैं कि उसके काले घुंघराले बाल और भौंहों में वैसी ही तारतम्यता होनी चाहिए, जैसी कि शांत जलाशय और उसमें उगे हरे सरकंडों में होती है। आप उसकी तरफ देखते हैं और धीरे-धीरे आपके हृदय में यही इच्छा उठने लगती है कि आप माशा से कुछ अद्भुत, आह्लादमय, आत्मीयतापूर्ण, सुंदर, इतनी सुंदर, जितनी कि वह स्वयं है, बात कहना चाहते हैं। पहले-पहल इस बात को देखकर कि माशा ने मेरी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया, मुझे बहुत चौट पहुंची और संकोच हुआ, परंतु माशा पूरे समय तक नीचे की तरफ ही देखती रही थी। मुझे ऐसा लगा, मानो एक विचित्र वातावरण ने, गर्व और प्रसन्नता से परिपूर्ण वातावरण ने उसे मुझसे अलग कर रखा है और कुढ़कर उसे मेरी निगाहों से छिपा दिया है।

'यह इस कारण है, क्योंकि मैं धूल से लथपथ हो रहा हूं,' मैंने सोचा, 'धूप से कुम्हला गया हूं और अभी सिर्फ एक छोटा लड़का ही हूं।' परंतु धीरे-धीरे मैं अपने को भूल गया और पूरी तरह से उस सौंदर्य की उपस्थिति के ज्ञान में आकंठ निमग्न हो गया। मैं अब उस घास के मैदान और धूल-गुबार को भूल गया था। मक्खियों की भिनभिनाहट, अब मुझे सुनाई नहीं दे रही थी। चाय का स्वाद अच्छा नहीं लग रहा था। मुझे इस बात के अतिरिक्त और किसी भी बात का अनुभव नहीं हो रहा था कि एक सुंदर लड़की मेज की दूसरी तरफ खड़ी थी।

(प्रभात प्रकाशन की आंतोन चेखव की लोकप्रिय कहानियों से साभार)

ध्रुवपद गायन परंपरा, डागर घराने का अप्रतिम माधुर्य

ध्रुपद वाणी

डा. राजेश कुमार व्यास
जयपुर

डागर घराने की ध्रुवपद गायन परंपरा में वाणियों का विशेष महत्व है। डागर वाणी की विशेषताओं पर आलेख...

ध्रुवपद (ध्रुपद) संगीत की भारतीय परंपरा की पहचान है। ध्रुव यानी 'अटल' और पद यानी 'काव्य'। संगीत शास्त्र में काव्य के लिए 'पद' शब्द का ही प्रयोग है। प्राचीन काल में वैदिक ऋचाओं का गायन होता था। छंद में भी गूंथे होते थे पद। छंद से उपजा प्रबंध। कहते हैं, प्रबंधों के आधार पर राजा मानसिंह ने ध्रुवपद की परंपरा को जीवंत किया। ध्रुवपद बाद में बानियों में निबद्ध हुआ। तानसेन गौड़ीय ब्राह्मण थे इसलिए उनकी वाणी का नाम हुआ गौड़ी, गौरहार अथवा गोबरहरी। नबात खां की वाणी का नाम था 'खंडारी', इसलिए कि वह खंडार के निवासी थे। ब्रिजचंद के निवास स्थान के अनुसार उनकी वाणी का नाम डागर हुआ। ध्रुवपद के साथ 'वाणी' शब्द इसलिए जुड़ा है कि संगीत की गहन ज्ञान दृष्टि की सृष्टि वहां है। संत-महात्माओं की उक्तियां 'वाणी' कही गई हैं। ध्रुवपद वाणियों का सच भी क्या यही नहीं है।

डागर घराने की वाणी नाद-ब्रह्म है। सहारनपुर के मूल निवासी और गोपाल दास के पुत्र इमाम बख्श के पुत्र बाबा बहराम खान ने डागर वाणी में आलापचारी को मात्र निरूपित ही नहीं किया, बल्कि ध्रुवपद का नवीन व्याकरण भी बनाया, जिससे यह संगीत माधुर्य में और अधिक जीवंत हुआ। इसीलिए इस वाणी के पितामह हुए-बाबा बेहराम खान। मैंने उस्ताद रहीम फहीमुद्दीन डागर को निरंतर सुना है और नाद ब्रह्म से साक्षात कराते पाया है। उनका गायन अध्यात्म में ले जाता है। उनके गाए राग सोहनी में नाद शिवभक्ति का रिकार्ड अद्भुत है। शब्दों में स्वरों का उजास उन्होंने रचा है, डागर वाणी को बहुत सुंदर संजोया है।

डागर वाणी ध्रुवपद का स्वर-लालित्य है। यह वाणी जिस ढंग से आगे बढ़ी, वैसी कोई और नहीं बढ़ पाई। इसमें जड़त्व नहीं है। उस्ताद अलाबंदे खां, जियाउद्दीन खां, रहीमफहीमुद्दीन खां, जियामोइनुद्दीन खां, नसीनमोइनुद्दीन खां, फहीमुद्दीन खां, फैयाजुद्दीन खां, उस्ताद फरीदुद्दीन खां, जहीरुद्दीन खां, ऋत्विक सान्याल, सईदुद्दीन खां, पंडित गोपाल भट्ट, लक्ष्मणभट्ट तैलंग, वसीफुद्दीन खां डागर, उदय भावलकर, मधुभट्ट तैलंग, नफीसउद्दीन खान, अनीसउद्दीन खान और इधर धानी गुंदेचा ने डागर घराने में स्वर-विन्यास की प्रयोगधर्मिता की नई दृष्टि में माधुर्य रचा है।

उमाकांत-रमाकांत गुंदेचा का अति द्रुत लुभाता है। इसलिए नहीं कि वहां तेज गमक है, बल्कि इसलिए कि उसमें अपूर्व रस की अनुभूति होती है। रमाकांत गुंदेचा तो अब रहे नहीं, सो जुगलबंदी की यह परंपरा अब टूट गई है। उदय भावलकर ने इस वाणी में सौंदर्य साधा है। गायन में स्वरों का लगाव, गुंथाव और अलंकार की छटाएं मन को आनंदित करती हैं। सुरबहार वाद्य के माधुर्य को अश्विन दलवी के जरिए महसूस किया जा सकता है। सुनेंगे तो स्वर-उजास में माधुर्य का अनुष्ठान पाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

रायसेन रोड और होटल ताज सहित अन्य इलाकों में आज होगी कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। बुधवार को शहर के कई इलाकों में बिजली की कटौती रहेगी। मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज लाइनों के रखरखाव (लाइन मेंटेनेंस) और पोल मरम्मत कार्य के चलते विभिन्न इलाकों में अलग-अलग समय पर विद्युत आपूर्ति बंद रखी जाएगी। बिजली कंपनी के अनुसार पोल शिफ्टिंग कार्य के चलते आज रायसेन रोड स्थित पटेल नगर (डी-सेक्टर), रायसेन रोड, आईबीडी कैंपस, वर्धमान, एनआरआई कालेज, ओरिएंटल कालेज, नागपुर अस्पताल, लक्ष्मी अस्पताल, मारुति अस्पताल, अथर्व अस्पताल और आसपास के क्षेत्रों में सुबह 10 से शाम शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। वहीं कोकता स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना मल्टी, डायमंड सिटी, कस्तूरी कोर्टयार्ड, राजधानी परिसर, रेलवे कॉलोनी, बैकुठ अपार्टमेंट, इंदिरा आईवीएफ व आसपास के अन्य इलाकों में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। वहीं लाइन मेंटेनेंस कार्य क चलते चिनार कॉलोनी, समरधा, लिबर्टी, पृथ्वी कोर्टयार्ड, ग्रीन मीडोज कॉलोनी, नेहरू नगर स्थित करुणा धाम मंदिर, शनि मंदिर, ताज होटल के सामने और आसपास के सभी इलाकों में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक बिजली बंद रहेगी। खानूगांव इलाके में मुनब्बर डेयरी, झंडा चौक, डेयरी फार्म, आईपीसी कॉलेज, सीवेज पंप, खानूगांव चौराहा, बाग-ए-बहार शादी हॉल और किनारा अपार्टमेंट सहित आसपास के इलाकों में भी सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक सप्लाई बाधित रहेगी।

मिसरोद इलाके में सफेद दाग से परेशान युवक ने खाया जहर, मौत

जागरण, भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में सफेद दाग से परेशान युवक ने जहर खाकर जान दे दी। बीते कुछ सालों से वह दाग से परेशान था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 59 वर्षीय राकेश विश्वास पिता मन्नत जाटखेड़ी में नई बस्ती में रहते थे। ड़ेढ साल पहले वह ऑटो चलाते थे। बचपन से ही उनके शरीर में कई जगहों पर सफेद दाग थे। जो बीते कुछ सालों से दिनों दिन बढ़ती जा रही थी। जो इन दिनों उनके पूरे शरीर में फैल गई थी। जिसको लेकर वह अक्सर निराश रहते है। परिजन उनका इलाज भी करवा रहे थे। इस दौरान वे बीपी, शुगर समेत अन्य बीमारी का शिकार हो गए थे। जिसके चलते डिप्रेशन की समस्या से जूझ रहे थे। मंगलवार दोपहर उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन तुरंत उन्हें निजी अस्पताल लेकर पुहंचे। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। बुधवार को शव का पीएम करवाया जाएगा।

थिंक गैस ने पाइपलाइन क्षति के बाद बहाल की सिटी की गैस आपूर्ति

भोपाल। बांग्रासिया ब्रिज के पास एक थर्ड पार्टी ठेकेदार द्वारा बिना पूर्व सूचना के किए जा रहे खुदाई कार्य के दौरान थिंक गैस द्वारा स्थापित सिटी गैस पाइपलाइन को नुकसान पहुँचा। थिंक गैस की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रभावित हिस्से को अलग किया और कम समय में गैस आपूर्ति बहाल कर दी, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई और निवासियों को होने वाली असुविधा को न्यूनतम किया गया। थिंक गैस ने भोपाल जिले में घरों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और परिवहन उपयोगकर्ताओं के लिए कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की आपूर्ति हेतु मजबूत पाइपलाइन इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया है। पाइपलाइन मार्ग पर स्पष्ट रूट मार्कर, चेतावनी संकेत और इमरजेंसी संपर्क बोर्ड लगाए जाने के बावजूद, संबंधित ठेकेदार ने खुदाई शुरू करने से पहले थिंक गैस को सूचित नहीं किया और घटना के बाद भी कोई रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की। सरकारी नियमों के अनुसार, किसी भी थर्ड पार्टी को खुदाई कार्य करने से पहले नगर निगम प्राधिकरण या सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को च्डायल बिफोर यू डिगच संपर्क नंबर के माध्यम से सूचित करना अनिवार्य है। यह घटना बिना किसी पूर्व सूचना के हुई, जिसके चलते थिंक गैस ने जिम्मेदार पक्ष के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है।

शादी समारोह से लौट रहे युवक को वाहन ने मारी टक्कर, मौत

जागरण, भोपाल। सुखी सेवनिया इलाके में शादी समारोह से लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे उसके पीछे बैठे दोस्त को मामूली चोटें आई है। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 21 वर्षीय राज वंशकार पिता विजय मंगलवारा इलाके में रहता था। वह डिलीवरी बॉय का करता था। राज घर का इकलौता बेटा था। सोमवार को वह दोस्त गौरव के साथ विदिशा रिश्तेदार की शादी में शामिल होने गया था। जहां से लौटते समय मंगलवार सुबह चार बजे बालमपुर घाटी गांव के पास अज्ञात चार पहिया वाहन ने उसे सामने से टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसके दोस्त को मामूली चोटें आई है। घटना की सूचना पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जेपी में एंटी रैबीज वैक्सीन का सिर्फ 2 दिन का बचा स्टॉक

नगर संवाददाता, भोपाल। जेपी अस्पताल में एंटी रैबीज वैक्सीन का स्टॉक खत्म होने की कगार पर है। अस्पताल के पास सिर्फ दो दिन का स्टॉक है, यदि स्वास्थ्य विभाग द्वारा आपूर्ति नहीं की गई तो यहां डॉग बाइट के मामले में मरीजों को इंजेक्शन नहीं लग पाएगा। अस्पताल प्रबंधन का तर्क है कि हमारे पास पर्याप्त स्टॉक है। जेपी अस्पताल को रैबीज इंजेक्शन की सप्लाई मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से होती है, यहां भी वॉइल की कमी है। बताया जा रहा है कि सीएमएचओ कार्यालय में अभी एंटी-रेबीज वैक्सीन की सिर्फ 6 वायल और इक्वाइन रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन की 63 डोज स्टॉक में हैं। जेपी अस्पताल की बात करें तो यहां अभी एंटी-रेबीज वैक्सीन की 748 वायल और इम्यूनोग्लोबुलिन की 49 डोज हैं, साथ ही 36 अतिरिक्त रेबीज वैक्सीन वायल भी हैं। इस तरह, सीएमएचओ कार्यालय के मुकाबले जेपी अस्पताल के पास ज्यादा बफर स्टॉक है, लेकिन फिर भी यह हर महीने की लगभग 2,500 वायल की जरूरत से कम है।

यदि समय पर आपूर्ति नहीं हुई तो पीड़ितों को होगी परेशानी

डॉग बाइट के हर साल 20 हजार केस: एक रिपोर्ट के अनुसार भोपाल में हर साल कुत्ते के काटने के लगभग 20,000 मामले सामने आते हैं, और इनमें से लगभग 30 से 50 प्रतिशत मरीजों का इलाज जेपी अस्पताल में होता है। ऐसे में, वैक्सीन की कमी से हजारों लोग रेबीज की चपेट में आ सकते हैं। रेबीज एक ऐसी बीमारी है जिसके लक्षण दिखने के बाद मरीज का बचना लगभग नामुमकिन होता है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अगर तुरंत वैक्सीन की सप्लाई नहीं बढ़ाई गई, तो मरीजों को बाहर की दवा दुकानों से वैक्सीन खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। लेकिन ऐसा करने पर मरीजों को अपनी जेब से पैसे खर्च करने पड़ेंगे। एक वरिष्ठ डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हम उपलब्ध डोज का सही इस्तेमाल करने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वैक्सीन की मांग उसकी सप्लाई से कहीं ज्यादा है। उन्होंने आगे कहा अगर जल्द ही वैक्सीन की नई खेप नहीं आई, तो हमें एक बड़े जन-स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ सकता है।

टारगेट से कम हो रही कुत्तों की नसबंदी

भोपाल नगर निगम द्वारा कुत्तों की नसबंदी का काम भी ठीक ढंग से नहीं किया जा रहा है। बीएमसी ने अपने रेबीज-मुक्त शहर कार्यक्रम का विस्तार किया है, और पिछले तीन सालों में नसबंदी केंद्रों की संख्या दोगुनी कर दी है। इसके बावजूद, सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि नसबंदी की संख्या में बहुत मामूली बढ़ोतरी हुई है। 28 फरवरी, 2026 तक बीएमसी ने लगभग 25.7 लाख के खर्च पर 23,363 कुत्तों की नसबंदी और 29,766 एंटी-रेबीज टीकाकरण किए। विशेषज्ञों के अनुसार, कुत्तों की आबादी में साफ तौर पर कमी देखने के लिए शहर को हर साल लगभग 60,000 नसबंदी करने की जरूरत है। इस साल जनवरी से अभी तक भोपाल में कुत्तों के काटने के लगभग 4,000 मामले सामने आए हैं।

" इंजेक्शन की कमी नहीं है, अभी हमारे पास बचत है। फिर भी हमने डिमांड भेज दी है।

डॉ. संजय जैन, सिविल सर्जन जेपी अस्पताल

हमने आज ही 500 वॉइल मंगवाएं हैं। जिले के किसी भी अस्पताल में परेशानी नहीं होने देंगे।

डॉ. मनीष शर्मा, सीएमएचओ भोपाल

प्लेटफार्म 6 के यात्रियों का भार 1 पर, स्टेशन के बाहर जाम

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर इन दिनों अव्यवस्था का माहौल है। प्लेटफार्म नंबर छह पर मेट्रो कार्य के चलते आवाजाही बहुत कम हो गई है। सिर्फ पैदल यात्री ही यहां से स्टेशन पहुंच रहे हैं। जबकि वाहन से स्टेशन आने वाले यात्री प्लेटफार्म नंबर एक का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे प्लेटफार्म नंबर एक पर यात्रियों के साथ दो व चार पहिया वाहनों का दबाव बढ़ गया है। यहां हर घंटे जाम की स्थित बनी हुई है। ट्रेनों के आने व जाने के समय यह जाम और भी बढ़ जाता है। जानकारी के अनुसार प्लेटफार्म नंबर 6 की एंट्री बाधित होने के कारण प्लेटफार्म नंबर एक पर यात्रियों का भार डेढ़ से दो गुना तक बढ़ गया है। यहां हर घंटे दो से तीन लोगों का आवागमन हो रहा है।

पार्किंग फुल, सड़क पर खड़े हो रहे वाहन

प्लेटफार्म नंबर एक पर बनी पार्किंग इन दिनों फुल चल रही है। दो पहिया वाहनों का भार बढ़ने से यहां कई लोगों को अपना वाहन खड़ा करने की जगह नहीं मिल रही। नतीजे में लोग स्टेशन के बाहर यहां-वहां अपने वाहन पार्क कर रहे हैं। इससे ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। हालांकि हर समय स्टेशन के बाहर ट्राफिक पुलिस की गाड़ी घूमती रहती है, जो नो पार्किंग में खड़े वाहनों उठाकर उन पर चालानी कार्रवाई करती है।

दो फुट ओवर ब्रिज फिर भी यात्री परेशान: प्लेटफार्म नंबर एक पर दो फुट ओवर ब्रिज बने हुए हैं, जो सीधे छह नंबर प्लेटफार्म को जोड़ते हैं। दोनों एफओबी का इस्तेमाल करने के लिए एस्केलेटर लगा हुआ है, लेकिन यात्रियों की संख्या इतनी ज्यादा बढ़ चुकी है, अक्सर कई यात्री सीढ़ियों के रास्ते ही ब्रिज पर पहुंचकर अपने प्लेटफार्म पर जा रहे हैं।

ऑटो व कैब की संख्या बढ़ी: प्लेटफार्म नंबर एक पर यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ ही यहां ऑटो व कैब की संख्या भी बढ़ गई है। ओला, उबेर व ऑटो स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में खड़े रहते हैं, इससे भी कई बार जाम की स्थिति बनती है। इसी के साथ स्टेशन के बाहर बाउंड्री के पास बैटरी रिक्शा और आपे खड़े रहते हैं। इनके कारण भी जाम लगता है।

" भोपाल स्टेशन पर यात्रियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए निर्देश दिए गए हैं। ट्रैफिक की समस्या से निपटने के लिए यातायात पुलिस से संपर्क किया गया है। जल्द ही छह नंबर प्लेटफार्म पर मेट्रो का काम पूरा हो जाएगा, इसके बाद व्यवस्थाएं बदल जाएंगी।

नवल अग्रवाल, प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी भोपाल रेल मंडल

एम्स में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर नर्स से 50 हजार ऐंठे

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। एक निजी अस्पताल में पदस्थ नर्स को एम्स में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 50 हजार रुपए ऐंठ लिए गए। दो युवकों ने एम्स में स्थाई नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। जब नौकरी नहीं लगी तो महिला ने अपने पैसे वापस मांगे। आनाकानी के बाद उन्होंने पैसे देने से मना कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बागसेवनिया पुलिस के मुताबिक, मूलतः गंज सीहोर निवासी 30 वर्षीय प्रिया राठौर यहां बागसेवनिया इलाके में रहती है। वह एक निजी अस्पताल में नर्स है। फरवरी 2025 में प्रिया के पिता गेंदालाल के परिचित मुकुल त्यागी ने उसकी मुलाकात सीहोर निवासी अमर छावा से कराई थी। अमर ने खुद को प्रभावशाली बताते हुए एम्स भोपाल में स्थाई नर्स की नौकरी लगवाने का दावा किया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच एक लाख रुपए में सौदा तय हुआ। प्रिया ने उन्हें 50 हजार रुपए दिए। शेष राशि नौकरी लगने के बाद देने की बात तय हुई थी। रकम लेने के बाद आरोपियों ने लंबे समय तक पीड़िता को भरोसे में रखा, लेकिन न तो कोई ऑफर लेटर दिया गया और न ही नौकरी से जुड़ी कोई प्रक्रिया करवाई। जब पीड़िता और उसके परिजनों ने आरोपियों से संपर्क किया तो वे लगातार टालमटोल करते रहे। थक-हारकर पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की।

वैस्टर्न काउंट्री कालोनी में घुसे चोर, लोगों ने भगाया

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कटारा हिल्स स्थित वैस्टर्न काउंट्री कालोनी में देर रात 4-5 चोर घुस गए। उन्होंने सूने मकानों का निशाना बनाना चाहा, इससे पहले स्थानीय लोग जाग उठे। उन्होंने चोरों को भगा दिया। जानकारी के मुताबिक, वैस्टर्न काउंट्री कोलानी अभी निर्माणाधीन है। यहां 7-8 परिवार रहते हैं। शेष कालोनी में मकान सूने पड़े हैं। सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात बदमाश यहां चोरी की नीयत से दाखिल हुए थे। चोरों ने सूने मकानों को खंगाला, लेकिन कुछ नहीं मिला। भनक लगने पर स्थानीय लोग जाग गए। उन्होंने शोर-शराबा किया तो दीवार फांदकर बदमाश भाग निकले। इस तरह स्थानीय लोगों ने चोरी की घटना को विफल कर दिया। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालकर आरोपियों की पहचान में जुटी है।

सात दिनों में 178 गोवंश मुक्त, करोड़ों के वाहन जब्त, 22 तस्कर गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस ने प्रदेशभर में अवैध गोवंश एवं पशु तस्करी के खिलाफ अभियान चलाकर पिछले एक सप्ताह के दौरान ही 178 गोवंश एवं अन्य पशुओं को सुरक्षित मुक्त कराया है। इन गोवंश को आजाद कराने के बाद स्थानीय गौशालाओं को सौंपा गया है। पुलिस ने अलग-अलग जिलों में कार्रवाई कर तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को भी जब्त किया है, जिनकी कीमत करोड़ों में है।

इसके साथ ही पुलिस ने दो स्थानों पर पशु चोरों के गिरोह को भी बेनकाब कर उनके पास से गोवंश और अन्य जानवर सुरक्षित बचाए हैं। इस दौरान सबसे बड़ी कार्रवाई सतना जिले की चित्रकूट पुलिस ने की। वहीं एक कंटेनर ट्रक से 53 भैंसें और पाड़े जब्त कर 4 पशु तस्करों को हिरासत में लिया है। शिवपुरी जिले की कोलारस पुलिस ने भी एक कंटेनर जब्त कर उसमें अवैध रूप से ले जाए जा रहे 31 गोवंश को मुक्त कराया और 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा पन्ना जिले के बृजपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने

अवैध गोवंश परिवहन की घटना के 5 फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 14 गोवंश बचाए। पुलिस ने इस कंटेनर को भी जब्त कर लिया। पन्ना जिले में ही ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय बकरी चोरी गिरोह का पर्दाफाश कर उनके पास से 16 नग बकरा-बकरी, 14 हजार नकदी एवं एक बाइक बरामद की है। इसी तरह शहडोल की देवलोंद पुलिस ने एक ट्रक से 36 नग मवेशी जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ग्लोबल स्किल पार्क देखने पहुंची फिलीपींस की टीम

कौशल विकास मंत्री ने दल को बताए प्रदेश के कौशल विकास में नवाचार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मंगलवार को राजधानी के संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क देखने के लिए फिलीपींस के तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास प्राधिकरण की 24 सदस्यीय टीम पहुंची। इस दल ने संस्थान की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण व्यवस्था और उद्योग-आधारित दृष्टिकोण को बारीकी से समझा। इस दौरान कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि यह पार्क देश का पहला ऐसा कौशल केंद्र है जो इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के अनुरूप युवाओं को तैयार कर रहा है। टीम को संस्थान के सीईओ गिरीश शर्मा ने पार्क की संरचना और उपलब्धियों की जानकारी देते हुए मुख्य परिसर और सिटी परिसर का भ्रमण कराया।

एमपी और फिलीपींस के दल के बीच हुआ संवाद

इस दौरान टीम ने लैब में चल रहे लाइव प्रदर्शन देखे और वहां प्रशिक्षण ले रहे विद्यार्थियों से बात भी की। मंत्री टेटवाल ने बताया कि संस्थान में युवाओं की बढ़ती डिमांड को देखते हुए यहां 1200 स्टूडेंट की क्षमता वाले हॉस्टल का विस्तार भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एशिया स्तर पर इस मॉडल की चर्चा हो रही है और कई अन्य देश भी यहां की कार्यप्रणाली को अपने यहां लागू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इस दौरे के दौरान करियर गाइडेंस सेल और सिस्को नेटवर्किंग अकादमी का भी उद्घाटन किया गया। इस दौरान संस्थान से जुड़े लीडरशिप मास्टर क्लास के सफल विद्यार्थियों और इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अंकित प्रजापति को सम्मानित किया गया। संवाद सत्र के दौरान फिलीपींस के प्रतिनिधियों ने अपने क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क की जानकारी भी दी।

जनसुनवाई

जनसुनवाई में आवेदकों को पहली बार मिली कुर्सी, एक घंटे तक कलेक्टर ने सुनी समस्याएं

दिव्यांग महिला की बात सुनने जमीन पर बैठे कलेक्टर, दिए निर्देश

जागरण संवाददाता, भोपाल। हर मंगलवार को कलेक्ट्रेट में होने वाली जनसुनवाई में व्यवस्थाएं बदली सी नजर आईं। दरअसल शहर के नवागत कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने शहर में पहली बार जनसुनवाई के दौरान आवेदकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कलेक्टर ने हर आवेदक का आवेदन स्वयं लिया और इस दौरान आवेदक कलेक्टर के ठीक सामने कुर्सी पर बैठे रहे, ताकि वे अपनी समस्याएं स्वयं कलेक्टर को बता सकें। इस दौरान कलेक्टर सुबह 11.30 से 12.30 बजे तक आवेदकों की समस्याएं सुनते रहे और इस दौरान उन्होंने दिव्यांग आवेदक माया संतोरिया के पास जाकर उसकी समस्या सुनी। माया कलेक्ट्रेट सभागार के बाहर फर्श पर बैठी थी, जिसके बाद कलेक्टर स्वयं भी झुककर माया से बातचीत करते रहे। इस दौरान शहर में आदिवासी की जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे सहित एक अन्य मामले की फाइल उन्होंने सीधे एडीएम सुमित पांडेय को सौंप दी और कहा कि इस मामले की जानकारी लेकर आवेदकों की समस्या का समाधान कराया जाए। इस दौरान करीब 111 आवेदनों पर कलेक्टर ने सुनवाई की और अधिकारियों को समय सीमा में लोगों की समस्याएं सुलझाने के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान एडीएम अंकुर मेश्राम और प्रकाश नायक सहित जिले के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दिव्यांग ने लगाई आवास की गुहार

कोलार के बांसखेड़ी निवासी दिव्यांग महिला माया संतोरिया जनसुनवाई में आवास की समस्या लेकर पहुंची थी। महिला को चलने-फिरने में समस्या हो रही थी। जिसे देखकर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा अपनी कुर्सी छोड़कर सीधे महिला के पास पहुंचे और फर्श पर बैठकर उनकी समस्या सुनी। महिला ने आवास योजना के तहत घर दिलाने की गुहार लगाई। कलेक्टर ने मामले को नगर निगम अपर आयुक्त को सौंपते हुए समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

सड़क पर अतिक्रमण कर मार्ग किया बाधित : अयोध्या बायपास स्थित लेक सिटी वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारियों ने शिकायत दर्ज कराई कि कॉलोनी के लेआउट में हाईटेंशन लाइन के नीचे की जगह को सड़क के रूप में दर्शाया गया है। अमन लेक सिटी कॉलोनी के लोगों ने उस सड़क के हिस्से पर मंदिर बना लिया है और चबूतरा बनाने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो रहा है। कलेक्टर ने मामले में एसडीएम गोविंदपुरा को मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

ड्यूटी पर वापसी के लिए सुपरवाइजर मांग रहा राशि : आनंद नगर निवासी सफाई कर्मी चंद्रा बाई ने नगर निगम के वार्ड-69 के सुपरवाइजर पर प्रताड़ना और रिश्वतखोरी का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि बीमारी के कारण दो दिन की छुट्टी के बाद जब वह ड्यूटी पर लौटी, तो सुपरवाइजर ने नौकरी पर वापस लेने की एवज में 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। साथ ही उसे नौकरी से निकालने की धमकी भी दी। कलेक्टर ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच के लिए नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए हैं। इसी तरह शिकायतकर्ता मनोज सेन ने आरोप लगाया कि सहकारिता विभाग विंध्याचल भवन में भृत्य के पद पर रेणु सिंह ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति पाई है। शिकायत में कहा गया कि रेणु सिंह ने खुद को स्वर्गीय लालजी की पत्नी बताया है, जबकि उनकी पत्नी सीता थीं। प्रकरण रीवा न्यायालय में विचाराधीन है।

14 हजार घूस ले रहा पंप अटेंडेंट गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोकायुक्त पुलिस की जबलपुर यूनिट ने छिंदवाड़ा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के एक कर्मचारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस मामले में विभाग का बाबू और पंप अटेंडेंट मिलकर ठेकेदार से कमीशन के नाम पर रिश्वत मांग रहे थे। शिकायतकर्ता सौरभ मिश्रा पीएचई में ठेकेदार हैं और उनके द्वारा किए गए 30 प्रतिशत कार्य के भुगतान के बदले विभाग के सहायक ग्रेड-3 संदेश गजभिये द्वारा 6 प्रतिशत कमीशन के हिसाब से 25 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। आवेदक के खाते में जब 4 लाख 11 हजार रुपए की राशि पहुंची, तो क्लर्क संदेश गजभिये ने पंप अटेंडेंट दर्पण मिश्रा के जरिए 14 हजार रुपए की डिमांड की। मंगलवार को खजूरी रोड चाय की दुकान पर जैसे ही दर्पण मिश्रा ने आवेदक से रिश्वत की राशि पकड़ी, पहले से जाल बिछाकर बैठी लोकायुक्त की टीम ने उसे रंगे हाथ दबोच लिया। इस मामले में लोकायुक्त पुलिस ने दर्पण मिश्रा के साथ संदेश गजभिये, दोनों को आरोपी बनाते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

अमेरिका और ईरान को जिद छोड़ने की जरूरत

तीन मुख्य मुद्दों – ईरान का परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज जलडमरूमध्य और तेहरान के क्षेत्रीय प्रॉक्सी का भविष्य – का राजनयिक समाधान खोजना मुश्किल होगा, लेकिन असंभव नहीं।

युद्धविराम के बाद की बातचीत के दौरान ईरानी और अमेरिकी पदों में बहुत दूरियां रही होंगी। हालाँकि, ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों पक्ष गतिरोध से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आने वाले दिनों में एक और दौर की बातचीत का संकेत दिया है, जबकि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान ने कहा है कि उनका देश युद्ध नहीं बल्कि बातचीत चाहता है। जाहिर है, कूटनीति के लिए जगह खत्म नहीं हुई है। लेकिन समस्या केवल विश्वास की कमी नहीं है; यह भी है कि कोई भी पक्ष अपने घरेलू दर्शकों के सामने 'कमजोर' नहीं दिखना चाहता। यह ट्रम्प की नौसैनिक नाकाबंदी में स्पष्ट है, जिसके तहत अमेरिकी नौसेना ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश करने या छोड़ने वाले जहाजों पर रोक लगा रही है। गैर-ईरानी बंदरगाहों पर आने वाले जहाजों को आगे बढ़ने की अनुमति है – यह मानते हुए कि ईरान, जिसने होर्मुज जलडमरूमध्य को 'दुश्मन जहाजों' के लिए बंद कर दिया है, उनके मार्ग की अनुमति देता है।

ट्रंप की नाकाबंदी के पीछे संदेश यह है कि यदि अन्य देश जलडमरूमध्य के माध्यम से निर्यात नहीं कर सकते हैं, तो ईरान भी नहीं कर सकता है। इस तरह का कदम तेहरान के युद्ध केंद्र को निशाना बनाता है – संघर्ष के दौरान उसके तेल निर्यात और राजस्व में वृद्धि हुई है – ताकि उसे एक समझौते को स्वीकार करने के लिए मजबूर किया जा सके। हालाँकि, वर्षों के कठोर प्रतिबंधों से पता चलता है कि ईरान में आर्थिक पीड़ा के प्रति अत्यधिक सहनशीलता है। तेहरान ने अपनी ओर से चेतावनी दी है कि वह फारस की खाड़ी, ओमान सागर और लाल सागर के पार व्यापार को बाधित करेगा। जाहिर है प्रत्येक पक्ष दूसरे पक्ष के पहले पलक झपकाने का इंतजार कर रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य और तेहरान के क्षेत्रीय प्रॉक्सी का भविष्य – का राजनयिक समाधान खोजना मुश्किल होगा, लेकिन असंभव नहीं। अमेरिका और ईरान के बीच 2015 के परमाणु समझौते पर बातचीत में लगभग 20 महीने लग गए। किसी भी समझौते के लिए दोनों पक्षों को अधिकतमवादी मांगों को अलग रखना होगा। युद्ध विराम की खबरों के बीच इजराइल का लेबनान में हिजबुल्लाह को निशाना बनाना और हमले में नागरिकों के घायल होने की खबरों ने दुनिया की चिंता को बढ़ाया है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू का यह बयान कि लेबनान में संघर्ष का मोर्चा सक्रिय रहेगा, युद्धविराम की सीमाओं को ही दर्शाता है। अमेरिका-ईरान युद्ध के समांतर संघर्षों को नजरअंदाज करने वाला यह युद्धविराम टिकाऊ होगा, इसमें संदेह व्यक्त किया जा रहा है। युद्धविराम की शर्तों की परस्पर विरोधी व्याख्याएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। विशेष रूप से यूरेनियम संवर्धन और होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण के संबंध में, एक साझा ढांचे की कमी को ही उजागर करती है।

फिलहाल युद्धविराम से लेबनान को बाहर करना एक कठिन मुद्दा बना हुआ है, हालाँकि इज़राइल और लेबनानी सरकार के बीच 33 वर्षों में पहली सीधी वार्ता कुछ हद तक आशा प्रदान करती है। परमाणु कार्यक्रम पर, इस्लामाबाद में अमेरिका ने यूरेनियम संवर्धन को 20 साल के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव रखा, जबकि ईरान ने पांच साल का सुझाव दिया। इस पर, होर्मुज़ और अन्य मुद्दों की तरह, समझौता आवश्यक होगा। कूटनीति को कायम रखने के लिए, दोनों पक्षों को युद्धविराम बनाए रखना होगा और अपनी प्रतिस्पर्धी नाकेबंदी को बढ़ाने से बचना होगा।

प्रसंगवश

शोषणकारी लोन एप पर सख्ती की जरूरत

कन्नूर में डेंटल के प्रथम वर्ष के छात्र नितिन राज की पिछले हफ्ते पांच-मंजिला इमारत की छत से गिरकर मौत हो गयी। इस मामले में पुलिस ने ऐप के जरिए लिये गये कर्ज को लेकर उत्पीड़न की भूमिका की पहचान की है। उसकी मौत पिछले चार महीनों में केरल में लोन ऐप से जुड़ी तीसरी हाई-प्रोफाइल आत्महत्या है। जनवरी महीने से इन ऐप्स से जुड़ी 35 शिकायतें केवल तिरुवनंतपुरम ग्रामीण में दर्ज की गयी हैं। नितिन के मामले में समानांतर छानबीन में उसके कॉलेज में जाति-आधारित भेदभाव होने के आरोपों की जांच भी की जा रही है और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने एक हफ्ते में रिपोर्ट तलब की है। एक बार इंस्टॉल किये जाने पर ये ऐप उपयोगकर्ता के डिवाइस से कॉन्टैक्ट लिस्ट, फोटो गैलरी और जीपीएस डेटा निकाल लेते हैं और उन्हें अक्सर उत्तर भारत या विदेशों में स्थित सर्वरों को भेज देते हैं। अगर पैसा चुकाने में देर होती है तो रिकवरी एजेंट लगातार परेशान करते हैं, जिसमें कर्जदार को बार-बार गाली-गलौज वाले फोन करना, ऋण आवेदन पर रेफरेंस के रूप में दर्ज लोगों को तंग करना और प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाना शामिल है। खास तौर पर केरल में स्मार्ट फोन तक पहुंच और डिजिटल साक्षरता काफी अधिक है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि वित्तीय साक्षरता भी ज्यादा हो, और छोटे उधार की तुरंत जरूरत वाली बड़ी छात्र आबादी भी है। आरबीआई के डिजिटल कर्ज वितरण दिशानिर्देशों के बावजूद, जाल में फंसाने वाले ऐप्स बिना विनियमित दर्जे (रेगुलेटेड स्टैटस) के कर्ज दे रहे हैं। वे नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) से साझेदारियों का फर्जीवाड़ा करते हैं, अपारदर्शी गेटवे के जरिए धन का प्रवाह करते हैं, शुल्कों एवं वितरण संबंधी कटौतियों को छिपाते हैं और कोई शिकायत तंत्र उपलब्ध नहीं कराते हैं।

आरबीआई वित्तीय संस्थाओं का विनियमन करती है, इसके बावजूद ये ऐप संचालित हो पा रहे हैं क्योंकि हानिकारक संस्थाएं ऐप और डेटा लेयरों में काम करती हैं। पहले कदम के रूप में, स्मार्टफोन निर्माताओं को एक ओएस-स्तरीय सैंडबॉक्स पर विचार करना चाहिए जिसमें 'वित्तीय' के रूप में श्रेणीबद्ध किसी भी ऐप की कॉन्टैक्ट, फोटो इत्यादि तक पहुंच तकनीकी रूप से रोकी जाए, भले ही उपयोगकर्ता इसके लिए अनुमति दे। ऐप्स के कॉल सेंटरों के अक्सर दूसरे राज्यों या देशों में होने का पता चलता है, जो स्थानीय पुलिस की पहुंच से बाहर होते हैं। दूसरा, भारत को अवैध डिजिटल कर्ज देने पर जेल की सजा और भारी जुर्माने वाला कानून बनाने की जरूरत है। जब भी किसी ऐप को स्टोर या डायरेक्ट्री से हटाया जाता है, उसके डेवलपर तुरंत नये नामों से इसे दोबारा लांच कर देते हैं। तीसरा, सरकार सभी वित्तीय ऐप्स के लिए जरूरी बना सकती है कि उनके पास किसी विनियमित बैंक या एनबीएफसी से जुड़े होने का क्रिप्टोग्राफिक रूप से हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र हो। वह ऐप स्टोरों को भारतीय रिजर्व बैंक की व्हाइटलिस्ट को ध्यान में रखकर उनकी लिस्टिंग जांचने के लिए बाध्य कर सकती है। यही कारण है कि केरल सरकार डिजिटल कर्ज देने वाले प्लेटफार्मों को विनियमित करने और राज्य के बाहर से संचालित हो रहे ऐप्स के खिलाफ स्थानीय पुलिस को सशक्त बनाने के लिए नये कानून पर विचार कर रही है। चौथा, देश को प्रभावी ब्याज दरों और शुल्कों पर सख्त डिस्क्लोजर मानकों, वसूली से जुड़े आचरण पर कड़े नियमों, भुगतान एग्रीगेटरों पर ज्यादा कठोर केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) दायित्वों, और उच्च शिकायत दर वाली कर्ज वितरण गतिविधियों के साथ जुड़े यूपीआई आईडीज पर जोखिमभरे का टैग लगाने की जरूरत है।

बंगाल चुनाव

26 हजार से ज्यादा नौकरियां जाने से जेन-जी आक्रोशित

रैलियों की भीड़, बदलते मूड का संकेत

बिमल राय

चुनावी मौसम में खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ लोग नेताओं को देखने-सुनने के साथ-साथ हेलिकॉप्टर देखने भी आते हैं। 2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव में कश्मीर से आए बख्तरबंद वाहन लोगों में कौतुहल का विषय बने हुए हैं, जिसका इस्तेमाल आतंकी विरोधी अभियान में होता था। ये गाड़ियां बंगाल में संस्थागत रूप से जनादेश लूटने वालों को एक कड़ा संदेश दे रही हैं। बंगाल के पाले-पोसे गए दबंग इस बार शांत दिख रहे हैं। हालांकि वर्षों तक पशु तस्करी सहित अन्य कई मामलों में तिहाड़ प्रवास के बाद जमानत पर छूटे दबंग अणुव्रत मंडल की मानें, तो रॉयल बंगाल टाइगर इन्हें चबा जाएगा।

एक मार्च से ही पूरे राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों की गश्त, छोटे-बड़े सौ से ज्यादा अफसरों के तबादलों सहित चुनाव आयोग ने कुछ ऐसे कदम उठाए हैं, जिससे इस बार शांतिपूर्ण चुनाव की उम्मीद बंध रही है। आयोग के इस कदम के खिलाफ हाईकोर्ट में भी अपील की गई, जो खारिज कर दी गई। 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग के फैसले को नहीं पलटा। पिछले कई दशकों से यह साबित हो चुका है कि बंगाल में कोई भी चुनाव एक युद्ध जैसा होता है। चुनाव आयोग ने 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होने वाले पहले चरण में ही सुरक्षा बलों की 2,407 कंपनियों की तैनाती के अलावा, एजेंटों को बूथों के बाहर टेंट लगाकर बैठाने, हर बूथ पर दो-दो कैमरे लगाने, दूसरे राज्यों के पुलिस पर्यवेक्षकों की बहाली, राज्य पुलिस को बूथ से 100 मीटर दूर रखने सहित कई नई व्यवस्थाएं करके 'वोट लुटेरों' के लिए कोई मौका नहीं छोड़ा है।

जहां तक तृणमूल के एक खास वोट बैंक का सवाल है, बहुत सारे लोग समझ गए हैं कि एसआईआर को लेकर मुख्यमंत्री की ओर से इतना बवाल नहीं किया गया होता, तो यह काम समय पर पूरा हो जाता और करीब 32 लाख लोगों को मताधिकार से वंचित नहीं होना पड़ता। तार्किक विसंगति वाले मामलों के निपटारे की प्रक्रिया में भी बाधा डाली गई। बीडीओ ऑफिस जलाए गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने व उन पर जानलेवा हमले तक का दुस्साहस किया गया। लोगों को भड़काने वाले नेता और 'ऑन द स्पॉट' वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने की मांग कर रहे कई लोगों को एनआईए ने पकड़ लिया है और कुछ फरार चल रहे हैं।

एसआईआर में 91 हजार नाम कटने, और तार्किक विसंगति के मामलों का पूरा निपटारा नहीं होने के कारण करीब 32 लाख लोग इस बार वोटिंग नहीं कर पाएंगे। हालांकि 16 अप्रैल को दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने वोटिंग से दो दिन पहले तक न्यायाधिकरणों द्वारा वैध ठहराए गए वोटरों को मताधिकार का हक दे दिया है। फिर भी अनुमानतः तार्किक विसंगति वाले 25-26 लाख लोग मताधिकार से वंचित रह ही जाएंगे। कम अंतर से जीत-हार वाली सीटों पर यह छंटनी भाजपा की मदद कर सकती है, क्योंकि जिनके नाम कटे हैं, उनमें से ज्यादातर तृणमूल समर्थक माने जाते हैं। ओवैसी व हुमायूं कबीर इसके लिए ममता को जिम्मेदार ठहराकर मुसलमानों का नया रहनुमा बनने का दम भर रहे हैं।

उत्तर बंगाल में यह चुनाव चाय बागान मजदूरों के अलावा कोच-राजबंशी और कामतापुरी तबके की पहचान की लड़ाई के तौर पर उभरा है। साथ ही इसके नतीजे दार्जिलिंग पर्वतीय क्षेत्र में दशकों पुरानी गोरखा समस्या के राजनीतिक समाधान का रास्ता भी खोल सकते हैं।यही वजह है कि तृणमूल कांग्रेस और भाजपा इन मजदूरों को जमीन का मालिकाना हक देने और न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने जैसे वादों के साथ लुभाने की कोशिश कर रही है। राज्य का चाय उद्योग लंबे अरसे से बदहाली के दौर से गुजर रहा है। कई बागान बरसों से बंद पड़े हैं। अब बागान मजदूरों की नई पीढ़ी पारंपरिक पेशे को छोड़कर दूसरे शहरों में जाकर नए-नए पेशे आअपना रही है। इलाके के चाय बागान मजदूर कुछ साल के अंतराल पर पाला बदलते रहे हैं। यह लोग रोजगार और आधारभूत सुविधाओं के मुद्दे पर राजनीतिक दलों के समर्थन का फैसला करते रहे हैं।राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भौगोलिक और जागितगत विविधता को ध्यान में रखते हुए मतदान का पहला चरण सत्ता के दोनों दावेदारों यानी तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के लिए बेहद अहम है। खासकर भाजपा इस दौर में अपनी पिछली सीटों पर कब्जा कायम रखने के साथ ही उसे और बढ़ाने की कोशिश करेगी जबकि तृणमूल कांग्रेस उत्तर बंगाल में अपनी सीटों की संख्या बढ़ा कर इलाके में अपने कमजोर होती पकड़ को दोबारा मजबूत करने का प्रयास करेगी।

पिछली बार 77 पर अटक जाने वाली भाजपा इस बार ममता पर व्यक्तिगत हमले करने से बच रही है। तृणमूल के 1500 रुपये के लक्ष्मी भंडार और बेरोजगारी भत्ते को भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में दोगुना कर दिया है। महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त सफर और राज्य में उद्योग लगाने व कानून-व्यवस्था की हालत सुधारकर महिला सुरक्षा बढ़ाने यानी योगी मॉडल लागू करने की भी बात की गई है। कोलकाता के पास पानीहाटी से आरजी कर अस्पताल की पीड़िता की मां को टिकट देकर भाजपा ने महिला सुरक्षा के विमर्श को पूरे राज्य में जिंदा कर दिया है।

रही बात कांगेस, वाम दलों, ओवैसी व हुमायूं कबीर के दलों की, तो ये दल कुछ सीटों पर भाजपा या तृणमूल की जीत-हार का कारण बन सकते हैं। वोटरों का संदेश जनसभाओं में आने वाले लोगों की शारीरिक भाषा से भी समझा जा सकता है। सिलीगुड़ी की एक बच्ची का वीडियो काफी वायरल हुआ है, जिसमें वह बच्ची पुलिस वाले से पूछ रही है कि 'पुलिस अंकल, मोदी जी कब तक आएंगे?' जबकि ममता और उनके भतीजे की जनसभाओं में पीछे की सीटें खाली जा रही हैं।

चुनाव पूर्व हिंसा पर इस बार काफी हद तक लगाम लगी है, हालांकि विपक्षी उम्मीदवारों के पोस्टर फाड़ने, कुछ इलाकों में उम्मीदवारों पर हमले की खबरें भी आई हैं, पर पुलिस व केंद्रीय बलों की त्वरित कार्रवाई से असामाजिक तत्वों के हौसले पस्त हैं।

बंगाल में शिक्षकों की 26 हजार से ज्यादा नौकरियां जाने के मामले से पूरा युवा समाज या जेन-जी आक्रोशित है। तमाम जनमत सर्वेक्षणों, अनुमानों, भय के कारोबार, बेरोजगारी भत्ते जैसे हालिया लागू प्रलोभनों के बावजूद लगता है, इस बार बंगाल का युवा सचमुच बदलाव के मूड में है।

खुला मंच

पर उपदेश कुशल बहुतेरे

पूरन सरमा

सही कहा है, दूसरों को उपदेश देने वाले एक से एक नायाब माहिर लोग मिल जाएंगे। दूसरों को बैंगन परहेज में बताएंगे और खुद रोज उसका भुर्ता बना कर खाएंगे। मुझे उपदेश दिया गया कि मैं 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे' पर व्यंग्य रचना लिखूं, लेकिन मैं कहता हूं कि वे खुद लिखकर बताएं कि उपदेशियों पर व्यंग्य कैसे लिखा जाता है। अब जनाब मेरी तो मजबूरी है सो लिखना पड़ेगा, परंतु ऐसा विषय नहीं चुनना चाहिए जिसमें लिखने पर पसीना छूट जाए। लेकिन कहते हैं न कि श्रम व्यर्थ नहीं जाता तथा उसके बदले कुछ न कुछ अवश्य मिलता है। ईश्वर को शायद यही मंजूर हो कि मुझे यह व्यंग्य लिखने पर कुछ न कुछ हासिल हो, इसलिए लिखनी पड़ रही है यह व्यंग्य रचना।

कई बार मन करता है कि किसी को कोई सीख दूं, लेकिन मुझे बया वाली बात याद आ जाती है। बया ने कोई सीख बंदर को दी बताई, प्रतिफल में उसे अपना घोंसला उजड़वाना पड़ा। यह सोचकर ठण्डा हूं अन्यथा उपदेशों का भण्डार भरा पड़ा है मेरे भीतर भी।

चाहे वह कार्य में स्वयं नहीं करता लेकिन दूसरों को उपदेशों की घुट्टी पिलाकर चाहता हूं कि वह मेरी बतायी सीख पर चले। आदर्शों का पालन करे तथा अपना जीवन बेहतर और खुशहाल बनाए। भले मेरा जीवन नरक चौदह के सन्निकट है। अब मैं भी क्या करूं? मैं अपनी आदतों से बाज नहीं आता तथा उपदेशों का राग बिल बिलावत गाता रहता हूं बिला वजह। इसलिए मेरा प्रयत्न तो अपने उपदेशों से अधिक से अधिक खुशहाली लाना है। हालांकि मेरी खुशी इतनी सी है कि मेरी सीख को कोई सुन भर लें, फिर वह उस पर अमल करे या न करे, लेकिन सुन भर लेने से ही मुझे आत्मिक तोष और शान्ति प्राप्त होती है।

भारतवर्ष में जनसेवकों की कमी नहीं है, आये दिन कहते रहते हैं कि साक्षर होना जरूरी है, ईमानदारी से रहना चाहिए, भ्रष्टाचार नहीं करना चाहिए, देश को प्राणों से भी प्यारा मानना चाहिए और दूसरों को सहयोग करना चाहिए। अब इन कसौटियों पर जनसेवक नेताजी को उतारा जाए तो खुद निरक्षर मिलेंगे, ईमानदार की जगह बेईमान मिलेंगे, जहां एक-दूसरे के सहयोग की बात है, बनते काम बिगाड़ते मिलेंगे। रिश्वत, कमीशन खाएंगे और कुछ नहीं तो घोटाला करेंगे। अब पूछिये कि भैया घोटाला करने की आवश्यकता क्या थी? तो जवाब कुछ नहीं, बस मौन धारण कर लेंगे और नए नायाब ढंग से कोई नया घपला करने की दिशा में सचेष्ट और सजग हो जाएंगे। इसलिए जनसेवक नेताजी से क्या सीख लें, मेरी समझ में तो कुछ आ नहीं रहा। इतना जरूर है कि समाज में इनकी झूंठ का असर होता है तथा लोग आश्वासन व बहकावे में आकर इनकी बातों पर विश्वास कर लेते हैं।

सोशल मीडिया

इन्फ्लुएंसर संस्कृति में सफलता का पैमाना व्यूज, लाइक्स, फॉलोअर्स और ट्रेंडिंग

इन्फ्लुएंसर संस्कृति और संस्कारों का संकट

सिकंदर बंसल

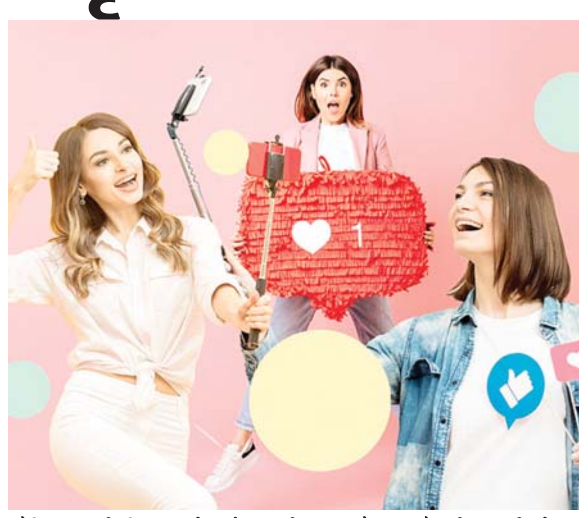

आज का युग तकनीक का युग है, जहां सोशल मीडिया ने सूचना, मनोरंजन और अभिव्यक्ति को हमारी हथेली पर समेट लिया है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म्स ने दुनिया को छोटे-छोटे स्क्रीन्स में कैद कर दिया है। भारत में सोशल मीडिया यूजर्स की संख्या लगातार बढ़ रही है- 2025 तक युवा वर्ग में 83 प्रतिशत जेन-जी खुद को कंटेंट क्रिएटर मानते हैं (यूट्यूब इंडिया रिपोर्ट)। इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग पर 2024 में 290 मिलियन डॉलर खर्च हुए, जो 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। लेकिन यह सुविधा कितनी खतरनाक साबित हो रही है? क्या हम अपने बच्चों को सही संस्कार दे पा रहे हैं, या उन्हें एक ऐसी आभासी दुनिया में अकेला छोड़ रहे हैं जहां वायरल होना ही जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य बन गया है। यह प्रश्न अब औपचारिक चिंता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकट बन चुका है। इन्फ्लुएंसर संस्कृति ने युवाओं की सोच को पूरी तरह बदल दिया है। पहले सफलता का मतलब था परिश्रम, शिक्षा, नैतिकता और मेहनत। आज सफलता का पैमाना व्यूज, लाइक्स, फॉलोअर्स और ट्रेंडिंग है। युवा सोचते हैं कि एक वायरल रील या प्रैंक उन्हें रातोंरात स्टार बना देगा। परिणामस्वरूप, भद्दे प्रैंक्स, अश्लील कंटेंट, विवादास्पद बयान और झूठी खबरों की बाढ़ आ गई है। मनोरंजन के नाम पर जो कुछ प्रस्तुत किया जा रहा है, वह समाज के नैतिक ताने-बाने को कमजोर कर रहा है। 14-16 वर्ष के बच्चों में 76 प्रतिशत सोशल मीडिया का उपयोग मनोरंजन के लिए करते हैं, जबकि शिक्षा के लिए केवल 57 प्रतिशत (सरकारी सर्वे 2024)।

यह असंतुलन युवाओं को सस्ती लोकप्रियता की होड़ में धकेल रहा है। हिमाचल प्रदेश की यूट्यूबर इशिता पुंडीर का हालिया मामला इसका जीता-जागता उदाहरण है। अप्रैल 2026 में उन्होंने भारतीय सेना के जवानों की पत्नियों-गर्लफ्रेंड्स के प्रति निष्ठा पर अमर्यादित टिप्पणी की। 'आर्मी वाले अपनी बीवी या गर्लफ्रेंड के प्रति वफादार नहीं होते', जैसी बात कहकर उन्होंने लाखों फॉलोअर्स वाले अपने प्लेटफॉर्म पर वीडियो पोस्ट किया। इस पर भारी आक्रोश हुआ, एफआईआर दर्ज हुई और इशिता को माफी मांगनी पड़ी। यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि इन्फ्लुएंसर संस्कृति की बीमारी का प्रतीक है, जिसमें प्रसिद्धि के लिए किसी भी सीमा को लांघा जा सकता है। युवा देखते हैं कि विवाद खड़ा करके ट्रेंडिंग पर आना आसान है, तो नैतिकता की चिंता क्यों करें? इसी तरह, प्रैंक्स और रील्स की होड़ मनोरंजन की सीमा पार कर चुकी है। किसी को डराना, अपमानित करना, भावनाओं से खेलना- इसे हास्य नहीं माना जा सकता। बच्चे और किशोर जब ऐसे कंटेंट देखते हैं, तो इसे सामान्य व्यवहार समझने लगते हैं। इससे आक्रामकता बढ़ती है। हिमाचल के सरकाघाट (मंडी जिले) में 19 वर्षीय सिया गुलेरिया की दुखद हत्या इसका उदाहरण है। अप्रैल 2026 में एक युवक ने सिकल से उनका गला काट दिया। यह घटना केवल एक अपराध नहीं, बल्कि उस मानसिकता का प्रतिबिंब है जो सोशल मीडिया पर लगातार हिंसक, उग्र और असंवेदनशील कंटेंट से पनप रही है। हेट स्पीच, गाली-गलौज और साइबर बुलिंग अब रोजमर्रा की बात हो गई है। अध्ययनों से पता चलता है कि सोशल मीडिया पर तीन घंटे से ज्यादा समय बिताने वाले युवाओं में डिप्रेशन और एंग्जायटी का खतरा दोगुना हो जाता है। समाज में बढ़ती असहिष्णुता, आक्रामकता और भावनात्मक असंतुलन इसी का परिणाम है। बच्चों के संस्कार उनके वातावरण से बनते हैं। पहले घर में नैतिक शिक्षा, अनुशासन, बड़ों का सम्मान और संवाद होता था। आज हर घर में मोबाइल है, हर सदस्य अपनी स्क्रीन में खोया है। पारिवारिक संवाद लगभग समाप्त हो चुका है।

अभिभावकों की भूमिका अब और महत्वपूर्ण हो गई है। बच्चों को मोबाइल के हवाले कर देना घातक है। उन्हें समझाना जरूरी है कि क्या सही है और क्या गलत। माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए, उनकी बात सुननी चाहिए और डिजिटल लिटरेसी सिखानी चाहिए। स्क्रीन टाइम सीमित करना, ऑफलाइन गतिविधियां बढ़ाना और सकारात्मक आदर्श प्रस्तुत करना आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षा प्रणाली को भी इस चुनौती का सामना करना होगा। स्कूल केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का केंद्र हैं। पाठ्यक्रम में डिजिटल नैतिकता, साइबर सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को शामिल करना चाहिए। शिक्षकों का सम्मान लौटाना आवश्यक है, क्योंकि वे समाज के सच्चे मार्गदर्शक हैं। पुस्तकों की ओर बच्चों को प्रेरित करना भी जरूरी है, क्योंकि सच्चा ज्ञान स्क्रीन से नहीं, किताबों से मिलता है। अध्ययनों में पाया गया है कि सोशल मीडिया की वजह से छात्रों का ध्यान भटकता है, नींद कम होती है और अकादमिक प्रदर्शन गिरता है। हिमाचल प्रदेश जैसे शांत राज्य में भी नशे की समस्या बढ़ रही है। 2025 के पहले तीन महीनों में 597 एनडीपीएस मामले दर्ज हुए, 29 प्रतिशत की वृद्धि। जेलों में 40-45 प्रतिशत कैदी नशीले पदार्थों से संबंधित हैं। 'चिट्टा' (हेरोइन) जैसी सिंथेटिक ड्रग्स युवाओं को बर्बाद कर रही हैं। सोशल मीडिया पर नशे को आकर्षक लाइफस्टाइल दिखाया जाता है, जो युवाओं को प्रभावित करता है।

यह सामाजिक चेतना की कमी का प्रमाण है। दुनिया के कई देशों ने इस संकट को पहचाना और सख्त कदम उठाए। चीन ने इन्फ्लुएंसर्स पर कड़ा नियंत्रण लगाया, फाइनेंस, हेल्थ, लॉ जैसी संवेदनशील विषयों पर बोलने के लिए डिग्री या प्रमाणपत्र अनिवार्य कर दिया। अयोग्य कंटेंट पर खाते बंद किए गए। ऑस्ट्रेलिया ने दिसंबर 2025 से 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया- प्लेटफॉर्म्स पर भारी जुर्माना। ब्रिटेन भी इसी दिशा में कानून बना रहा है। यूएई में भ्रामक कंटेंट पर सख्त सजा है। ये उदाहरण साबित करते हैं कि इच्छाशक्ति हो तो सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोका जा सकता है। भारत में भी तत्काल कार्रवाई जरूरी है। अश्लीलता, हिंसा, नशा या घृणा फैलाने वाले इन्फ्लुएंसर्स के खातों को ब्लॉक करना चाहिए। आईटी एक्ट को और मजबूत बनाकर सख्त कानून लागू हों। समाज को मिलकर सकारात्मक कंटेंट प्रोत्साहित करना चाहिए।

जीवन दर्शन

सत्संग एक आवश्यकता है, विकल्प नहीं ...

सत्संग से उपजा विवेक मनुष्य के जीवन में स्पष्ट परिवर्तन लाता है क्योंकि तब मनुष्य प्रतिक्रिया नहीं, उत्तर देता है, दोषारोपण नहीं करता बल्कि आत्मपरीक्षण करता है, संग्रह करने के बजाय संतोष करना सीख लेता है और दूसरों को बदलने से पहले स्वयं को समझता है, अपनी गलतियां सुधारता है और एक बेहतर इनसान बनने की राह का पथिक बन जाता है। ऐसा व्यक्ति समाज में रहते हुए भी भीतर से स्वतंत्र होता है। सत्संग से उपजे विवेकपूर्ण जीवन की पहचान यही है। यही कारण है कि संत जनों का कहना है कि सत्संग एक आवश्यकता है, विकल्प नहीं है...

भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का एक अटल सत्य है कि मनुष्य का जीवन केवल कर्मों से नहीं, संगति से भी गढ़ा जाता है। भक्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसी दास जी का प्रसिद्ध कथन 'बिनु सत्संग विवेक न होई' केवल एक पंक्ति नहीं, बल्कि मनुष्य के आंतरिक विकास का शाश्वत सूत्र है। यह पंक्ति स्पष्ट करती है कि विवेक, अर्थात सही और गलत, नित्य और अनित्य, सार और असार का बोध, अपने आप उत्पन्न नहीं होता। इसके लिए जिस वातावरण, जिस संगति की आवश्यकता है, वही सत्संग है। सत्संग की

भूमि में ही विवेक का बीज फलता-फूलता है। इस सब को गहराई से समझने के लिए हमें यह भी समझना होगा कि सत्संग क्या है और विवेक क्या है। दोनों के वास्तविक अर्थ को समझ लें तो ही इस कथन की महत्ता को भी समझा जा सकता है। आज का युग तकनीक का युग है। आज हमें सत्संग कई नए और सुविधाजनक रूपों में उपलब्ध है। संत साहित्य का स्वाध्याय, सद्विचारों की संगति, जीवन जी रहे महापुरुषों का सान्निध्य आदि तो है ही, यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और जूम आदि सोशल मीडिया के प्लैटफॉर्म भी हमें सत्संग की सुविधा प्रदान करते हैं। यही नहीं, आत्ममंथन भी एक आंतरिक सत्संग का बड़ा स्रोत है। अक्सर सत्संग को किसी धार्मिक सभा, प्रवचन या कीर्तन तक सीमित मान लिया जाता है। जबकि सत्संग का अर्थ है- सत के साथ संगति। 'सत' अर्थात सत्य, चेतना, आत्मा, ईश्वर, और संग अर्थात निकटता।

इस दृष्टि से सत्संग तीन स्तरों पर होता है। इनमें से पहला है संत-संगति, यानी ऐसे व्यक्तियों का साथ जिनका जीवन मूल्य, संयम और करुणा से आलोकित हो। दूसरा है सत विचार संगति, यानी शास्त्र, उपनिषद, गीता, रामचरितमानस जैसे ग्रंथों का अध्ययन, मनन और उनके द्वारा दी गई शिक्षा पर चिंतन, और अंत में आती है आत्म-संगति, यानी अपने भीतर के सत्य से जुडऩा। जहां इन तीनों का समन्वय होता है, वहीं वास्तविक सत्संग घटित होता है। अब बात आती है कि विवेक है क्या? विवेक के मायने क्या हैं? सामान्य अर्थों में विवेक को बुद्धि या समझ से जोड़ दिया जाता है, परंतु आध्यात्मिक दृष्टि से विवेक केवल बौद्धिक क्षमता ही नहीं है। विवेक वह अंतःदृष्टि है जो मनुष्य को यह पहचानने में समर्थ बनाती है कि क्या सत्य है और क्या मात्र आकर्षण, क्या स्थायी है और क्या क्षणिक, क्या आत्मोन्नति का मार्ग है और क्या पतन का। शास्त्रों में विवेक को मोक्ष का प्रथम सोपान कहा गया है।

॥गीता ज्ञान॥

श्लोक

अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम् !
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् !!

भावार्थ

यह मेरा है और यह तेरा है, ऐसी सोच छोटे विचारो वाले लोगो की होती है. इसके विपरीत उदार रहने वाले व्यक्ति के लिए यह पूरी धरती एक परिवार की तरह होता है।

गांधीनगर की 35 हजार आबादी का सूख रहा गला, संकट से बेखबर प्रशासन

दो दिन में एक समय पानी की सप्लाई, गन्दे पानी से जनता त्रस्त

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर में विधायक रामेश्वर शर्मा की फटकार के बाद जहां डेढ़ साल पूर्व से प्रतिदिन पानी की सप्लाई होने लगी है, वहीं राजधानी के पश्चिमी क्षेत्र गांधीनगर की 35 हजार आबादी को आज भी मटमैले एवं बहुत ही कम मात्रा में पानी से काम चलाना पड़ रहा है। यहां पिछले 8 सालों से दो दिन में एक समय पानी का प्रदाय किया जारहा है। लेकिन कभी कभी तो तीन दिन में एक समय पानी ही नलों से आता है। इधर संत हिरदाराम समाधि स्थल के समीप जो लाइन गांधीनगर के लिए बिछाई गई है, आए दिन उसमें फाल्ट होने से न केवल हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है बल्कि पाइप लाइन में गन्दगी भी घुल रही है, जिससे अनेक लोग पेट की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।जानकारी के अनुसार गांधीनगर में जो पानी सप्लाई किया जाता है, उसकी पाइप लाइन संत हिरदाराम नगर के ओवर टेंक से जाती है। बूढ़ाखेड़ स्थित जल शोधन सयंत्र से पानी की पाइप लाइन संत हिरदाराम समाधि स्थल से होकर कैम्प नम्बर 12 के बाद गांधीनगर जाती है। यह पाइप लाइन अनेक बार संत हिरदाराम समाधि स्थल पर क्षतिग्रस्त होती रहती है, जिससे हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, साथ में गन्दगी भी पाइप लाइन में प्रवेश कर जाती है। गन्दा पानी आने के कारण गांधीनगर के अनेक लोग पेट की विभिन्न बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। रविवार की सुबह भी हरदेव अस्पताल के सामने गांधीनगर को जाने वाली पाइप लाइन फुट गई, जिससे हजारों लीटर पानी सड़क पर फैल रहा था। लोगों का कहना है कि माह में मुश्किल से 8 या 9 घंटे ही पानी का प्रदाय किया जा रहा है, जिस कारण आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संत हिरदाराम नगर में प्रतिदिन पानी और गांधीनगर में दो दिन में एक समय, लोग पूछ रहे हैं कि कहीं इसके पीछे राजनीतिक कारण तो नहीं हैं, पिछले नगर निगम चुनाव में कांग्रेस के लक्ष्मण सिंह राजपूत ने भाजपा प्रत्याशी को पराजित किया था।

पानी रोज क्यों नहीं

जब संत हिरदाराम नगर के बाशिंदों को रोज पानी का प्रदाय किया जा रहा है, तब बड़े तालाब से ही गांधीनगर को भी इसकी सप्लाई होती है, फिर वहां दो दिन में एक समय पानी का प्रदाय समझ से परे है। इधर गांधीनगर में नव युवक परिषद के नल भी बंद कर दिए गए हैं, जिस कारण आम जनता पूरी तरह से नगर निगम की सप्लाई पर निर्भर है और खासतौर पर गर्मियों में अप्रैल से लेकर जून अंत तक काफी परेशानी झेलनी पड़ती है।

गन्दे पानी की समस्या

गांधीनगर के अनेक नागरिकों ने बताया कि पानी इतना गन्दा आता है कि पहले लगभग 10 मिनट तक सारा पानी फेंकना पड़ता है, उसके बाद पतला सफेद कपड़ा लगाकर छान कर पानी भरना पड़ता है। जिन घरों में पानी साफ करने की मशीने लगी हैं, गन्दा पानी आने से वे बार बार खराब हो रही हैं। अनेक बार इसकी शिकायत स्थानीय अधिकारियों से की गई हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं निकल पा रहा है।

"पानी बहुत ही गन्दा आ रहा है। दो दिन में एक समय केवल 40 मिनिट पानी का प्रदाय जरूरत से बहुत ही कम है, ऐसे में लोगों काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।
- **खूबचंद भागचंदानी**, अध्यक्ष, झूलेलाल मार्केट

"गांधीनगर में पानी की समस्या गंभीर है, अनेक बार लिखित में कमिश्नर, महापौर एवं संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं निकाला जा रहा है।
- **लक्ष्मण सिंह राजपूत**, कांग्रेसी पार्षद गांधीनगर

समाज को स्वस्थ रखने वाले को ईश्वर निरोगी रखता है: सिद्ध भाऊ

देशभर से 82 साधकों ने जानी प्राकृतिक चिकित्सा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। समाज को स्वास्थ्य रखने वाले को प्रभु परमात्मा हमेशा निरोगी रखता है, जब हम खुद की परवाह नहीं कर दूसरों को सुख पहुंचाते हैं, तब ईश्वर हमारे पास कभी दुखों को भटकने नहीं देता।
यह कहना है संत सिद्ध भाऊ का। वे संत प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग संस्थान आरोग्य केन्द्र में देश के विभिन्न नगरों से प्राकृतिक चिकित्सा का ज्ञान लेने आए साधकों के बीच बोल रहे थे।

आरोग्य केन्द्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. गुलाब टेवानी की विशेष उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश से 37, कर्नाटक से 3, उत्तरप्रदेश 5, राजस्थान 4, पंजाब 2, बिहार 6 ,गुजरात 2, उत्तराखण्ड 2, दिल्ली एक, महाराष्ट्र 12, हिमाचल प्रदेश 6, तमिलनाडु 3, हरियाणा से एक कुल 82 साधकगणों ने भाग लिया।

इनका हुआ इलाज

देशभर से आए इन साधकों को डायबिटीज, हायपोथाय रायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियोआर्थराइटि्स, हाइपरटेंषन, मोटापा, पॉजीटिव प्रमोशन इन हेल्थ, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका, फ्रोजन शोल्डर का लाभ दिया गया। इसके अलावा प्रातः जागरण एवं नित्यकर्म, नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, प्रातः कालीन व सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, प्राकृतिक चिकित्सा, प्राकृतिक आहार, ध्यानात्मक क्रियाएँ एवं आनंद मेला भी आयोजित किया गया। आंरभ में डा. गुलाब टेवानी ने आरोग्य केन्द्र के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डा. लता टेवानी ने आभार व्यक्त किया।

पहला सुख निरोगी काया

इस अवसर पर सत सिद्ध भाऊ ने कहा कि मनुष्य जन्म दुर्लभ है। लोगो का भाग्य उदय हुआ है जो यहां आते हैं यहां पर आपको जीवन जीने का सही रास्ता मिला है। दुर्बल मनुष्य जीवन का लाभ हमे तब मिलेगा जब हम स्वस्थ होगें स्वस्थ आदमी सब कर सकता है। और इसी तरह हमेशा के लिए स्वस्थ रहे, उत्साह बना रहे, और आनंद में रहे। षिविर में महिला साधक प्राकृतिक चिकित्सा के साथ-साथ प्राकृतिक व सुपाच्य आहार बनाने की विधि सीखती है जिससे उनके साथ-साथ उनका पुरा परिवार भी इस आहार को अपनाकर एक अच्छा स्वास्थय जीवन पा सकता है। स्वास्थय के लिए यहां पर भोजन, प्राणायाम क्रियांए और योग ये सब यंहा से सीख के जाना है। दूसरो का भला सोचने से हमारा भला खुद को खुद होता है।

सिंधी समाज के नेताओं को सत्ता और संगठन में मिले उचित भागीदारी

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने प्रदेश अध्यक्ष व सीएम को लिखा पत्र

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) की अग्रणी सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रदेश सिंधी समाज को सत्ता व संगठन में उचित भागीदारी दिए जाने की मांग की है। पंचायत के अध्यक्ष एवं कपड़ा एसोसियेशन के पूर्व अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी व अन्य पदाधिकारियों द्वारा भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को प्रेषित पत्र में कहा है कि सिंधी समाज आजादी के बाद से ही आरएसएस, जनसंघ, जनता पार्टी एंव भाजपा के साथ रहा है, इसके पीछे कारण यह है कि आजादी के दौरान उस दौर के जिन कांग्रेसी नेताओं ने सिंधी समाज के साथ वादे किए थे, उन्हें आजादी के बाद निभया नहीं गया, जिससे नाराज होकर ही सिंधी समाज ने सबसे पहले आरएसएस के बाद जनसंघ व भाजपा का हाथ थामा। अगर बात की जाए सिंधी बाहुल्य इलाके संत हिरदाराम नगर जिसका पूर्व में बैरागढ़ नाम था, तो यहां 1967 में अर्जुनदास मूरजानी ने जनसंघ की टिकट पर जो जीत का सिलसिला प्रारंभ किया, तो 2023 तक सिंधी समाज ने कभी मुड़कर कांग्रेस की तरफ नहीं देखा, और इस बार तो रामेश्वर शर्मा ने सिंधी समाज के वोटों के दम पर ही अपनी जीत 97 हजार से अधिक मतों से दर्ज करवाई। चन्द्रप्रकाश इसरानी ने मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेतृत्व को लिखे पत्र में कहा है कि सिंधी समाज जितना पार्टी के प्रति समर्पित रहा है, उस अनुपात में उसे सत्ता या संगठन में प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। हालांकि दो जिलों के प्रभारी सिंधी भाषी नेताओं के अलावा इंदौर से सांसद, भोपाल दक्षिण पश्चिम एवं जबलपुर से विधायक भाजपा के हैं, लेकिन यह प्रतिनिधित्व पर्याप्त नहीं है। समाज को प्रदेश में कम से कम 10 सीटों जो सिंधी बाहुल्य इलाके हैं वहां से सिंधी भाषी को विधायक का उम्मदवार बनाया जाना चाहिए इसी तरह कम से कम 4 सीटें पर सांसद भी सिंधी समाज का उम्मीदवार हो।

निगम मण्डल में स्थान

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने कहा है कि निगम मण्डलों में सिंधी भाजपा नेताओं का प्रतिनिधित्व शून्य है, इसलिए जरूरत है कि आगामी दिनों में निगम मण्डलों में जो खाली पद हैं, कम से कम भोपाल सहित प्रदेश के विभिन्न नगरों के एक दर्जन सिंधी भाषी नेताओं को उसमें स्थान दिया जाए।

आतिफ खान का एसएआई भोपाल में चयन

मंडीदीप। औद्योगिक नगर मंडीदीप से एक गर्व भरी खबर सामने आई है। सीमित संसाधनों में पले-बढ़े युवा हॉकी खिलाड़ी आतिफ खान ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई) भोपाल की प्रतिष्ठित हॉकी अकादमी में जगह बनाई है। यह उपलब्धि न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे नगर के लिए गर्व का क्षण बन गई है। आतिफ एक साधारण परिवार से आते हैं। उनके पिता आरिफ खान परिवहन कार्य से परिवार का भरण-पोषण करते हैं। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद आतिफ ने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया।

देर रात तक चलता रहा यादव समाज का विवाह सम्मेलन

ओबेदुल्लागंज। नंदवंशी गवली यादव समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ जिसमें 28 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे इस दौरान भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र पटवा ने सभी नवयुगल वर बधू को अपनी ओर से शुभकामनाएं भेजी सामाजिक कार्यकर्ता जीतू नंदवंशी के द्वारा वर वधु को आकर्षक उपहार देकर शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। सामुहिक विवाह सम्मेलन की सारी रस्में बैदिक रीति रिवाजों के साथ पूर्ण हुई इस अवसर पर सामूहिक विवाह सम्मेलन के अध्यक्ष रामकिशोर नन्दवंशी, जगन्नाथ यादव, जगदीश चंद्र गवली, हरीश यादव, कन्हैया नन्दवंशी, लाल नंदवंशी, रामाधार यादव, अवतार नंदवंशी, प्रेम नारायण नन्दवश,ी देवी प्रसाद नंदवंशी, गुड्डू मनोज यादव, हरिनारायण बाबूलाल पटेल, बिनेका अनिल उवेस शिवराज सहित समस्त नन्दवशी गवली यादव समाज के लोग उपस्थित रहे और वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया गया।

28 जोड़ों ने लिये फेरे

डिवाइडर से टकराकर पलटी एम्बुलेन्स

जागरण ओबेदुल्लागंज। मरीजो को लेकर जा रही 108 एम्बुलेंस हादसे का हुई शिकार हो गई एम्बुलेंस नर्मदापुरम से मरीजों को लेकर भोपाल जा रही थी एम्बुलेंस में गर्भवती महिला सहित चार मरीज सवार थे प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्वदापुरम से भोपाल जा रही एम्वुलेन्स मुख्य बाजार में डिवाइडर से जा टकराई जिससे एम्वुलेन्स में सवार मरीजो के घायल होने की खबर है आपको बता दें कि बाजार में दुकानों के सामने दुकानदारों का अतिक्रमण है जिसके सामने रोड पर खड़ी गाड़ियां के कारण लगातार जाम लगने के कारण हादसे होते है नगर परिषद प्रसासन मुख्य बाजार से अतिक्रमण हटाने में अब तक नाकाम रहा है बाजार क्षेत्र में एम्बुलेंस डिवाइडर से टकराकर पलटी हादसे में एम्बुलेंस में सवार मरीज घायल हुए है जिन्हें ओबेदुल्लागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को भोपाल रेफर कर दिया गया है।

जाहिर सूचना

भूमि स्थित ग्राम गुनगा, तहसील बैरसिया जिला भोपालखसरा क्रमांक 575/1/3 के संबंध में।

मेरे पक्षकार ने शौकत बी पत्नी श्री अज़ीज़ मोहम्मद निवासी-352, ग्राम गुनगा, तहसील बैरसिया जिला भोपाल, मध्यप्रदेश से उनके मालिकी, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि स्थित ग्राम गुनगा, पटवारी हल्का नम्बर 99, तहसील बैरयिसा जिला भोपाल जिसका खसरा क्रमांक 575/1/3 (एस) रकबा 0.809 हेक्टेयर अर्थात 2.00 एकड़भूमि, जिसकी चतुर्थ सीमायें इस प्रकार है-पूरब में-खसरा क्रमांक 573/2/3 एवं 375/2/4, पश्चिम में-खसरा क्रमांक 575/1/2/2/1, उत्तर में-खसरा क्रमांक 575/1/2/2/1, दक्षिण में-खसरा क्रमांक 591/1, को क्रय करने का अनुबंध करते हुए बयाना राशि अदा की गई है व उक्त सम्पत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, सोसायटी, या किसी अन्य को कोई आपत्ति हो या सम्पत्ति पर किसी प्रकार का दावा, झगड़ा, मांग, मतालबा या कोई अन्य विलेख निष्पादित किया गया हो, तो विज्ञप्ति दिनांक से 07 दिवस के अन्दर मेरे समक्ष सप्रमाण लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के बाद किसी आपत्ति पर विचार न किया जाकर मेरा पक्षकार अग्रिम कार्यवाही हेतु स्वतंत्र रहेगा, कृपया सूचित हो।

भवदीय-मोहम्मद अनस अहमद सिद्दीकी (अधिवक्ता)
कार्यालय-फ्लेट नम्बर 2,प्रथमतल,दीपनिशा इनक्लेव,डी-110, फिरदौस नगर, बैरसिया रोड, भोपाल, मो.-9981802782

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई डी. र. 8102000011 आवेदन क्रमांक-10697, आवेदन दिनांक-21/01/2026
क्रमांक 1074/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल दिनांक : 15/04/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की 10 नंबर स्टाप योजना स्थित MIG प्रकोष्ठ 11 श्रीमती इंदिरा श्रीवास्तव, श्रीमती करुणा श्रीवास्तव, श्रीमती अरुणा श्रीवास्तव, श्रीमती रेखा श्रीवास्तव श्री प्रमोद श्रीवास्तव, सुबोध श्रीवास्तव, श्रीमती रेखारानी श्रीवास्तव, श्री प्रतीक श्रीवास्तव एवं श्री प्रतिम श्रीवास्तव के संयुक्त नाम पर आवंटित है। संयुक्त आवंटी में से श्रीमती इंदिरा श्रीवास्तव का स्वर्गवास दिनांक : 20/08/2024 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिसों में पति श्री सरन दयाल श्रीवास्तव, पुत्र श्री मोहित श्रीवास्तव, पुत्रियां अनामिका श्रीवास्तव, अमृता श्रीवास्तव द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं समस्त वारिसों की सहमति/शपथ पत्र तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त MIG प्रकोष्ठ 11 का सभी वारिसों के श्रीमती करुणा श्रीवास्तव, श्रीमती अरुणा श्रीवास्तव, श्रीमती रेखा श्रीवास्तव, श्री प्रमोद श्रीवास्तव सुबोध श्रीवास्तव, श्रीमती रेखारानी श्रीवास्तव, श्री प्रतीक श्रीवास्तव, श्री प्रतिम श्रीवास्तव, श्री सरन दयाल श्रीवास्तव, पुत्र श्री मोहित श्रीवास्तव, पुत्रियां अनामिका श्रीवास्तव, अमृता श्रीवास्तव संयुक्त नाम पर नामांतरण चाहा गया है।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/ दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

M.P. Madhya Kshetra Vidyut Vitaran Company Limited
Office of The Dy. General Manager (O&M) Division, Power House Campus
Station Road, Guna-473001, E-mail : dgmguna@gmail.com
DGM/O&M/GNA/Pur/2026/02 Guna, Dated : 21.04.2026

NOTICE INVITING E-TENDER

M.P.M.K.V.V.CO.Ltd. Hereby invited E-Tendering offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following locations.

Name of unit/Office	Particulars	Tender Fee (In Rs.)	Date of Online Sale of Bid Documents	Date of Opening of Bids Online
Aron Sub Division under Guna (O&M) Circle.	Enquiry for hiring of Type G3, 407, Mini Truck (3-5 metric ton), Truck, Ambulance etc. (Model -2026)	500/- + GST@ 18% = 590/-	21.04.2026 17:00 Hrs. up to 28.04.2026 12:30 Hrs.	29.04.2026 at 15:00 Hrs.

Other details, terms and conditions are available on company website : **https://portal.mpcz.in** & **https://mptenders.gov.in** or the under signed office.
M.P. Madhyam/125421/2026 **DGM (O&M)**

M.P. ROAD DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
(Govt. of M.P. Undertaking)
45-A, Arera Hills, Bhopal- 462011, Madhya Pradesh
MPRDC Phone : 0755-2527290/2765205 (EPBX), Fax : 0755-2572643, Website : www.mprdc.gov.in
NIT No. 706/MPRDC/Procu/2026

निविदा आमंत्रण

मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड भोपाल निम्न कार्यों के लिये ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित करता है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपये करोड़ में)	धरोहर राशि (रुपये लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी.एस.टी. सहित) (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित)
1.	मध्य प्रदेश राज्य में हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) पर 4 लेन मय पेव्हड शोल्डर के सागर-दमोह मार्ग (एसएच-63) का उन्नयन और पुनर्निर्माण कार्य (कुल डिजाइन लंबाई- 73.300 किमी)।	830.91	831	59,000/-	24 माह
2.	मटकुली-पचमढ़ी रोड पर Km. 10 से Km. 24 (SH-41A) के बीच सिंगल रोलर क्रैश बैरियर लगाना और रोड सेफ्टी कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	8.24	8.24	23,600/-	06 माह
3.	सरदारपुर-राजगढ़-बाग मार्ग (SH-65), मनावर-मांगोद मार्ग (SH-38), राजपुर-पलसूद-नेवाली मार्ग (SH-39) पर सिंगल रोलर क्रैश बैरियर लगाना और रोड सेफ्टी कार्य।	7.84	7.84	23,600/-	06 माह
4.	सिवनी-कटंगी-बोनकट्टा मार्ग, बुरहार-अमरकंटक घाट, रीवा-शहडोल, तिलवाड़ा-चरगवां-गोटेगांव (गंगाओ नहर) पर सिंगल रोलर क्रैश बैरियर लगाना और रोड सेफ्टी कार्य।	6.76	6.76	23,600/-	06 माह
5.	बड़वानी-पलसूद-सेंधवा मार्ग पर नवीनीकरण और रखरखाव कार्य।	5.42	5.42	23,600/-	06 माह
6.	मध्य प्रदेश राज्य में रीवा शहडोल मार्ग (SH-57) के छुहिया घाटी सेक्शन (मौजूदा km. 18+550 से 32+800) पर टनल के कंस्ट्रक्शन के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के लिए कंसल्टेंसी सर्विसेज़ कार्य।	5.00	5.00	23,600/-	09 माह
7.	रीवा संभाग (ग्रुप-I) के तहत RAMS के अलावा खराब और बहुत खराब पुलों की मरम्मत और रिहैबिलिटेशन कार्य।	3.57	3.57	17,700/-	06 माह
8.	भोपाल, धार और सागर संभाग (ग्रुप-J) के अंतर्गत RAMS के अलावा, खराब और बहुत खराब पुलों की मरम्मत और रिहैबिलिटेशन कार्य।	1.15	1.15	14,750/-	06 माह
9.	जबलपुर संभाग (ग्रुप-K) के अंतर्गत RAMS के अलावा, खराब पुलों के पुनर्निर्माण का कार्य।	1.81	1.81	14,750/-	06 माह
10.	धार संभाग में ब्लैक स्पॉट क्र. 168 का दीर्घकालिक सुधार कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	1.69	1.69	14,750/-	06 माह

निविदा क्रय करने, निविदा जमा करने आदि का विवरण की-डेट्स में दिया गया है। निविदा प्रपत्र केवल वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर **दिनांक 14.05.2026, 15:30 बजे (सरल क्र. 2 एवं 10 हेतु) एवं दिनांक 25.05.2026, 15:30 बजे तक (सरल क्र. 1 एवं 3 से 9 हेतु)** तक क्रय किया जा सकता है। निविदाकारों को तकनीकी निविदा एवं वित्तीय दर केवल ऑन-लाइन ही जमा करनी है। परिशिष्ट एवं शुद्धिपत्र (कोई भी) वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर ही प्रकाशित किया जावेगा। निविदा खोलने के दिनांक को मध्य प्रदेश शासन द्वारा अवकाश घोषित करने पर उक्त कार्य अगले कार्यदिवस में संपादित किया जावेगा।
म.प्र. सड़क विकास निगम लिमिटेड को किसी भी निविदा को स्वीकृत या अस्वीकृत करने या समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये अस्वीकृत करने का अधिकार होगा।
म.प्र. माध्यम/125414/2026 **प्रबंध संचालक**

SUDOKU 13

8			7		9		6	
	4			5		1	7	
6		9			2		8	
	2		3		7	9		
	6			2				8
4		5					2	
	8	4						
2		6	1		3			5
					4	6		7

SOLUTIONS 12

1	6	9	8	4	7	3	5	2
3	2	8	9	6	5	4	1	7
5	7	4	2	3	1	8	9	6
8	3	1	5	2	6	9	7	4
9	5	6	7	1	4	2	3	8
7	4	2	3	9	8	1	6	5
2	1	5	6	8	3	7	4	9
4	9	7	1	5	2	6	8	3
6	8	3	4	7	9	5	2	1

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत है। सुख-सुविधाओं से जुड़ी चीजों में पैसे खर्च हो सकते हैं। इससे आज का बजट गड़बड़ा सकता है। व्यापारियों को मनचाहा लाभ होगा।

वृषभ : दिन सुख-सुविधा से जुड़ी किसी चीज में पैसे खर्च हो सकते हैं। वृषभ राशि वालों के लिए समय उतार-चढ़ाव भरा साबित हो सकता है।

मिथुन : दिन की शुरुआत में आपको मेहनत का पूरा फल मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। आज दिन के अंत में पैसों के लेन-देन से बचें।

कर्क : दिन की शुरुआत में कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान छात्रों का मन पढ़ाई से हट सकता है। परिवार के सदस्यों के बीच मतभेद हो सकते हैं।

सिंह : कुछ लोगों को कार्यस्थल पर प्रमोशन मिल सकता है। हालांकि दिन के मध्य में गुप्त शत्रुओं से बचकर रहने की जरूरत है। इस दौरान आपको कुछ बड़े खर्चों का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या : दिन आपको सेल्फ लव पर फोकस करना चाहिए। आपको किसी काम में सफल होने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है।

तुला : दिन गुस्से और वाणी पर काबू रखें। हालांकि, दिन खत्म होते-होते आपको मनचाहा लाभ मिल सकता है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले जातकों को अच्छी खबर मिल सकती है।

वृश्चिक : शारीरिक व मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। वृश्चिक राशि वालों की किस्मत चमक सकती है। आज के दिन कुछ लोगों को मनचाही सफलता हासिल होगी। रुके कार्य पूरे होंगे।

धनु : दिन आपके लिए मिले-जुले परिणाम लेकर आया है। दिन की शुरुआत में कुछ चुनौतियों आएंगी, जिनका सामना करना पड़ सकता है।

मकर : प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले जातकों के लिए शाम का टाइम शुभ साबित हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

कुंभ : किसी विशेष व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। विवाहित जातकों की लव लाइफ अच्छी रहेगी। किसी भी काम में लापरवाही करने से बचना चाहिए।

मीन : दिन कुछ बड़े खर्चे लेकर आ सकता है। इससे आपका आर्थिक बजट हिल सकता है। आपको समय और धन दोनों को सोच-समझकर मैनेज करना चाहिए।

आज का पंचांग: 22 अप्रैल बुधवार 2026। दिशाशूल : उत्तर विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु, वैशाख मास शुक्ल पक्ष की षष्ठी 22 घंटे 50 मिनट तक तत्पश्चात सप्तमी, आद्रा नक्षत्र 22 घंटे 13 मिनट तक तत्पश्चात पुनर्वसु नक्षत्र, अतिगंड योग 09 घंटे 09 मिनट तक तत्पश्चात सुकर्मा योग, मिथुन में चंद्रमा।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

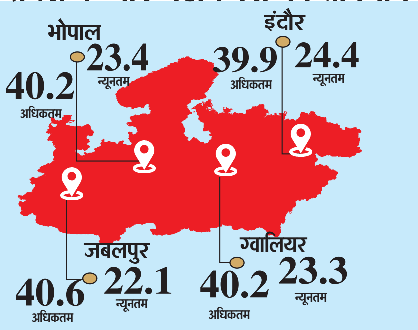

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	38.8	20.5
मुंबई	34.9	25.2
चेन्नई	40.4	25.0
कोलकाता	35.6	26.0

सूर्यास्त 6:44 PM
सूर्योदय 5:55 AM
चन्द्रोदय 8:54 AM
चन्द्रास्त 11:16 PM

कटनी में शादी वाले घर पहुंच पुलिस ने बारातियों को पीटा, दो एसआई लाइन अटैच

दूल्हे के चाचा सहित कई लोगों के हाथ फ्रैक्चर, वर-वधु को थाने ले गई पुलिस

जागरण, कटनी। शहर में कुठला थाना पुलिस की दबंगाई देखने को मिली है। दरअसल वह शादी वाले घर में न सिर्फ घुसी, बल्कि उसने बारातियों और घरवालों पर लाठियां भी बरसाईं। पुलिस की पिटाई से दुल्हन के भाई आकाश चौधरी और दूल्हे के चाचा सहित कई लोगों के हाथ फ्रैक्चर हो गए, जबकि कुछ लोगों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। मामले में कुल 14 लोग घायल हुए, इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इतना ही नहीं पुलिस रात ढाई बजे दूल्हा, दुल्हन और उसके भाई को थाने ले गई। उसने काफी मिन्नतों के बाद सुबह चार बजे छोड़ा, जिसके बाद शादी हो पाई।

परिजन के अनुसार मामला सोमवार रात को इंदिरा नगर इलाके का है। मंगलवार को पीड़ित पक्ष ने एसपी दफ्तर में जनसुनवाई के दौरान शिकायत दर्ज कराई है। जिस पर एएसपी अभिनव विश्वकर्मा ने एसआई सिद्धार्थ राय और एसआई सौरभ सोनी को लाइन अटैच किया है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें पुलिसवाले बारातियों पर लाठियां बरसाते दिख रहे हैं। इस दौरान कुछ लोगों ने पुलिस पर कुर्सियां भी फेंकी। दूसरे वीडियो में पुलिसकर्मी दूल्हा-दुल्हन समेत कुछ लोगों को गाढ़ी में बैठाती नजर आ रही है। इसी दौरान किसी ने लोटा फेंका, जो एक कॉन्स्टेबल के सिर में लगा।

दूल्हे की गाड़ी खराब होने से लेट हो गई थी बारात

मैहर जिले के अमदरा गांव निवासी सीताराम बर्मन के परिवार की बारात कटनी के इंदिरा नगर आ रही थी। जिस गाड़ी में दूल्हा बैठा था, वह रास्ते में खराब हो गई। इसके चलते बारात दो घंटे देरी से लगी। रात 1.30 बजे जब बारात, दुल्हन के घर से 50 मीटर दूर थी, तभी कुठला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आरोप है कि पुलिस ने बिना किसी बातचीत के बारातियों को धक्का देना शुरू कर दिया। बारातियों द्वारा विरोध करने पर विवाद बढ़ गया। इसके बाद पुलिस मौके से चली गई। कुछ देर बाद वही पुलिसकर्मी अतिरिक्त फोर्स लेकर दुल्हन के घर पहुंचे और लाठीचार्ज कर दिया। पीड़ित पक्ष ने बताया कि पुलिस ने घर के अंदर घुसकर भी मारपीट की। इस दौरान बीच-बचाव करने आई महिलाओं और बच्चों को लाठी-डंडे मारे। इससे दुल्हन के भाई आकाश चौधरी और दूल्हे के चाचा सहित कई लोगों के हाथ फ्रैक्चर हो गए हैं। कुछ लोगों के सिर में गंभीर चोटें भी आई हैं।

मारपीट में ये हुए घायल

पुलिस की मारपीट में संजय चौधरी, मनोज कुमार चौधरी, आकाश चौधरी, रमेश चौधरी, सुमन बाई, राजकुमार चौधरी, अजय चौधरी, भगवती चौधरी, नीरज चौधरी, विकास चौधरी, सुदामा चौधरी, शुभम चौधरी, सीताराम वर्मा और श्रोती वर्मा घायल हुई है।

बारातियों ने शराब पीकर किया पथराव : पुलिस

सीएसपी नेहा पच्चीसिया का कहना है कि बारात लेट होने को लेकर दोनों पक्षों का आपस में झगड़ा हो गया था। जिसके बाद डायल 112 को कॉल करके बुलाया गया। मौके पर मौजूद कई लोग नशे में थे। पुलिस उन्हें समझा रही थी, उसी दौरान बारातियों की तरफ से पुलिसकर्मियों पर पथराव किया गया। घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिन्होंने दोषियों को ढूंढकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस जब वहां पहुंची, तो शादी वाले घर में मौजूद लोगों ने पत्थरबाजी और गाली-गलौज करते हुए पुलिस के साथ मारपीट कर दी। 4-5 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। फिलहाल, मामले की जांच की जा रही है।

60 फीट ऊंची टंकी पर चढ़ी महिला, आत्मदाह की धमकी

जागरण, ग्वालियर। शहर में मंगलवार दोपहर को कलेक्टर की जनसुनवाई में आई एक महिला का हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। महिला के हंगामे के कारण कलेक्ट्रेट परिसर के पीछे अफरा-तफरी मच गई। दरअसल दोपहर 3.30 बजे एक महिला पांच मंजिला (करीब 60 फीट) ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गई और हाथ में पेट्रोल की बोतल लेकर आत्मदाह की धमकी देने लगी। इस दौरान महिला 20 लाख रुपए आर्थिक मदद मांग रही थी। महिला ने चेतावनी दी कि यदि उसकी मांग पूरी नहीं की गई तो वह अपनी जान दे देगी।

कलेक्ट्रेट परिसर में मची अफरा-तफरी, मांगी 20 लाख की आर्थिक सहायता

जनसुनवाई में आई महिला भूरी खान का कहना है कि उसके पति और दो बच्चों की मौत हो चुकी है, जिसके चलते वह आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट चुकी है। उसने जिला प्रशासन से 20 लाख रुपए की आर्थिक मदद की मांग की है। जानकारी के मुताबिक महिला मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में सहायता की मांग लेकर पहुंची थी। जब उसे तुरंत मदद नहीं मिली, तो उसने यह कदम उठा लिया और पेट्रोल की बोतल लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गई। शहर में भीषण गर्मी पड़ रही है और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार है। ऐसे में टंकी पर खड़ी महिला की हालत को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

मौके पर जमा हो गई भारी भीड़ : महिला को टंकी पर चढ़ा देख मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और महिला को समझाने-बुझाने का प्रयास शुरू किया। इस कारण स्थिति तनावपूर्ण बन गई और अधिकारी महिला को सुरक्षित नीचे उतारने की कोशिश में जुटे रहे।

बस में लगी आग, सवारियों ने खिड़कियों से कूदकर बचाई जान

जागरण, शाजापुर। शादी की खुशियों से भरी एक बारात उस वक्त दहशत में बदल गई, जब आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलती बस अचानक आग का गोला बन गई। शाजापुर जिले के ग्राम सनकोटा के पास मंगलवार दोपहर हुई इस घटना ने कुछ ही मिनटों में अफरा-तफरी मचा दी। बताया जा रहा है कि बारातियों से भरी बस इंदौर से गुना जिले के शाढ़ौरा स्थित अमोदा गांव जा रही थी। बस में करीब 60 बाराती सवार थे। अचानक लगी आग ने बस को अपनी चपेट में ले लिया, लेकिन राहत की बात यह रही कि आग भड़कने से पहले ही यात्रियों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। बारातियों का आरोप है कि बस चालक ने आग लगने की सूचना समय पर नहीं दी। हालात बिगड़ते देख लोग खिड़कियों से कूदकर बाहर निकले। घटना के बाद चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। आग इतनी भीषण थी कि बस में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया। बारातियों के मुताबिक दुल्हन के चढ़ावे का सामान समेत करीब एक से डेढ़ लाख रुपये नकद भी आग की भेंट चढ़ गए. मौके पर पहुंची दो दमकल की गाड़ियां आग बुझाने में जुटी रही। घटना के चलते हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ और आसपास लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

अब सिलीगुड़ी की छात्रा ने लिया संन्यास, बनी साध्वी

जागरण, उज्जैन। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हर्षा रिछारिया के संन्यास लेने के बाद एक और युवती ने सांसारिक जीवन त्याग दिया है। दरअसल मंगलवार को सिलीगुड़ी की 22 वर्षीय छात्रा भारती चैतन्य ने विधि-विधान के साथ संन्यास ग्रहण किया। उज्जैन के मंगलनाथ मार्ग स्थित गंगाघाट पर मोनी तीर्थ पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर सुमनाजी महाराज ने उन्हें दीक्षा दी। संन्यास की पूरी प्रक्रिया करीब दो घंटे तक चली, जिसमें पारंपरिक पूजन विधि के साथ माता-पिता का पिंडदान और स्वयं का भी पिंडदान शामिल था। दीक्षा के बाद उनका नया नाम साध्वी रीत प्रज्ञानंद गिरी रखा गया। मोनी आश्रम में तीन दिनों के भीतर यह दूसरा अवसर है जब किसी युवती ने संन्यास लिया है।

शास्त्र अध्ययन और सनातन धर्म के प्रति समर्पणः भारती चैतन्य ने बताया कि उन्हें बचपन से ही सनातन धर्म के प्रति विशेष आकर्षण रहा है और लंबे समय से सांसारिक जीवन में उनकी रुचि नहीं थी। उन्होंने ग्रेजुएशन के बाद संस्कृत और शास्त्रों का अध्ययन शुरू किया और दिल्ली, काशी व हरिद्वार में रहकर शिक्षा प्राप्त की। वर्तमान में भी उनकी पढ़ाई जारी है, जिसे वे आगे काशी में पूरा करेंगी। उन्होंने कहा कि उनका जीवन अब विश्व कल्याण और सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार को समर्पित रहेगा। भारती पहले 2014 से 2019 तक उज्जैन के मोनी आश्रम में रहकर शिक्षा ले चुकी हैं।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भट्टी के गुर्गे किए गिरफ्तार

जागरण, ग्वालियर। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने प्रदेश के ग्वालियर के रहने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ये युवक पाकिस्तान के इशारों पर काम करने वाले गैंगस्टर और आईएसआई से संबंधित शहजाद भट्टी के निर्देश पर काम करते थे। एनसीआर में ग्रेनेड से हमला और टारगेट किलिंग की तैयारी थी। फिलहाल दोनों युवकों को 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज गया है। पुलिस टीम ने एनसीआर क्षेत्र में फायरिंग, ग्रेनेड हमले और टारगेट किलिंग करने की साजिश रचने वाले भट्टी गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, राजवीर 21 वर्ष ग्वालियर जिले के डबरा क्षेत्र का रहने वाला है। वहीं विवेक बंजारा 19 वर्ष ग्वालियर का ही रहने वाला है। राजवीर को 18 अप्रैल को दिल्ली के सराय काले खां इलाके से गिरफ्तार किया गया था, जबकि विवेक बंजारा को 16 अप्रैल को ग्वालियर के डबरा से दबोचने में कामयाबी मिली थी।

'राना भाई' नामक व्यक्ति ने किया था भर्ती : मामले में 31 मार्च को मुकदमा दर्ज किया गया था। पूछताछ में पता चला कि दोनों आरोपियों को सोशल मीडिया के जरिए 'राना भाई' नाम के व्यक्ति ने भर्ती किया था। मार्च में भट्टी ने राजवीर को हथियार लाने के लिए अहमदाबाद भेजा था। इसके बाद 9 अप्रैल को दोनों अमृतसर गए और वहां से एक पिस्तौल, 15-20 कारतूस तथा 20 हजार लेकर आए थे।

अनूपपुर में सब इंस्पेक्टर को पीटा, रिवाल्वर भी छीनी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती, 12 टांके लगे

जागरण, अनूपपुर। जिले के करनपठार थाना अंतर्गत सरई चौकी में पदस्थ सब इंस्पेक्टर मंगला दुबे पर प्राण घातक हमला हुआ है, जिससे उन्हें करीब 12 टांके लगे हैं। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेनिवारी में भर्ती किया गया है। इस दौरान आरोपियों ने सरई प्रभारी की सर्विस रिवाल्वर भी लूट ली है। घटना मंगलवार दोपहर 2 बजे की है।

दरअसल यह मामला जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर का है। जानकारी अनुसार मंगला दुबे पुलिस वाहन जीप से बेनीबारी की तरफ स्टाफ के अन्य कर्मचारियों के साथ बकरी चोर गिरोह को पकड़ने के लिए गए थे। तुलरा रोड पर जो कि थाने से लगभग 5 किलोमीटर दूर है यहां पर तीन अज्ञात हमलावर द्वारा उनके सिर पर प्राण घातक प्रहार किया गया है, जिससे गंभीर चोट आई है। जानकारी के अनुसार मंगला दुबे को सूचना मिली थी कि तरंग गांव के पास बकरी चोर मौजूद हैं जिन्हें वह पकड़ने के लिए गए थे, तब आरोपियों ने पत्थर से उन पर हमला कर दिया, जिससे चोटें आई हैं। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों की धर पकड़ के लिए कोशशें शुरू कर दी है।

15 लाख की एमडी और डोडाचूरा के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

जागरण, नीमच। जिले में नशे के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान के तहत नीमच सिटी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है, जहां करीब 15 लाख रुपए की एमडी ड्रग्स और 6 किलो अवैध डोडाचूरा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी पुष्पा सिंह चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नीमच-मनासा रोड स्थित करंट वाले बालाजी मंदिर के पास सघन चेकिंग के दौरान काले रंग की पल्सर बाइक सवार तीन युवकों को घेराबंदी कर दबोचा, जो पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे थे। तलाशी में आरोपियों के पास से 150 ग्राम एमडी ड्रग्स, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 15 लाख रुपए आंकी गई है तथा 20 हजार रुपए मूल्य का डोडाचूरा और तस्करी में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई।

खाना खाने को कहा तो शादी वाले घर पर किया हमला दूल्हे के मामा को मार डाला, जीजा ने भी दम तोड़ा

जागरण, नर्मदापुरम। जिले के शिवपुर थाना क्षेत्र में रविवार रात शादी समारोह में हुई चाकूबाजी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए हैं। रात 1 बजे आरोपियों को पकडने़ पहुंची पुलिस टीम पर भी हमला किया गया, जिसमें एक आरक्षक को 9 जगह चाकू लगे जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने हत्या और हत्या के प्रयास के दो केस दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की हैं। पुलिस के मुताबिक, रविवार रात रामनारायण के भतीजे की शादी चल रही थी, तभी गांव का अमर सिंह कीर शराब के नशे में वहां पहुंच गया। रामनारायण ने उससे कहा, आ जाओ खाना खा लो। इस पर अमर भडक गया। बोला- च्मैं क्या खाने का भूखा हूंच। भीड़ च्यादा होने पर लोगों ने उसे समझाकर घर भेज दिया। कुछ देर बाद अमर डंडा और उसका बेटा लोकेश कीर चाकू लेकर पहुंच गया, और झगड़ा करने लगा।

खरगोन में जमीन सौदे में धोखाधड़ी के शिकार किसान ने की आत्महत्या

जागरण, खरगोन। जिले के एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां रेहगांव में किसान सालकराम यादव ने अपने खेत में जहर पीकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना की खास बात यह है कि किसान ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो बनाकर जमीन सौदे में धोखाधड़ी और धमकाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। जिस कारण उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार मृतक किसान सालकराम ने अपने वीडियो में राजू गुप्ता, वीरेंद्र गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता तथा बिलखेड़ निवासी श्याम सहित अन्य लोगों पर जमीन खरीद-फरोख्त में ठगी करने का आरोप लगाया है। किसान ने वीडियो में कहा कि जमीन के सौदे में उसके साथ धोखाधड़ी की गई, जिससे उसे भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

मानसिक प्रताड़ना के चलते उठाया कदम

किसान ने वीडियो में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब उसने इस मामले में विरोध किया, तो आरोपियों द्वारा उसे लगातार धमकाया गया और मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया गया। इसी मानसिक दबाव और तनाव के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना के बाद मृतक किसान के परिजनों में भारी आक्रोश है और उन्होंने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बिजनेस प्लस

योग और आयुर्वेद से मधुमेह नियंत्रण पर लगी विज्ञान की भी मुहर, समग्र उपचार की ओर बढ़ते वैश्विक कदम

हरिद्वार। डायबिटीज के इलाज को लेकर पतंजलि के वैज्ञानिकों की ओर से किए गए शोध ने एक क्रांति को जन्म दिया है, जो वैश्विक स्तर पर लंबे समय से टाइप-1 डायबिटीज के मुख्य उपचार इंसुलिन थेरेपी को लेकर नजरिया बदलने को मजबूर कर देगा।

अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्थान फ्रंटियर्स इन क्लिनिकल डायबिटीज एंड हेल्थकेयर शोध ने यह प्रमाणित किया है कि केवल इंसुलिन से नहीं बल्कि समग्र इलाज से ही मधुमेह को मात दी जा सकती है। जिसके लिए योग, प्राणायाम, ध्यान, संतुलित आहार, जीवनशैली में सुधार तथा पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाना होगा। इसी अप्रैल माह में शोध को प्रकाशित किया गया है। शोध में यह भी साबित किया है कि योग-प्रणायाम आदि को अपनाने से मरीजों के शुगर नियंत्रण, तनाव स्तर और जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार देखा गया।

क्या है टीवनडीएम, शोध में चौंकाने वाले ये तथ्य

टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस (टीवनडीएम) जिसे पहले जुवेनाइल डायबिटीज कहा जाता था, एक दीर्घकालिक जीवनशैली संबंधी रोग है। इसमें अग्न्याशय (पैंक्रियाज़) की इंसुलिन बनाने वाली व-कोशिकाओं का नाश हो जाता है, जिससे शरीर में इंसुलिन की पूर्ण कमी हो जाती है और रक्त शर्करा (ब्लड ग्लूकोज) का स्तर अनियंत्रित हो जाता है। कुछ मामलों में अग्न्याशय से संबंधित ऑटोएंटीबॉडी कम मात्रा में पाए जाते हैं, इसलिए इसे इडियोपैथिक (Tvb) डायबिटीज भी कहा जाता है। विश्व में हर पाँच में से एक बच्चा, जिसे टीवनडीएम होता है, भारतीय मूल का होता है। यह रोग आमतौर पर बचपन या किशोरावस्था में शुरू होता है, लेकिन वयस्कों में भी हो सकता है, जहाँ इसके लक्षण धीरे-धीरे और हल्के होते हैं। हर साल लगभग 65,000 बच्चों में इसका निदान होता है और इसकी दर हर साल लगभग 3% बढ़ रही है।

उपभोक्ता संस्कृति को नए ढंग से परिभाषित कर रही है जेन अल्फा

मुंबई। रुकम कैपिटल की रिपोर्ट जेन अल्फा डिकोडेड द कंज्यूमर-ब्रांड डायनामिक के अनुसार जेन अल्फा भारत की अत्यधिक डिजिटल रूप से जुड़ी पीढ़ी है, जिसमें 73 प्रतिशत बच्चों के पास स्मार्टफोन और 60 प्रतिशत लैपटॉप उपयोग करते हैं। यह पीढ़ी घरेलू खरीद निर्णयों में लगभग 80 प्रतिशत तक प्रभाव डालती है और 66 प्रतिशत रोजमर्रा के फैसलों को प्रभावित करती है। वे ब्रांड जागरूक, स्वायत्त और माइक्रो-ट्रेंड्स, साथियों व डिजिटल कंटेंट से प्रभावित हैं। यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म उनके व्यवहार को आकार देते हैं। जेन अल्फा अपनी पहचान, पसंद और सामाजिक मान्यता को महत्व देते हुए उपभोक्ता संस्कृति को नए ढंग से परिभाषित कर रही है।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जू-जित्सु प्रतियोगिता शुरू

भोपाल। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के तत्वावधान में एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, भोपाल द्वारा आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जू-जित्सु (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2025-26 का शुभारंभ एलएनसीटी यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में डॉ. अनुपम चौकसे, कुलाधिपति सचिव, जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी एवं सचिव, एलएनसीटी ग्रुप, आर.के. शर्मा स्पोर्ट्स ऑफिसर, टीआईटी तथा पंकज जैन स्पोर्ट्स डायरेक्टर एलएनसीटी ग्रुप द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में देशभर की 55 विश्वविद्यालयों से 500 से अधिक खिलाड़ी एवं ऑफिशियल्स भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुष वर्ग में नेवाजा तथा महिला वर्ग में फाइटिंग सिस्टम के विभिन्न मुकाबले आयोजित किए गए। महिला वर्ग फाइटिंग सिस्टम -45 किलोग्राम वेट कैटेगरी में कुमाऊं यूनिवर्सिटी की शिवानी ने स्वामी विवेकानंद यूनिवर्सिटी की हर्षिता को हराकर स्वर्ण पदक जीता। इससे पूर्व पहले सेमीफाइनल मुकाबले में शिवानी ने स्कोप ग्लोबल यूनिवर्सिटी की एकता को तथा दूसरे सेमीफाइनल में हर्षिता ने गुवाहाटी यूनिवर्सिटी की डोलेमोन को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। महिला वर्ग फाइटिंग सिस्टम -48 किलोग्राम वेट कैटेगरी में कुमाऊं यूनिवर्सिटी की लाहौरी ने जेआरएन यूनिवर्सिटी की काजल को हराकर स्वर्ण पदक जीता। पहले सेमीफाइनल में लाहौरी ने मां शाकंभरी यूनिवर्सिटी की दीक्षा को तथा दूसरे सेमीफाइनल में काजल ने एसआरएम यूनिवर्सिटी की ईशा को हराकर फाइनल में स्थान बनाया।

सागर पब्लिक स्कूल के 31 छात्र आईआईटी जेईई एडवांस्ड परीक्षा में शामिल होंगे

भोपाल। सागर पब्लिक स्कूल, साकेत नगर, गांधी नगर एवं रोहित नगर ने एक बार फिर आईआईटी जेईई के परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। हाल ही में घोषित आईआईटी जेईई के नतीजों और दोनों चरणों के परिणामों के बाद 31 सागराइट्स ने आईआईटी जेईई एडवांस्ड परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया है। सागर पब्लिक स्कूल, गांधी नगर के तनिष्का सिंघल ने 99.925 परसेंटाइल के साथ, द्धक्र 1284 प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। युवल आकाश वर्मा ने 99.89 परसेंटाइल के साथ एआईआर 1727 हासिल की। वहीं एस. शारधी ने 99.802 परसेंटाइल, आर्यमन सिंह सिसौदिया ने 99.79 परसेंटाइल और विनायक गुप्ता ने 99.78 परसेंटाइल प्राप्त कर स्कूल के शीर्ष पांच स्थानों में अपनी जगह बनाई। एस. शारधी ने गर्ल्स वर्ग में शहर में सर्वोच्च स्थान भी प्राप्त किया। यह उल्लेखनीय सफलता मुख्यतः स्कूल के इंटीग्रेटेड प्रोग्राम का परिणाम है। स्कूल के इंटीग्रेटेड प्रोग्राम के अंतर्गत कक्षा 12वीं की पढ़ाई के साथ-साथ रोज़ाना प्रतियोगी परीक्षाओं की संपूर्ण तैयारी कराई जाती है। इन कक्षाओं का संचालन प्रतिदिन अनुभवी शिक्षकों द्वारा परीक्षा-उन्मुख पद्धति से किया जाता है, जिसमें शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात को संतुलित रखा जाता है।

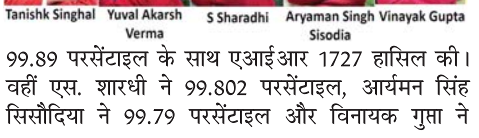

Tanishk Singhal | Yuval Akarsh Verma | S Sharadhi | Aryaman Singh Sisodia | Vinayak Gupta

दावा : खजुराहो की हर मूर्ति के पीछे गहरा वैज्ञानिक और आध्यात्मिक रहस्य!

जागरण, खजुराहो। छतरपुर जिले में खजुराहो को अक्सर लोग केवल उसकी कामुक मूर्तियों के लिए जानते हैं। खजुराहो के मंदिर सिर्फ पत्थर की इमारतें नहीं, बल्कि भारतीय स्थापत्य कला का वो शिखर हैं, जिसे दुनिया आज भी हैरत से देखती है, लेकिन इतिहासकार और रिसर्चर अनुराग शुक्ला का शोध अलग ही कहानी बयां करता है। उनके अनुसार, यहां की हर मूर्ति के पीछे गहरा वैज्ञानिक और आध्यात्मिक रहस्य छिपा है। दरअसल इन मंदिरों का निर्माण 9वीं से 11वीं शताब्दी के बीच चंदेल वंश के राजाओं ने कराया था। रिसर्चर अनुराग शुक्ला बताते हैं कि खजुराहो के वैभव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि किसी समय यहां इस तरह के 85 मंदिर हुआ करते थे, जिनमें से वक्त की मार झेलते हुए अब केवल 25 ही सुरक्षित बचे हैं। मंदिरों का निर्माण 9वीं सदी में राजा यशोवर्मन के काल में शुरू हुआ। धंगदेव के समय अपने वैभव के साथ चरम पर था। कि अनुराग शुक्ला कहते हैं कि लक्ष्मण और विश्वनाथ मंदिर के शिलालेखों से पता चलता है कि चंदेल राजाओं का साम्राज्य कितना विस्तृत था। इन अभिलेखों में जिक्र है कि उन्होंने कश्मीर, मिथिला (बिहार), मालवा, कौशल, श्रीलंका और आंध्र प्रदेश तक राज किया था। यह प्रमाण है कि खजुराहो उस समय का एक बहुत बड़ा राजनीतिक और सांस्कृतिक केंद्र था, लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय इतिहास की मुख्यधारा की किताबों में इन शक्तिशाली राजाओं को वह जगह नहीं मिली जिसके वे हकदार थे।

प्रतिमाएं सनातन धर्म का मूल आधार : खजुराहो की मूर्तियों को लेकर दुनिया भर में अलग-अलग धारणाएं हैं। रिसर्चर अनुराग शुक्ला इसके पीछे आगम तंत्र का तर्क देते हैं। सनातन धर्म के चार पुरुषार्थों- धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में काम को महत्वपूर्ण आधार माना गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, जिस तरह एक घर स्त्रियों के श्रृंगार के बिना अधूरा है, उसी तरह मंदिर भी तब तक पूर्ण नहीं माना जाता जब तक उसमें जीवन के सभी रसों (श्रृंगार और काम) को स्थापित न किया जाए।

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN COMPANY LIMITED
(A Govt. of M.P. Undertaking)
Office of The Dy. General Manager (O&M) North Division, Harda
Phone No. : 07577-222222, E-Mail : hdampeb@gmail.com
No.:/DGM/PUR/VEH./141 Harda, Dated : 17.04.2026

OFFER FOR HIRING VEHICLE

MPMKVVCL hereby invited offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following locations.

Name of Unit/ Office	Particulars	EMD (In Rs.)	Due Date of Submission of Offer	Opening Date & Time
Office of the-Sub Division Timarni under Harda South, Division	01 number vehicle Type F2 :- Mini Pickup Double Cabin with ladder/ any low end SUV half open from backside for carriage of man, materials, ladder, etc or Equivalent. (As per Vehicle Policy)	3000/-	27.04.2026 Up to 12.00 P.M.	27.04.2026 at 04.00 P.M.

Other details, terms and conditions are available on Company website https://portal.mpcz.in or the under signed office.
M.P. Madhyam/125422/2026 DGM (O&M)

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

753

79,273

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Nestle	1,396.00	7.27%
HUL	2,335.70	3.55%
Trent	4,444.50	3.48%
ICICI Bank	1,393.10	2.37%
Bajaj Finance	945.95	2.05%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
SBI Life Insura	1,891.70	-3.58%
Bharat Elec	449.45	-1.32%
Jio Financial	234.10	-1.01%
Dr Reddys Labs	1,218.40	-0.97%
Titan Company	4,465.00	-0.74%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	93,9400
€ यूरो	109.94
¥ येन	0.5872
£ पौंड	126.23

भारत की अर्थव्यवस्था के 6.4% की दर से बढ़ने का अनुमानः संयुक्त राष्ट्र

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की अर्थव्यवस्था के इस वर्ष 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग एशिया व प्रशांत (ईएससीएपी) ने सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाएं 2025 में 5.4 प्रतिशत की दर से बढ़ीं जबकि 2024 में वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत थी। इसमें भारत की मजबूत वृद्धि का प्रमुख योगदान रहा। 'इकोनॉमिक एंड सोशल सर्वे ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक 2026' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की वृद्धि दर 2025 में बढ़कर 7.4 प्रतिशत हो गई। इस मजबूत खपत, विशेष रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था से मांग, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती और अमेरिका के शुल्क लागू होने से पहले निर्यात में तेजी ने समर्थन दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में 2025 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ीं क्योंकि अगस्त 2025 में 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद अमेरिका को निर्यात में 25 प्रतिशत की गिरावट आई। सेवा क्षेत्र प्रमुख वृद्धि चालक बना रहा। इसमें अनुमान लगाया गया है कि भारत 2026 में 6.4 प्रतिशत और अगले वर्ष 6.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि करेगा। देश में मुद्रास्फीति के इस वर्ष 4.4 प्रतिशत और 2027 में 4.3 प्रतिशत रहने के आसार हैं।

लगातार बढ़ रहा है रेमिटेंस-रिपोर्ट में कहा गया कि अपने देश से बाहर कार्यरत एशिया और प्रशांत के श्रमिकों द्वारा भेजा जाने वाला व्यक्तिगत धन प्रेषण (रेमिटेंस) लगातार बढ़ रहा है जिससे घरेलू रोजगार की कमजोर परिस्थितियों के प्रभाव को कम करने में मदद मिली। इसमें अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) के अनुमान का भी उल्लेख किया गया जिसके अनुसार वैश्विक स्तर पर लगभग 1.66 करोड़ हरित नौकरियां थीं और 2012 से 2024 के बीच प्रतिवर्ष लगभग आठ लाख नई नौकरियां सृजित हुईं जो सात प्रतिशत वार्षिक वृद्धि को दर्शाती हैं। इन 1.66 करोड़ नौकरियों में से 73 लाख चीन में, 13 लाख भारत में और 25 लाख एशिया के अन्य हिस्सों में सृजित हुईं जो वैश्विक कुल का क्रमशः 44 प्रतिशत, 8 प्रतिशत और 15 प्रतिशत हैं।

एआई जेनेरेटेड इमेज

भारत सर्वाधिक निवेश आकर्षण का केंद्र

रिपोर्ट में कहा गया कि व्यापार तनाव एवं भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच विकासशील एशियाई एवं प्रशांत अर्थव्यवस्थाओं में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह घटा है। 2024 में 0.6 प्रतिशत वृद्धि के बाद 2025 में इस क्षेत्र में एफडीआई दो प्रतिशत घटा जबकि वैश्विक प्रवाह में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसमें कहा गया एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पहले तीन तिमाहियों में जिन देशों ने नए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को सबसे अधिक आकर्षित किया। वे भारत, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया गणराज्य और कजाखस्तान हैं। जहां क्रमशः 50 अरब डॉलर, 30 अरब डॉलर, 25 अरब डॉलर और 21 अरब डॉलर के निवेश की घोषणाएं हुईं।

पीएलआई से बढ़ेगा औद्योगिक विकास

रिपोर्ट में साथ ही कहा गया, 'सरकारें ऊर्जा बदलाव का उपयोग पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ अर्थव्यवस्था की दिशा में नए घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने और सहायक समूहों का निर्माण करने के लिए कर सकती हैं। इसमें भारत की उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का उल्लेख करते हुए कहा गया कि यह दर्शाता है कि किस प्रकार व्यापक आर्थिक नीतियां एवं फोटोवोल्टिक, बैटरी व हरित हाइड्रोजन के घरेलू विनिर्माण के लिए प्रोत्साहन देकर हरित औद्योगिक विकास को बढ़ावा दे सकती हैं। साथ ही आयात निर्भरता को कम करते हुए नए औद्योगिक हितधारकों का निर्माण कर सकती हैं जिनकी इस परिवर्तन को बनाए रखने में हिस्सेदारी हो।

अब डाइट कोक की किल्लत कई शहरों में खत्म हुआ स्टाक

नई दिल्ली, जेएनएन। मिडिल ईस्ट तनाव का असर सिर्फ तेल या एलपीजी गैस पर ही नहीं पड़ा है बल्कि कई इंडस्ट्री भी बुरे दौर से गुजर रही हैं। सॉफ्ट ड्रिंक इंडस्ट्री भी इन्हीं में एक है। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि कोका कोला कंपनी का सॉफ्ट ड्रिंक प्रोडक्ट डाइट कोक की देश के कई शहरों में दिक्कत शुरू हो गई है। काफी दुकानों पर इसका स्टॉक खत्म हो गया है। यूजर इसे नया एलपीजी संकट बता रहे हैं। काफी यूजर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया है कि उनके शहर में डाइट कोक नहीं मिल रही है। बेंगलुरु, मुंबई, पुणे और अहमदाबाद जैसे महानगरों में सुपरमार्केट की शेल्फ खाली पड़ी हैं। सोशल मीडिया पर लोग इस किल्लत की तुलना एलपीजी सिलेंडर की कमी से कर रहे हैं। काफी यूजर जहां डाइट कोक का स्टॉक खत्म होने की बात कर रहे हैं तो वहीं काफी का कहना है कि उनके शहर में यह अभी भी मौजूद है। दिल्ली-एनसीआर में यह मौजूद है। वहीं क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे ब्लिंकिट, स्वैगी इंस्टामार्ट और जिपटो पर काफी जगह इसका स्टॉक आउट ऑफ स्टॉक दिख रहा है तो वहीं काफी जगह यह स्टॉक में है।

आखिर क्यों गायब हुई डाइट कोक?

डाइट कोक की अचानक आई इस कमी के पीछे दो मुख्य कारण बताए जा रहे हैं- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मिडिल ईस्ट तनाव के कारण वैश्विक और घरेलू स्तर पर एल्युमीनियम केन की भारी किल्लत चल रही है। इससे पैकेजिंग प्रभावित हुई है। भारतीय मानक ब्यूरो के नए नियमों के कारण पैकेजिंग में बदलाव करने की जरूरत पड़ी है। इस अपडेट की वजह से डिस्ट्रिब्यूशन अस्थाई रूप से रुक गया है। शहरी इलाकों में लोगों का रुझान तेजी से जीरो शुगर ड्रिंक्स की तरफ बढ़ा है, जिससे मौजूदा स्टॉक मांग के मुकाबले कम पड़ गया है।

सोशल मीडिया पर छिड़ी चर्चा

डाइट कोक की कमी को लेकर यूजर्स एक्स पर पोस्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, सिलेंडर के आकार वाली सभी चीजों की कमी हो गई है। डाइट कोक अब नया एलपीजी बन गया है। वहीं एक अन्य यूजर ने मजाक में लिखा, पहले जीपीयू की कमी हुई, फिर रैम की, और अब डाइट कोक... इंजीनियर के लिए जिंदगी मुश्किल होती जा रही है।

टिम कुक की जगह टर्नस संभालेंगे एपल की कमान

कैलिफोर्निया, जेएनएन। टिम कुक की जगह अब जॉन टर्नस एपल के नए सीईओ होंगे। वे 1 सितंबर 2026 से कंपनी की कमान संभालेंगे। कुक अब कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे। बोर्ड ने सर्वसम्मति से इस योजना को मंजूरी दे दी है। जॉन टर्नस ने साल 2001 में इस टेक कंपनी को जॉइन किया था। वे तब प्रोडक्ट डिजाइन टीम का हिस्सा थे। वे कंपनी के फाउंडर स्टीव जॉब्स के साथ भी काम कर चुके हैं। एपल से पहले उन्होंने वर्चुअल रिसर्च सिस्टम्स में एक मैकेनिकल इंजीनियर के तौर पर काम किया था। टर्नस 2013 में हार्डवेयर इंजीनियरिंग के वाइस प्रेसिडेंट बने और फिर 2021 में उन्हें सीनियर वाइस प्रेसिडेंट बना दिया गया। इन सालों के दौरान टर्नस ने आईपैड, एयरपॉड्स, आईफोन, एपल वॉच और हाल ही में लॉन्च हुए मैकबुक नियो जैसे ब? डिवाइसेज पर काम किया।

12 माह में निफ्टी जा सकता 30 हजार के पार

नई दिल्ली, जेएनएन। वैश्विक तनाव के बावजूद अगले 12 महीने में निफ्टी 30 हजार अंक को पार भी कर सकता है। इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के को-हेड अमनीश अग्रवाल का कहना है कि भारतीय इकोनॉमी में भी थोड़ी सुस्त रहेगी, लेकिन दूसरे देशों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन करेगी। शेयर बाजार के परिदृश्य में अग्रवाल का मानना है कि निफ्टी-50 फिलहाल अपने 15 साल के औसत प्राइस-टू-अर्निंग अनुपात की तुलना में लगभग 12 फीसदी डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहा है। फिलहाल में यह इंडेक्स लगभग 17 गुना वन ईयर फॉरवर्ड अर्निंग्स पर है, जबकि इसका लॉन्ग टर्म एवरेज 19.4 गुना रहा है। अमनीश अग्रवाल के मुताबिक भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने वैश्विक व्यापक आर्थिक माहौल को अनिश्चित बना दिया है।उन्होंने अगले एक साल के लिए कुछ शेयरों का चयन किया है, जिसमें भारी बढ़त की संभावना है जिनमें भारती एयरटेल, फोर्टिस हेल्थकेयर, कोटक महिंद्रा बैंक, सीईएससी लिमिटेड, आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं।

जापान ने 50 साल बाद किया रक्षा नीति में बड़ा बदलाव, घातक हथियारों के निर्यात से हटाया बैन

टोक्यो, जेएनएन। जापान ने मंगलवार को खतरनाक जानलेवा हथियारों के निर्यात पर लगा बैन हटा दिया है। यह उसके युद्ध के बाद की शांतिवादी नीति में एक बड़ा बदलाव है। जापान अब चीन और उत्तर कोरिया की आक्रामकता को देखते हुए अपने हथियार उद्योग को मजबूत करने में जुट गया है। प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के मंत्रिमंडल की ओर से नई गाइडलाइन को मंजूरी मिलने से कई हथियारों की बिक्री में आने वाली आखिरी रुकावटें भी दूर हो गई हैं, जिनमें अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान और कॉम्बैट ड्रोन शामिल हैं। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने पत्रकारों से कहा, नई नीति जापान की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी और इस क्षेत्र समेत अंतरराष्ट्रीय समुदाय में शांति और स्थिरता को और बढ़ावा देगी, क्योंकि हमारे देश के आसपास का सुरक्षा माहौल तेजी से बदल रहा है। उन्होंने कहा, सरकार रक्षा उपकरणों के हस्तांतरण को रणनीतिक रूप से बढ़ावा देगी, ताकि एक ऐसा सुरक्षा माहौल बनाया जा सके जो जापान के लिए अनुकूल हो और एक ऐसा औद्योगिक आधार तैयार किया जा सके जो युद्धक क्षमता को सहारा दे सके।

जापान ने लगा रखी थी रोक-जापान ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बने अपने शांतिवादी संविधान के तहत लंबे समय तक अधिकांश हथियारों के निर्यात पर रोक लगा रखी थी। उसने हाल ही में बढ़ते वैश्विक और क्षेत्रीय तनावों के कारण कुछ बदलाव किए थे, लेकिन निर्यात केवल 5 क्षेत्रों तक सीमित था। बचाव, परिवहन, चेतावनी, निगरानी और बारूदी सुरंगों को हटाना। नई गाइडलाइन इन सीमाओं को खत्म करती है और लड़ाकू विमान, मिसाइल और विध्वंसक जैसे उपकरणों के निर्यात की अनुमति देती है। यह बड़ा बदलाव है और निर्यात केवल 17 देशों तक सीमित रहेगा।

चीन ने की आलोचना

चीन ने जापान के इस नीतिगत बदलाव की आलोचना की लेकिन ऑस्ट्रेलिया जैसे जापान के रक्षा सहयोगियों ने इसका बड़े पैमाने पर स्वागत किया है। दक्षिण-पूर्व एशिया समेत यूरोप ने भी इसमें दिलचस्पी दिखाई है। विरोधियों का कहना है कि यह बदलाव जापान के शांतिवादी संविधान का उल्लंघन करता है और इससे वैश्विक तनाव बढ़ेगा।

600 मिलियन बैरल तेल नुकसान एशिया, यूरोप और अमेरिका भी परेशान

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर की डेडलाइन तेजी से करीब आ रही है। लेकिन दोनों पक्षों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर सीजफायर की डेडलाइन पूरी होने से पहले एग्रीमेंट नहीं हुआ तो ईरान पर बमों की बारिश होगी। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इससे होर्मुज स्ट्रेट से तेल की सप्लाई ठप हो गई। इसे दुनिया में तेल का सबसे बड़ा संकट माना जा रहा है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 600 मिलियन बैरल कच्चे तेल की सप्लाई बाधित हुई है। इसकी कीमत करीब 50 अरब डॉलर है और यह इंटरनेशनल शिपिंग इंडस्ट्री की चार महीने की खपत के बराबर है। इस संकट का असर पूरी दुनिया में देखने को मिल रहा है। यूरोप में जेट फ्यूल की कीमत में 100 फीसदी तेजी आई है। यूरोप के पास केवल छह हफ्ते का स्टॉक रह गया है। इससे कई फ्लाइट्स के कैंसिल होने की आशंका है। साथ ही तेल बचाने के लिए वर्क फ्रॉम होम की भी सलाह दी जा रही है।

सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक जिला - अशोकनगर (म. प्र.)

Email ID-csurgeonashmp@nic.in

क्र./ई-निविदा/2026 4545 — अशोकनगर, दिनांक 17/4/26

ई-निविदा आमंत्रण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2026-27 से तीन वर्ष हेतु जिला चिकित्सालय अशोकनगर में जलपान गृह की व्यवस्था किये जाने हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी विभागीय बेबसाईट https://mptenders.gov.in पर से निर्धारित राशि रुपये 1000/- ऑनलाईन जमा कर डाउनलोड की जा सकती है। निविदा संबंधी तिथियों का विवरण निम्नानुसार है :-

No.	Particular	Dated
01	Date of Publication	23-4-2026 TO 05.30 PM
02	EMD Online	50,000/-
02	Online Purchase of Tender Start Date	24-4-2026 TO 10.30 AM
03	Online Purchase of Tender End Date	20-5-2026 TO 05.30PM
04	Online Bid Submission Start Date	24-4-2026 TO 10.30 AM
05	Online Bid Submission End Date	20-5-2026 TO 05.30 PM
06	Tender Document Fee (Non refundable)	1000/-
07	Mandatory Submission Open Date	25-5-2026 TO 03.00 PM
09	Financial Bid Open Date	Financial bid opening date decided by tender committee after Evaluation of technical bid. Its notice not published In any news paper or other then only upload in E-Tendering website https://mptenders.gov.in

नोट :-

01. निविदा से संबंधित समस्त नियम एवं शर्ते https://mptenders.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।
02. निविदा में कोई भी संशोधन होता है तो अलग से समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित नहीं किया जावेगा, विभाग की टेण्डर वेबसाईड पर अपलोड कर दिया जावेगा।

जी-11884/26

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जिला-अशोकनगर (म.प्र.)

बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

ईरान में शांति की उम्मीद में 753 अंक उछला बाजार, सैल का शेयर हाई पर

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स में 800 अंक से ज्यादा उछला जबकि एनएसी का निफ्टी 50 इंडेक्स 24,600 अंक के करीब पहुंचा। सेंसेक्स 753.03 अंक के साथ 79,273.33 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 211.75 अंक तेजी के साथ 24,576.60 अंक पर पहुंच गया। सेल का शेयर कारोबार के दौरान 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर और ट्रेंट में करीब चार फीसदी तेजी रही। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, आईटीसी और इटरनल के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी ओर बीईएल, टाइटन, रिलायंस, पावरग्रिड, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा और सन फार्मा में गिरावट रही। इस बीच सरकारी स्टील कंपनी सेल का शेयर आज कारोबार के दौरान 15 साल के हाई पर पहुंच गया। इस महीने इसमें 17 फीसदी तेजी आई।

अमेरिका ने टैरिफ की वापसी प्रक्रिया शुरू की

नयी दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका ने 20 अप्रैल से लिए गए जवाबी शुल्क की वापसी की प्रक्रिया शुरू कर दी है और भारतीय निर्यातकों को इसके लिए अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क करना चाहिए। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने यह बात कही। जीटीआरआई ने कहा कि यह संपर्क महत्वपूर्ण होगा क्योंकि शुल्क वापसी की राशि केवल अमेरिकी आयातकों को जाती है और निर्यातकों को इस पर कोई कानूनी अधिकार नहीं होता।

चीन इंटिग्रेटेड सर्किट का जमकर कर रहा आयात

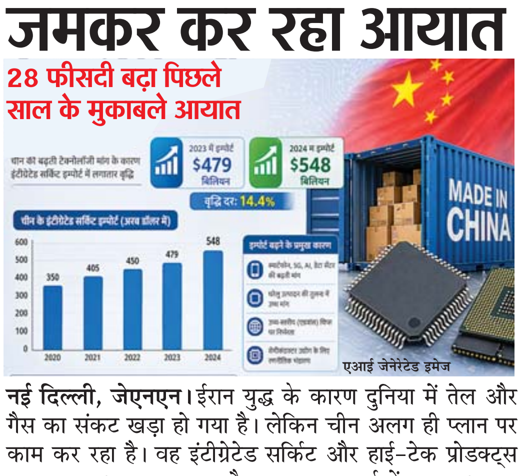

एआई जेनेरेटेड इमेज

नई दिल्ली, जेएनएन। ईरान युद्ध के कारण दुनिया में तेल और गैस का संकट खड़ा हो गया है। लेकिन चीन अलग ही प्लान पर काम कर रहा है। वह इंटीग्रेटेड सर्किट और हाई-टेक प्रोडक्ट्स का जमकर आयात कर रहा है। इस कारण मार्च में उसका आयात पिछले साल के मुकाबले 28 फीसदी बढ़ गया जबकि निर्यात में केवल 3 फीसदी तेजी देखने को मिला। इस कारण देश का ट्रेड सरप्लस मार्च में एक साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। फरवरी में चीन का एक्सपोर्ट 40 फीसदी उछला था लेकिन मार्च में इसमें पिछले साल के मुकाबले केवल 3 फीसदी तेजी आई। यह अक्तूबर 2025 के बाद एक्सपोर्ट में सबसे कम ग्रोथ है। इस दौरान देश का आयात पिछले साल के मुकाबले 28 फीसदी उछल गया जो 2021 के अंतिम महीनों के बाद सबसे ज्यादा है। देश के आयात में सबसे ज्यादा उछाल इंटीग्रेटेड सर्किट में आई।

चीन के अमेरिकी एक्सपोर्ट में आई गिरावट-इस बीच अमेरिका को चीन से एक्सपोर्ट में मार्च में पिछले साल के मुकाबले करीब 26 फीसदी गिरावट आई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल कई देशों पर टैरिफ लगाया था। चीन भी उन देशों में शामिल था जिन पर भारी टैरिफ लगाया गया था। इस कारण अमेरिका को चीनी एक्सपोर्ट में काफी गिरावट आई थी। हालांकि फरवरी में इसमें थोड़ी रिकवरी देखने को मिली थी। चिप टेक्नोलॉजी को लेकर भी चीन और अमेरिका में ठनी हुई है।

नेस्ले इंडिया को 1,110 करोड़ का मुनाफा हुआ

नई दिल्ली, जेएनएन। चॉकलेट, कॉफी, मैगी जैसी चीजें बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया का 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 27.18 प्रतिशत बढ़कर 1,110.9 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 873.46 करोड़ रुपये था। नेस्ले इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च तिमाही में उत्पादों की बिक्री से नेस्ले इंडिया का राजस्व 6,723.75 करोड़ रुपये रहा जो सालाना आधार पर 23.42 प्रतिशत अधिक है।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(ई-निविदा सूचना संख्या वरि.-भण्डार आपूर्ति हेतु वरि. मं. सा. प्रबं./ई.पी.एस./03/2026)

वरि. मं. सा. प्रबं – प.म.रे. भारत के राष्ट्रपति कि ओर से 'ई' खरीद प्रणाली के जरिये निम्नलिखित विज्ञापन निविदायें आमंत्रित करते है। इसमें हस्तलिखित डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे / पूर्ण विवरण विनिर्देशन के लिए https://ireps.gov.in पर ई निविदा की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। **Sr.No.:** 1,**Tender No.:** 94256188A, **Short Description:** HHT-Hand Held Terminal, **Tendered Qty:** 772, **Opening date**: 15-MAY-2026.

(हस्ता.)

वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पूर्व मध्य रेल

डीडीयू डिविजन में 3 (तीन) वर्ष के लिए 9 ओएचई/पीएसआई डिपों और 1 केन्द्रीय स्टोर के लिए मैनिंग और हाउसकीपिंग का कार्य

खुली ई-निविदा जेम सं.-GEM/2026/B/7453958. नीचे दिये कार्य के लिए प्रमाणित अनुभवी वैद्युतिक लाईसेंस रखने वाले और वैध दस्तावेज द्वारा समर्थित सुदृढ़ वित्तीय क्षमता रखने वाले ख्यातिलब्ध ठेकेदार से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है: 1. कार्य का नाम और स्थान : डीडीयू डिविजन में 3 (तीन) वर्ष के लिए 9 ओएचई/पीएसआई डिपों और 1 केन्द्रीय स्टोर के लिए मैनिंग और हाउसकीपिंग का कार्य। 2. अनुमानित रकम : ₹2,86,33,374.00, 3. बयाना राशि : ₹293170.00, 4. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय : दिनांक 12.05.2026 को 15:00 बजे तक। 5. वेबसाइट का विवरण जहां ई-निविदा जेम की पूर्ण जानकारी उपलब्ध है : www.gem.gov.in.

वरीय मंडल बिजली इंजीनियर/क.वि./ पूमरे/पं. दीन दयाल उपाध्याय

पीआर/0097/डीडीयू/विद्युत/टी/26-27/28

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा नोटिस सं.- 04 ऑफ 2026-27/खुला/इंजीनियरिंग, डीडीयू। मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ-साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई-निविदा) आमंत्रित की जाती है। 1. निविदा सं.-02-डीडीयू-व.मं.इंजी.-I-26-27. कार्य का नाम एवं लोकेशन : बिक्रमगंज में आरपीएफ एस्कॉर्ट पार्टी के लिए 15 बिस्तरों वाले आरपीएफ बैरक का निर्माण और भभुआ स्टेशन पर आरपीएफ पोस्ट का नवीनीकरण। 2. कार्य का अनुमानित लागत : ₹10421444.94, धरोहर राशि : ₹208400.00, 4. ई-निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय : 12.05.2026 को 12:00 बजे तक। 5. वेबसाइट पर ई-निविदा की विस्तृत जानकारी : www.ireps.gov.in. नोट :- विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक/ पूमरे/पं. दीन दयाल उपाध्याय

पीआर/0102/डीडीयू/अभि./टी/26-27/32

कार्यालय नगर पालिका परिषद् हरदा जिला हरदा (म.प्र.)

क्रमांक 2153/जलप्रदाय शाखा/2026 — हरदा, दिनांक 21/4/26

ई-निविदा सूचना

Tender Notice no. 2026_UAD_500057_1 Date 13.04.2026 **कार्य का नाम** :- नगर पालिका हरदा के हंडिया जल संयंत्र अंतर्गत पेयजल शोधन हेतु एल्युमिना फैरिक 16% ग्रेड-4 आई.एस. कोड 299/2012 के संशोधित स्पेसिफिकेशन के अनुसार क्रय करने हेतु **अनुमानित लागत रु. 25,00,000/- अमानत राशि रू. 18,250/- ई-निविदा क्रय दिनांक 15.04.2026 से 15.05.2026** तक क्रय की जा सकती है। निविदा सूचना तथा प्रपत्र उपलब्धता : www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद हरदा

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, भवन नियंत्रक विधानसभा, राजधानी संभाग क्र.- 3 लोक निर्माण विभाग, ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल फोन - 07552463894

ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल फोन-0755 2463613

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न लिखित कार्यों हेतु निविदाएं, मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत विद्युत ठेकेदारों (ठेकेदारों की श्रेणी कॉलम में उद्धृत अनुसार) से आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	सिस्टम टेन्डर नं.	एन.आई.टी. क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2025_सी.पी.ए._500786	11/व0ले0लि0//26-27 दि0 16.4.2026	वार्षिक संधारण के अन्तर्गत विधायक विश्राम गृह का मुख्य मार्ग एवं पहुँच मार्ग का बी0टी0 नवीनीकरण कार्य।	₹ 27,22,012.00	₹ 54440.00	₹ 5000.00	03 माह	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत निविदाकार।
2	2025_सी.पी.ए0 500788	12/26-27 दि0 16.4.2026	वार्षिक संधारण के अन्तर्गत विधायक विश्राम गृह खण्ड-3 की छत पर टॉर फेल्ट (जल अवरोधक उपचार) किये जाने का कार्य।	₹ 19,86,084.00	₹ 39722.00	₹ 2000.00	03 माह	--तदैव--
3	2025_सी.पी.ए._500789	13/25-26 दि0 16.4.2026	विधायक विश्राम गृह स्थित 64 आवासगृह परिसर में वार्षिक संधारण के अन्तर्गत साईड ड्रेन सहित रोड पेवमेंट का उन्नयन एवं पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य।	₹ 19,80,068.00	₹ 39601.00	₹ 2000.00	06 माह	--तदैव--
4	2025_सी.पी.ए._500790	14/25-26 दि0 16.4.2026	विधायक विश्राम गृह के खण्ड अ ब एवं स के जर्जर आर0सी0सी0 संरचना का पुर्नवास किये जाने हेतु उन्नत रिट्रोफिटिंग तकनीक का उपयोग करते हुए संधारण एवं अन्य कार्य।	₹ 19,92,000.00	₹ 39840.00	₹ 2000.00	06 माह	--तदैव--
5	2025_सी.पी.ए._500791	15/25-26 दि0 16.4.2026	विधायक विश्राम गृह परिसर स्थित युवा सदन में बाउण्ड्री वॉल एवं हट का उन्नयन तथा पेवर ब्लॉक का सुदृढ़िकरण कार्य।	₹ 19,85,000.00	₹ 39700.00	₹ 2000.00	06 माह	--तदैव--

(1) उपरोक्त वेबसाईट से ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (tender documents) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। (2) निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि दिनांक **23.4.2026 से दि. 30.4.2026** सायं 5.30 बजे निर्धारित है। (3) विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकता है। (4) निविदा से संबंधित आवश्यक अभिलेख केवल ऑन लाईन ही प्राप्त किये जा सकेंगे। यदि आवश्यक हो तो केवल निविदाकार स्वयं कार्यालय में जाकर स्थल का अवलोकन कर सकता है।

जी-11865/26

कार्यपालन यंत्री,
भवन नियंत्रक विधानसभा
राजधानी संभाग क्र.-3 लोक निर्माण विभाग
ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल 0755-2463894

बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

अभिषेक (हैदराबाद)	323
क्लासेन (हैदराबाद)	320
शुभमन गिल (गुजरात)	265

पर्पल कैप (गेंदबाज)

अंशुल कंबोज (चेन्नई)	13
इशान मलिंगा (हैदराबाद)	12
प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात)	12

बाउंड्री मीटर

546 छक्के
962 चौके
63 अर्धशतक

हैदराबाद के इशान मलिंगा ने दिल्ली के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने स्पेल में चार विकेट झटके। उन्होंने 10वें ओवर में पहली और दूसरी गेंद पर लगातार विकेट लिए। हालांकि हैट्रिक से चूक गए।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	6	5	0	11	+1.420
बेंगलुरु	6	4	2	8	1.171
हैदराबाद	7	4	3	8	0.820
राजस्थान	6	4	2	8	+0.599
दिल्ली	6	3	3	6	-0.130
गुजरात	6	3	3	6	-0.821
मुंबई	6	2	4	4	0.067
चेन्नई	6	2	4	4	-0.780
लखनऊ	6	2	4	4	-1.173
कोलकाता	7	1	5	3	-0.879

अभिषेक का शतक, हैदराबाद ने लगाई जीत की हैट्रिक

मैच 31: सनराइजर्स ने दिल्ली को 47 रन से हराया, अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंची

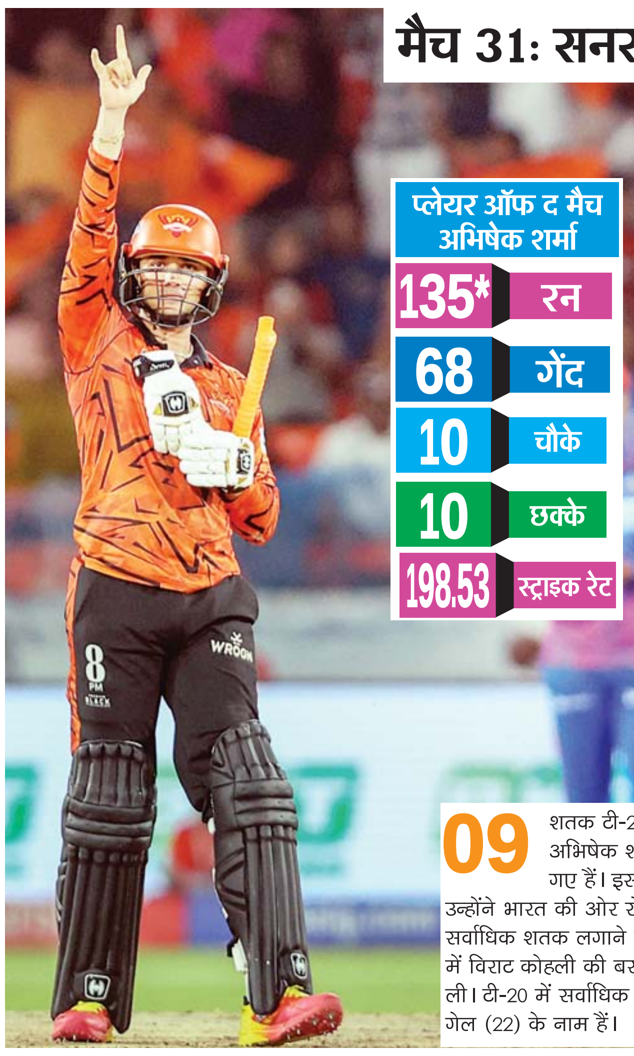

जेएनएन, हैदराबाद

अभिषेक शर्मा (नाबाद 135) के शतक और इशान मलिंगा के चार झटकों की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को 47 रन से हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल कर ली। यह इस सीजन हैदराबाद की सात मैचों में कुल चौथी जीत है और टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं कैपिटल्स की टीम छह मैचों में तीसरी हार के बाद पांचवें स्थान पर है।

प्लेयर ऑफ द मैच अभिषेक ने दिल्ली के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए 68 गेंदों की नाबाद पारी में 10 छक्के और इतने ही चौके लगाए। उनकी इस पारी की बदौलत सनराइजर्स ने दो विकेट पर 242 रन बनाने के बाद कैपिटल्स को नौ विकेट पर 195 रन पर रोक दिया। कैपिटल्स के लिए नीतीश राणा ने 30 गेंदों में सबसे ज्यादा 57 रन बनाए। उन्होंने केएल राहुल (23 गेंद में 37) के साथ दूसरे विकेट के लिए 45 गेंदों में 86 रन की साझेदारी की, लेकिन इस साझेदारी के टूटने के साथ ही टीम ने लय गंवा दी। टीम का स्कोर एक विकेट पर 107 रन से चार विकेट पर 107 रन हो गया। मलिंगा ने आईपीएल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्हें दिलशान मधुशंका (36 रन पर एक विकेट) और शाकिब हुसैन (29 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला, जबकि हर्ष दुबे ने आखिरी ओवर में तीन विकेट चटकाए। अभिषेक ने आईपीएल में अपनी दूसरी शतकीय पारी के दौरान शुरुआती तीन विकेटों के लिए बड़ी साझेदारियां कीं। उन्होंने ट्रेविस हेड (26 गेंद में 37) के साथ पहले विकेट के लिए 53 गेंदों में 97 रन और कप्तान इशान किशन (13 गेंद में 25 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 79 रन की साझेदारी की। इसके बाद उन्होंने हेनरिक क्लासेन (13 गेंद में नाबाद 37) के साथ तीसरे विकेट के लिए 32 गेंदों में 66 रन की अटूट साझेदारी कर टीम के बड़े स्कोर को सुनिश्चित किया। अभिषेक की तूफानी पारी के सामने नीतीश राणा की ऑफ स्पिन और लुंगी एनगिडी (चार ओवर में 41 रन) की धीमी गेंदें भी बेअसर रहीं। दिल्ली के लिए एकमात्र सफलता अक्षर पटेल को मिली, जिन्होंने हेड को आउट कर पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी पूरी नहीं होने दी। किशन दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हुए। अभिषेक हैदराबाद के लिए सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर आ गए। अभिषेक से पहले डेविड वॉर्नर और क्लासेन ने हैदराबाद की ओर से खेलते हुए दो-दो शतक लगाए हैं।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबादः 242/2 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा नाबाद	135	68	10	10
हेड का. रिजवी बो. अक्षर	37	26	2	2
इशान किशन रनआउट	25	13	2	1
हेनरिक क्लासेन नाबाद	37	13	3	3

अतिरिक्तः 8, **कुलः** 20 ओवर में दो विकेट पर 242 रन, **विकेट पतनः** 1-97, 2-176, **गेंदबाजीः** मुकेश कुमार 4-0-53-0, नीतीश राणा 4-0-55-0, लुंगी एन्गिडी 4-0-41-0, अक्षर पटेल 2-0-23-1, कुलदीप 2-0-30-0, टी नटराजन 4-0-40-0.

दिल्ली कैपिटल्सः 195/9 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
निसंका का. लिविंगस्टोन बो. मदुशंका	8	6	0	1
राहुल का. अभिषेक बो. साकिब	37	23	1	3
राणा का. अभिषेक बो. मलिंगा	57	30	7	3
रिजवी का. मदुशंका बो. हर्ष	41	28	2	2
डेविड मिलर बो. मलिंगा	0	1	0	0
स्टब्स का. साकिब बो. मलिंगा	27	16	3	0
आशुतोष का. वर्मा बो. मलिंगा	14	10	2	0
अक्षर का. नीतीश बो. हर्ष	2	3	0	0
कुलदीप यादव नाबाद	1	2	0	0
एन्गिडी का. मदुशंका बो. हर्ष	0	1	0	0

अतिरिक्तः 8, **कुलः** 20 ओवर में 9 विकेट पर 195 रन, **विकेट पतनः** 1-21, 2-107, 3-107, 4-107, 5-166, 6-186, 7-192, 8-195, 9-195, **गेंदबाजीः** मदुशंका 4-0-36-1, नीतीश कुमार 4-0-57-0, इशान मलिंगा 4-0-32-4, साकिब हुसैन 4-0-29-1, शिवांग कुमार 2-0-28-0, हर्ष दुबे 2-0-12-3.

09 शतक टी-20 में अभिषेक शर्मा के हो गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने भारत की ओर से टी-20 में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में विराट कोहली की बराबरी कर ली। टी-20 में सर्वाधिक शतक क्रिस गेल (22) के नाम हैं।

27 छक्के सबसे ज्यादा इस सीजन में अभिषेक लगा चुके हैं। उनके टी-20 में 350 छक्के भी पूरे हो गए। उन्होंने दूसरी बार एक पारी में 10 छक्के लगाए हैं। शीर्ष पर गेल हैं, जिन्होंने चार बार एक पारी में 10 या उससे ज्यादा छक्के लगाए।

■ अभिषेक शर्मा ने 67 गेंद में नाबाद 134 रन बनाए। यह आईपीएल में उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि ओवरऑल पांचवां बड़ा स्कोर है। अभिषेक ने इससे पहले पंजाब के खिलाफ 2025 में 141 रन बनाए थे। शीर्ष पर क्रिस गेल (नाबाद 175 रन) हैं, जबकि दूसरे नंबर ब्रेंडम मैक्कुलम (नाबाद 158 रन) और चौथे नंबर पर क्विंटन डिकॉक (नाबाद 140 रन) हैं।

2000 रन आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अभिषेक के पूरे हो गए हैं।

खेल एक नजर

भारत और दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के बीच तीसरा टी-20 आज

जोहानिसबर्ग, जेएनएन। भारतीय महिला टीम बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत की राह पर लौटकर सीरीज में अपनी दावेदारी बरकरार रखना चाहेगी और इसके लिए उसे उप कप्तान स्मृति मंधाना और सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम पांच मैच की सीरीज में 2-0 से आगे है और तीसरे मैच को जीतकर सीरीज में विजयी बढ़त बनाना चाहेगी। यह मैच रात 9:30 बजे से खेला जाएगा। टीम की सबसे प्रभावशाली बल्लेबाज स्मृति शुरुआती दो मैच में 13 और 12 रन ही बना पाई हैं। भारतीय टीम इन मुकाबलों में 157 और 147 रन ही बना सकी जिन्हें मेजबान टीम ने आसानी से जीत लिया। टीम के लिए दीप्ति की फॉर्म अधिक चिंता का विषय है।

सीएसके को झटकाः आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण बाहर

नई दिल्ली, जेएनएन। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण आईपीएल के मौजूदा सत्र के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं, जो पांच बार की चैंपियन टीम के लिए करारा झटका है। म्हात्रे 18 अप्रैल को हैदराबाद के खिलाफ सीएसके के पिछले मैच के दौरान चोटिल हो गए थे और उन्हें छह से 12 सप्ताह तक 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरना पड़ेगा। यह 18 वर्षीय बल्लेबाज सनराइजर्स के खिलाफ इंपैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान पर उतरा था। हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण वह काफी असहज महसूस कर रहे थे। सनराइजर्स ने यह मैच 10 रन से जीता था। म्हात्रे को मैदान पर ही उपचार दिया गया। दर्द के बावजूद उन्होंने खेलना जारी रखा था, लेकिन इसके तुरंत बाद वह आउट हो गए थे।

रियाल मैड्रिड यूईएफए यूथ लीग जीतकर फिर यूरोपीय चैंपियन बना

लॉजेन, जेएनएन। रियाल मैड्रिड ने पेनल्टी शूटआउट में क्लब ब्रूग को हराकर यूईएफए यूथ लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीतकर एक बार फिर यूरोपीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। रियाल मैड्रिड के लिए यह खिताब राहत की बात है, क्योंकि उसकी सीनियर टीम चैंपियंस लीग से बाहर हो गई है। अतिरिक्त समय के बाद भी मैच 1-1 से बराबरी पर रहा, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया। रियाल मैड्रिड के गोलकीपर जेवियर नवारो ने पेनल्टी शूटआउट में अपनी टीम को 4-2 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने ब्रूग के नइम अमेनगई और टियान कोरेन के शॉट को बचाया। यूईएफए यूथ लीग के 12 साल के इतिहास में स्पेनिश टीम ने यह दूसरा खिताब उसकी सीनियर टीम के चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के पांच दिन बाद जीता।

सीजन में लगातार चौथी हार से बचने उतरेगी सुपर जाएंट्स, सामना मजबूत राजस्थान से

लखनऊ, जेएनएन। आईपीएल 2026 में हार की हैट्रिक लगा चुकी लखनऊ सुपर जॉएंट्स अपने घर में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगी। लगातार चार जीत के साथ शानदार शुरुआत करने वाली 2008 की चैंपियन टीम राजस्थान ने भी पिछले दो मैचों में लगातार हार झेली है। हालांकि, इसके बावजूद राजस्थान की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है, लेकिन लखनऊ नौवें स्थान पर है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए छह में से चार मैच राजस्थान ने जीते हैं। इकाना स्टेडियम में दोनों टीमों की अब तक एक ही भिड़ंत हुई है, जिसमें राजस्थान ने आसानी से जीत दर्ज की थी। 2025 से अब तक लखनऊ ने अपने घर में नौ में से सात मैच गंवाए हैं, तो आगामी मैच से पहले उनके ऊपर भारी दबाव होगा। राजस्थान के कप्तान रियान पराग इस सीजन लगातार फॉर्म के लिए जूझ रहे हैं और छह पारियों में उनके बल्ले से 122 की स्ट्राइक-रेट से केवल 61 रन निकले हैं।

■ इस सीजन लगातार तीन मैच हो चुके हैं, जिनमें जोफ्रा आर्चर ने पहली गेंदों पर ही विकेट निकाले हैं। अब उनका सामना लखनऊ के उस टॉप ऑर्डर से होगा, जो इस सीजन काफी संघर्ष करती दिख रही है। इस सीजन पावरप्ले में आर्चर ने छह पारियों में 8.6 की इकॉनमी के साथ छह विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक-रेट 11 का रहा है। मिचेल मार्श ने इस सीजन 134 और रिषभ पंत ने 136 की स्ट्राइक-रेट से रन बनाए हैं।

■ लखनऊ और राजस्थान दोनों ही आखिरी के ओवरों का लाभ लेने में विफल साबित हो रहे हैं। इस सीजन 17 से 20 ओवरों के बीच सबसे कम रन-रेट वाली टीमों की बात की जाए, तो राजस्थान (8.8) पहले स्थान पर है। लखनऊ का रन-रेट भी 9.6 रहा है। अन्य टीमों को देखते हुए अब ये भी साधारण लगने लगा है।

शेफाली टी-20 रैंकिंग में छठे पायदान पर, स्मृति को एक स्थान का नुकसान

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैच की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अर्धशतक की बदौलत आईसीसी की नवीनतम महिला टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से छठे पायदान पर पहुंच गईं। भारत की उप कप्तान और शेफाली की सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना अब तक खेले गए दोनों मैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एक स्थान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। तीसरे स्थान पर अब वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज हैं। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान ऊपर चढ़कर अब शीर्ष 10 में शामिल होने के करीब हैं। वह फिलहाल 11वें स्थान पर हैं। महिला विश्व कप की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स (14वें नंबर) को चार स्थान का नुकसान हुआ है। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने भारत के खिलाफ दूसरे मैच में शानदार अर्धशतक लगाने के बाद बल्लेबाजों की सूची में अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शीर्ष पर हैं। भारत की प्रमुख गेंदबाज दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी गेंदबाजों की रैंकिंग में नीचे खिसक गई हैं। दीप्ति दो स्थान नीचे पांचवें, जबकि रेणुका चार स्थान नीचे नौवें स्थान पर हैं। अरुंधति भी तीन स्थान के नुकसान से 12वें स्थान पर खिसक गई हैं और शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची से बाहर हो गई हैं।

अल्कराज और सबालेंका को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार

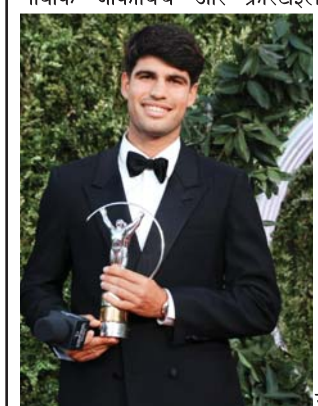

मैड्रिड, जेएनएन। टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और आर्यना सबालेंका ने लॉरियस पुरस्कारों में क्रमशः वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी और सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया, जबकि फ्रांस के फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम घोषित किया गया। विश्व नंबर दो अल्काराज ने पिछले साल फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन के अलावा इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब भी जीता था। विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी सबालेंका ने पिछले साल लगातार दूसरी बार यूएस ओपन जीता था। स्पेन की राजधानी में आयोजित किए गए इस पुरस्कार समारोह की मेजबानी दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और फ्रीस्टाइल स्कीयर एलीन गु ने की। पीएसजी 2025 में पहली बार यूरोपीय क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट चैंपियंस लीग का खिताब जीतने में सफल रहा था। इस महीने मास्टर्स खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाले गोल्फर रोरी मैकलॉय को वर्ष में शानदार वापसी करने वाले खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। बार्सिलोना और स्पेन के स्टार फुटबॉलर 18 वर्षीय लामिन यामल ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। फॉर्मूला वन चैंपियन लैंडो नॉरिस को विश्व का सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। जर्मनी के महान फुटबॉलर टोनी क्रूस ने विश्व खेल प्रेरणा पुरस्कार हासिल किया, जबकि अपने जमाने की दिग्गज जिम्नास्ट नादिया कोमानेसी को 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार दिया गया। अमेरिका के स्नोबोर्डर क्लो किम को 'वर्ल्ड एक्शन स्पोर्ट्सपर्सन' का पुरस्कार दिया गया। ब्राजील के गैब्रियल अराउजो को दिव्यांग वर्ग में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

सिटी स्पोर्ट्स

कार्तिक के शतक से शहडोल ने भोपाल को 77 रन से हराया

भोपाल, खेप्र। शहडोल डिवीजन ने बॉयज अंडर-22 लिमिटेड ओवर्स टूर्नामेंट में भोपाल को 77 रन से शिकस्त दी। शहडोल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कार्तिक परिहार (114*) के नाबाद शतक और शिव सागर (52) के अर्धशतक की बदौलत निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 289 रन बनाए। सत्यार्थ शुक्ला ने 34 रनों का योगदान दिया। भोपाल के तन्मय पाण्डेय ने 3 विकेट लिए। प्रारब्ध मिश्रा को दो, जबकि अनिमेष सिंह को एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल की टीम 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 212 रन बना पाई। नीरज ग्रोवर ने नाबाद 40 और आयुष अवस्थी ने 38 रन का योगदान दिया। शहडोल के कार्तिक, यतेंद्र श्रीवास्तव और प्रयाग ने 2-2 विकेट लिए। कार्तिक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

डीजीपी कपः एसएएफ जोन को हराकर भोपाल पुलिस बनी चैंपियन

भोपाल, खेप्र। प्लेयर ऑफ द मैच विजय सिंह ठाकुर के अर्धशतक की बदौलत भोपाल पुलिस ने एसएएफ जोन भोपाल को पांच रन से हराकर डीजीपी कप डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। नेहरू नगर के पुलिस क्रिकेट ग्राउंड पर भोपाल पुलिस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विजय (64) और अंबिया (50) के अर्धशतक की बदौलत 155 रन का बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में एसएएफ जोन की टीम 150 रन ही बना पाई। नगेंद्र सिंह ने 57 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। अमित ने 36 रन बनाए। भोपाल पुलिस के सोनू ने तीन विकेट झटके। विजेता टीम को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा और विशेष पुलिस महानिदेशक संजीव शमी ने ट्रॉफी प्रदान की।

टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ के पुरस्कार : मैन ऑफ द सीरीजः नरेंद्र रायकवार, **बल्लेबाजः** अनुराग बोरासी **गेंदबाजः** ऋतिक महाजन **फील्डरः** संजीव पटेल **विकेटकीपरः** हेमंत शाक्य

सीनियर विमेंस वनडे

भोपाल ने जबलपुर को आठ विकेट से हराया

भोपाल, खेप्र। प्लेयर ऑफ द मैच काजल की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भोपाल ने सीनियर विमेंस जेएस आनंद ट्रॉफी इंटर डिविजनल लिमिटेड ओवर क्रिकेट टूर्नामेंट में जबलपुर को आठ विकेट से शिकस्त दी। एमपीसीए द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में इंदौर के पीएमसीए मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जबलपुर डिवीजन 27.1 ओवर में 59 रन पर सिमट गई। उसके लिए मोनिका पंवार ने सर्वाधिक नाबाद 18 और मुस्कान बिस्वास ने 15 रन बनाए। भोपाल की काजल ने 3 विकेट लिए। निकिता सिंह और खुशी यादव को दो-दो सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल ने 12.2 ओवर में दो विकेट गंवाकर मुकाबला जीत लिया। निकिता ने 26 और सौम्या तिवारी ने नाबाद 27 रन बनाए।

जू-जित्सु प्रतियोगिता में भोपाल की लावण्या ने जीता स्वर्ण पदक

भोपाल, खेप्र। स्कोप ग्लोबल यूनिवर्सिटी की लावण्या ने कुमाऊं यूनिवर्सिटी की शिप्रना को हराकर ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जू-जित्सु प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। यह पदक उन्होंने महिला वर्ग फाइटिंग सिस्टम-52 किलोग्राम वेट कैटेगरी जीता। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के तत्वावधान में एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में आयोजित प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग नेवाजा-56 किग्रा वेट कैटेगरी में आईएएसई राजस्थान के जितेंद्र ने कुमाऊं यूनिवर्सिटी के शशांक बोरा को हराकर खिताब जीता। 62 किग्रा में एमजेपी रोहिलखंड यूनिवर्सिटी के दीक्षांत ने देशभगत यूनिवर्सिटी के कुलदीप को हराकर सोने का तमगा हासिल किया। महिला वर्ग फाइटिंग सिस्टम-45 किग्रा में कुमाऊं यूनिवर्सिटी की शिवानी ने स्वामी विवेकानंद यूनिवर्सिटी की हर्षिता और 48 किग्रा में लाहौरी ने जेआरएन यूनिवर्सिटी की काजल को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों की मलेशिया में स्वर्णिम हैट्रिक

भोपाल, खेप्र। मप्र मार्शल आर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने 15वें साइलेंट नाइट कराते कप में तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पांच पदक जीता। कुआलालंपुर में आयोजित कप में अमेय कटारे (57 किग्रा) ने सिंगापुर के खिलाड़ी को 8-1 से और कल्याणी कोडोपे (68 किग्रा) ने इंडोनेशिया की प्रतिद्वंद्वी को 8-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किए। संदीप राठौर एवं अमन (टीम कुमिते) ने मलेशिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता। यशविनी रावत (45 किग्रा) ने रजत और मानस शुक्ला ने कांस्य पदक अर्जित किया।

रिपोर्ट: जब ईरान में अमेरिकी जेट गिरा तो घंटों चिल्लाते रहे ट्रंप

अधिकारियों ने वॉर रूम ब्रीफिंग्स से बाहर रखा, व्हाइट हाउस ने खारिज किया दावा

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) का दावा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी एफ-15 जेट गिरने के बाद भड़क गए थे। वे कई घंटों तक अधिकारियों पर चिल्लाते रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी वजह से अधिकारियों ने उन्हें वॉर रूम की अहम ब्रीफिंग्स से दूर रखा। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस रिपोर्ट को खारिज किया है। बता दें कि 3 अप्रैल को ईरान के ऊपर अमेरिकी एफ-15 जेट गिरने के बाद दो पायलट लापता हो गए थे। एक को तुरंत बचा लिया गया, लेकिन दूसरा 24 घंटे से ज्यादा समय तक दुश्मन इलाके में फंसा रहा। रिपोर्ट में सीनियर अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि ट्रम्प को स्थिति की जानकारी केवल जरूरी मौकों पर फोन से दी जा रही थी। उन्हें रियल-टाइम ऑपरेशन वाली बैठकों में शामिल नहीं किया गया क्योंकि अधिकारियों को लगा कि उनकी बेसब्री का असर फैसलों पर पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, गुड फ्राइडे के दिन जब ट्रम्प को पायलट के लापता होने की जानकारी मिली तो उन्होंने सेना से कहा कि 'उन्हें तुरंत वापस लाओ।' उन्होंने तेज कार्रवाई की मांग की, जबकि ईरान के अंदर ऑपरेशन जटिल और जोखिम भरा था। अमेरिकी सेना दशकों से ईरान की जमीन पर ऑपरेशन नहीं कर रही थी। ऐसे में अधिकारियों को तय करना था कि बिना पकड़े दुश्मन इलाके में कैसे घुसा जाए और पायलट को कैसे निकाला जाए। पायलट के रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स समेत कई अधिकारी सिचुएशन रूम से लगातार अपडेट ले रहे थे।

घास के ढेर में सुई खोजने जैसा था ऑपरेशन

अमेरिकी एजेंसियों ने लापता पायलट को लगातार खोज रही थीं। 4 अप्रैल की शाम को उसे भी सुरक्षित निकाल लिया गया। एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक, यह मिशन एफसीआईए की मदद से पूरा हुआ, जिसने पायलट की लोकेशन का पता लगाया। अधिकारियों ने इस ऑपरेशन को घास के ढेर में सुई खोजने जैसा बताया। रिपोर्ट के अनुसार, सीआईए ने एक भ्रामक अभियान भी चलाया, जिसमें यह फैलाया गया कि पायलट पहले ही मिल चुका है, ताकि दुश्मन गुमराह रहे।

सोशल मीडिया पर ट्रंप ने दी थी सभ्यता खत्म करने की धमकी

रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद ट्रंप ने अगले ही दिन सोशल मीडिया पर ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने को लेकर गालियों भरा संदेश पोस्ट किया। रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप ने जानबूझकर संदेश में धार्मिक भाषा और 'अल्लाह' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया ताकि ईरान के नेताओं को असहज किया जा सके। 7 अप्रैल को उन्होंने और सख्त बयान दिया कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो पूरी सभ्यता खत्म हो सकती है। हालांकि, कुछ घंटों बाद उन्होंने 8 अप्रैल से सीजफायर का ऐलान किया।

संक्षिप्त समाचार

विवादित बयान पर पप्पू यादव को मिला नोटिस

पूर्णिया/पटना, जेएनएन। बिहार के पूर्णिया संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के एक बयान को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में विवाद गहरा गया है। पप्पू यादव ने हाल ही में महिलाओं की स्थिति और राजनीति में उनकी भागीदारी को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद बिहार राज्य महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए उन पर कार्रवाई शुरू कर दी है। आयोग ने सांसद को नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर जवाब देने को कहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पप्पू यादव ने एक बयान में कहा था कि भारत में महिलाओं को देवी का दर्जा दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता में उन्हें वह सम्मान नहीं मिलता जिसकी वे हकदार हैं।

आज खुलेंगे केदारनाथ धाम के कपाट

फाटा,जेएनएन। पांचवें ज्योतिर्लिंग बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली यात्रा सोमवार को गौरीकुंड स्थित गौरामाई मंदिर पहुंच गई। इस दौरान सेना के बैंड की मधुर लहरियों और हजारों भक्तों के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।
केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को सुबह आठ बजे खोले जाएंगे।
रविवार को डोली यात्रा विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी होते हुए फाटा पहुंची थी।
इस मौके पर पंच केदार सेवा सांस्कृतिक मंच की ओर से भजन संध्या का आयोजन किया गया।
जबकि, होटल एसोसिएशन केदारघाटी ने विशाल भंडारा आयोजित किया।
सोमवार को सुबह आठ बजे मुख्य पुजारी ने बाबा को भोग लगाया।

गुजरात में 200 लोग फूड पॉइजनिंग से बीमार

दाहोद,जेएनएन। गरबाड़ा तालुका में एक शादी समारोह में खाने के दो घंटे बाद अचानक एक के बाद एक लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी और देखते ही देखते 200 से ज्यादा लोग फूड पॉइजनिंग की चपेट में आ गए। इससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पीड़ितों को तुरंत पास के प्राइमरी हेल्थ सेंटर ले जाया गया और इलाज शुरू करवाया, लेकिन कुछ लोगों की हालत ज़्यादा गंभीर होने पर उन्हें इलाज के लिए दाहोद के जाइडस हॉस्पिटल में शिफ्ट करना पडा. जाइडस हॉस्पिटल के आरएमओ राजीव डामोर ने बताया कि शादी में रात करीब 8 बजे पनीर की सब्जी, दाल-चावल, आम का जूस वगैरह सर्व किया गया था। फिर रात करीब 11 बजे 200 से ज़्यादा लोग फूड पॉइजनिंग की चपेट में आ गए। इसके बाद उन्हें पास के प्राइमरी हेल्थ सेंटर और दूसरे मरीजों को जाइडस हॉस्पिटल ले जाया गया। हॉस्पिटल की सभी टीमों ने काम किया और सभी मरीज़ों का इलाज शुरू किया गया।

गुजरात से दो, दिल्ली से 4 संदिग्ध गिरफ्तार

नई दिल्ली,जेएनएन। गुजरात एटीएस ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जो 'गजवा-ए-हिंद' के खतरनाक मंसूबों पर काम कर रहे थे। इनके निशाने पर आरएसएस के बड़े नेता थे और ये पूरे देश को दहलाने की साजिश रच रहे थे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान इरफान कलखां पठान और मुर्शिद जाहिद शेख के रूप में हुई है। इरफान को पाटन जिले के सिद्धपुर से दबोचा गया, जबकि मुर्शिद को मुंबई के साकीनाका से गिरफ्तार किया गया है। 22 साल के इरफान ने एमएससी तक की पढ़ाई की है जबकि मुर्शीद आठवीं पास है, जांच में खुलासा हुआ है कि ये दोनों सोशल मीडिया के जरिए कट्टरपंथी विचारधारा फैला रहे थे। वहीं दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल देश में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के फिराक में रहने वाले चार युवकों को गिरफ्तार किया है। गजवा-ए-हिंद की साजिश को नाकाम करते हुए पुलिस ने जिन चार युवकों को गिरफ्तार किया है उसमें एक युवक बिहार के कटिहार जिले का रहने वाला मोहम्मद सोहेल भी शामिल है।

बंगाल में 630 उम्मीदवार करोड़पति 23 प्रतिशत पर दर्ज हैं क्रिमिनल केस

53 प्रतिशत उम्मीदवार ग्रेजुएट भी नहीं, सबसे ज्यादा भाजपा से 208 उम्मीदवार हैं दांगी

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 23 प्रतिशत उम्मीदवारों पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इनमें सबसे ज्यादा करीब 208 उम्मीदवार भाजपा से हैं। वहीं, 192 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध का केस है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने चुनाव लड़ रहे कुल 2920 उम्मीदवारों के एफिडेविट का एनालिसिस किया है। इनमें 630 उम्मीदवार करोड़पति हैं, यानी हर 5 में से 1 उम्मीदवार करोड़पति है। रिपोर्ट के मुताबिक, उम्मीदवारों की औसत संपत्ति करीब 1.28 करोड़ रुपए है। सबसे ज्यादा करीब 72 प्रतिशत उम्मीदवार टीएमसी के करोड़पति हैं, जबकि भाजपा में यह आंकड़ा करीब 49 प्रतिशत है। एजुकेशन की बात करे तो 48 प्रतिशत उम्मीदवार 5वीं से 12वीं तक पढ़े हैं, जबकि 47 प्रतिशत ग्रेजुएट या उससे अधिक पढ़े-लिखे हैं।

चारों बड़ी पार्टियों के 481 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले

भाजपा, टीएमसी, कांग्रेस और सीपीएम(एम) के कुल 1074 उम्मीदवारों में से 481 उम्मीदवारों पर आपराधिक केस दर्ज हैं। इनमें करीब 35 उम्मीदवारों पर हत्या से जुड़े आरोप हैं, जबकि 192 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। 8 कैंडिडेट्स पर रेप का आरोप है। वहीं, इन दलों के करीब 412 उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले हैं।

टीएमसी के जाकिर होसैन सबसे अमीर, चार के पास संपत्ति ही नहीं

मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर सीट से टीएमसी के जाकिर होसैन 2026 बंगाल विधानसभा चुनाव के सबसे अमीर उम्मीदवार हैं। उनकी कुल संपत्ति 133 करोड़ रुपए से ज्यादा है। वहीं, बांकुरा जिले के बरजोरा सीट से टीएमसी उम्मीदवार गौतम मिश्रा 105 करोड़ के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं 4 ऐसे उम्मीदवार भी हैं जिन्होंने अपनी संपत्ति जीरो बताई है।

सिर्फ 13 प्रतिशत महिलाओं को टिकट

2011 जनगणना के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में महिलाओं की संख्या पुरुषों के लगभग बराबर है। इसके बावजूद पार्टियों ने सिर्फ करीब 13 प्रतिशत (385) टिकट महिलाओं को दिए हैं। शिक्षा के मामले में, चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में करीब 47 प्रतिशत उम्मीदवार ग्रेजुएट नहीं हैं, जबकि 47 प्रतिशत उम्मीदवार ग्रेजुएट या उससे अधिक पढ़े-लिखे हैं। वहीं, करीब 47 प्रतिशत उम्मीदवारों की शिक्षा 5वीं से 12वीं के बीच है। चुनाव लड़ रहे करीब 29 प्रतिशत (854) उम्मीदवार 25 से 40 साल के हैं। करीब 53 प्रतिशत (1567) उम्मीदवार 41 से 60 साल के हैं। इसके अलावा, करीब 17 प्रतिशत (495) उम्मीदवार 61 से 80 साल के हैं। वहीं, 4 उम्मीदवार ऐसे हैं जिनकी उम्र 80 साल से भी ज्यादा है।

खरगे ने पहले पीएम को बताया आतंकवादी, बाद में दी सफाई

चेन्नई, जेएनएन। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कह दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि मोदी आतंकवादी हैं और उनकी पार्टी बराबरी के सिद्धांत में विश्वास नहीं करती है। खड़गे ने कहा कि एआईडीएमके लोकतंत्र को कमजोर कर रही है और पेरियार व आम्बेडकर के सिद्धांतों के खिलाफ काम कर रही है। हालांकि बाद में खरगे ने सफाई देते हुए कहा कि, मैंने आतंकवादी नहीं कहा, मैंने कहा कि वे आतंकित कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बाद में कहा कि वे यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि वे धमकाते हैं। उन्होंने कहा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता था कि मोदी हमेशा धमकाते हैं। मैंने आपको क्रम बताया था, आईटी, ईडी। सभी संस्थाएं उनके हाथों में हैं। मैंने कभी यह नहीं कहा कि वह एक आतंकवादी हैं।

भाजपा ने की तीखी आलोचना

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने खरगे के बयान की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि, हमें शर्म आती है कि कांग्रेस पार्टी इतनी निचले स्तर पर गिर गई है। एक लोकतांत्रिक रूप से चुने हुए प्रधानमंत्री, जिन्हें जनता ने चुना है वे उन्हें आतंकवादी कह रहे हैं। मैं खरगे के इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं। मैं भारत की जनता के इस अपमान के लिए माफी की मांग करता हूं।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप टैरिफ को बताया अवैध

अब अमेरिका लौटाएगा भारत के हिस्से के एक लाख करोड़

***वॉशिंगटन/नई दिल्ली।** अमेरिकी सरकार ने डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान लगाए गए टैरिफ को वापस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिन्हें अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने अवैध करार दिया था। इस फैसले के बाद अब भारत के एक लाख करोड़ रुपए रिफंड का रास्ता साफ हो गया है। पर इसमें पेंच हैं।*

166 बिलियन डॉलर रिफंड करने होंगे

लगभग 166 बिलियन डॉलर (करीब 14 लाख करोड रुपए) सोमवार को यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) ने घोषणा की। अमेरिकी कस्टम विभाग ने सीबीपीई (कंसोलिडेटेड एडमिनिस्ट्रेशन एंड प्रोसेसिंग ऑफ एंट्रीज) नामक ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है।

सेक्टर-वार अनुमान

टेक्सटाइल और कपड़े: इस क्षेत्र का योगदान सबसे बड़ा है, जिसके लिए करीब 4 बिलियन डॉलर का रिफंड बनता है।
इंजीनियरिंग सामान: इसके लिए भी करीब 4 बिलियन डॉलर की राशि तय की गई है।
केमिकल सेक्टर: लगभग 2 बिलियन का रिफंड।
अन्य क्षेत्र: शेष 2 बिलियन अन्य निर्यात वस्तुओं से संबंधित है।
शुल्क का गणित: 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक की मार
भारत से जाने वाले सामानों पर यह बोझ अचानक बढ़ा था। 2 अप्रैल, 2025 को शुल्क 10 प्रतिशत से शुरू हुआ था।

पैसा सीधे भारत नहीं आएगा

सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह रिफंड सीधे भारतीय निर्यातकों को नहीं मिलेगा।
दावा केवल अमेरिकी आयातक कर सकते हैं: चूंकि कानूनी तौर पर टैरिफ का भुगतान अमेरिका स्थित आयातकों ने किया था, इसलिए रिफंड भी उन्हीं के खातों में जाएगा।
भारतीय निर्यातकों का कानूनी अधिकार नहीं: जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव के अनुसार, भारतीय निर्यातकों के पास इस रिफंड पर दावा करने का कोई सीधा कानूनी रास्ता नहीं है।
बातचीत का रास्ता: भारतीय कंपनियों को अब अपने अमेरिकी खरीदारों के साथ व्यावसायिक बातचीत करनी होगी। उन्हें साबित करना होगा कि टैरिफ की वजह से उन्होंने अपनी कीमतें कम की थीं या लागत खुद झेली थी।

शाहरुख की 'किंग' ने रिलीज से पहले कमाए 250 करोड़ रुपए

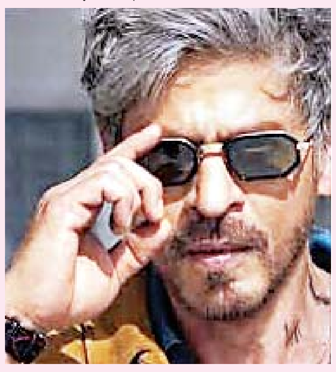

शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग ने रिलीज से पहले ही 250 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। फिल्म का बजट 400 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। यानी फिल्म का आधे से ज्यादा बजट कवर हो गया। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पेन मरुधर ने फिल्म किंग के ऑल इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स 250 करोड़ रुपए में खरीद लिए। यह इस साल की बड़ी थिएट्रिकल डील्स में से एक मानी जा रही है। बता दें कि पेन मरुधर का शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस के साथ पुराना संबंध रहा है। कंपनी पहले जवान, डंकी, जीरो, बदला और इत्तेफाक जैसी फिल्मों को रिलीज कर चुकी है। ए.ए. फिल्म्स, जियो स्टूडियोज, पीवीआर आईनॉक्स पिक्चर्स, यशराज फिल्म्स और धर्मा प्रोडक्शंस जैसी कंपनियों ने भी फिल्म के डोमेस्टिक राइट्स के लिए बोली लगाई थी।
क्रिसमस 2026 में होगी बड़ी टक्कर: किंग क्रिसमस 2026 के दौरान रिलीज होगी, जब जुमांजी, एवेंजर्स- डूम्सडे और ड्यून 3 जैसी हॉलीवुड फिल्में भी रिलीज होंगी। इस कॉम्पिटिशन को देखते हुए, फिल्म के लिए बड़े थिएटर रिलीज की प्लानिंग की जा रही है। फिल्म में शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी भी नजर आएंगे। किंग की कहानी एक मेंटर और शिष्य के सफर पर आधारित है, जो कठिन परिस्थितियों में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करते हैं।

वेंस के साथ दिखा नॉर्वे का वॉन्टेड अपराधी

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा के दौरान एक विवादित कारोबारी की मौजूदगी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उमर फारूक जहूर, जिसे नॉर्वे में बैंक फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में वांछित बताया जाता है, इस्लामाबाद में अमेरिकी अधिकारियों के साथ नजर आया। 11 अप्रैल को वेंस के इस्लामाबाद पहुंचने के दौरान सामने आए एक वीडियो में अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ उन्हें एक शख्स से मिलवाते दिखे। बाद में उस शख्स की पहचान जहूर के रूप में हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब वेंस ईरान से जुड़ी शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान पहुंचे थे।

जहूर पाकिस्तान मूल का कारोबारी है, जिसका जन्म नॉर्वे के ओस्लो में हुआ और वह फिलहाल दुबई में रहता है। वह खुद को निवेशक और उद्यमी बताता है। हालांकि उसकी छवि अलग-अलग देशों में अलग है। यूरोप में उस पर गंभीर आरोप हैं, जबकि पाकिस्तान में उसे एक सफल निवेशक के तौर पर देखा जाता है। नॉर्वे की एजेंसियों के अनुसार, जहूर 2010 से नॉर्डिया बैंक से जुड़े फ्रॉड केस में वांछित है और उस पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप भी हैं। उसे 2003 में गबन के मामले में सजा भी हो चुकी है। नॉर्वे सरकार कई बार उसके प्रत्यर्पण की कोशिश कर चुकी है।

यूएन दूत का आरोप: भारत ने तोड़ा वैश्विक कानून

रोम, जेएनएन। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भारत पर अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के साथ उसके संबंध और युद्ध के समर्थन को लेकर भारत की कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी बनती है। 'टॉर्चर एंड जेनोसाइड' नाम की इस रिपोर्ट को यूएन स्पेशल दूत फ्रांसेस्का अल्बनीज ने पेश किया। उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि इजराइल के साथ करीबी संबंधों के चलते भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है।

MADHUR CARGO
Packers & Movers
A Unit of Shree Madhur Transport Co.
Contact : 9713068681
OUR SERVICES
24/7 Hours Service
HOUSE HOLD SERVICE
LOADING/UNLOADING
MOVING & SHIFTING
PACKING SERVICE
OFFICE SHIFTING
TRANSPORTATION PAN INDIA
SAFE & ECONOMICAL MOVING SERVICE
B-34, Madhur Plaza Near Gurudwara Transport Nagar Kokta, Bhopal PIN-462028

खुलासा — चांदी के आभूषण और सिक्के चढ़ाने वाले वैष्णो देवी के भक्त हो रहे हैं ठगी के शिकार

चढ़ावे में आई `550 करोड़ की चांदी' महज 30 करोड़ की

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रति वर्ष देशभर से लाखों की संख्या में भक्त वैष्णोदेवी दरबार जाते हैं। भक्तों द्वारा देवी मंदिर में चांदी के सिक्के और ज्वेलरी चढ़ाते हैं। अगर आप वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ावे के लिए वहां से चांदी के सिक्के या ज्वेलरी खरीद रहे हैं तो सावधान हो जाइए। हो सकता है कि वो चांदी के नाम पर जहर हो। एक जांच में यह खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि चांदी के नाम जो धातु वहां से खरीद रहे हैं, उसमें मात्र 5 से 6 फीसदी ही चांदी है। बाकी उसमें कैडमियम और आयरन यानी लोहा मिला हुआ है। इसमें कैडमियम जहरीली धातु है जो कैंसर पैदा करती है।

कैंसर पैदा करती है कैडमियम

सरकारी मिंट के अधिकारियों ने इस पर गहरी चिंता जताई है। कैडमियम एक ऐसी धातु है जो दिखने में चांदी जैसी होती है, लेकिन यह अत्यधिक जहरीली है। कैडमियम से निकलने वाला धुआं कैंसरकारी होता है। यह हवा और पानी को प्रदूषित करता है और इसे पिघलाना भी श्रमिकों के लिए जानलेवा हो सकता है।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

पिछले एक साल में टकसाल ने कई बार औपचारिक रूप से इस मुद्दे को उठाया है। साथ ही जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल कार्यालय और माता वैष्णो देवी मंदिर बोर्ड को पत्र लिखा है। टकसाल ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को लिखे पत्र में कई बातों का जिक्र किया है। इसमें लिखा है, श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के आसपास इस तरह की अनैतिक गतिविधियों का होना बेहद चिंताजनक है।

कहां हो रही धांधली?

रिपोर्ट के अनुसार तिरुपति, सिद्धिविनायक या गुरुवायूर जैसे अन्य बड़े मंदिरों में इस तरह की मिलावट नहीं देखी गई है। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि वैष्णो देवी कॉरिडोर और कटरा के आसपास के दुकानदार और ज्वेलर्स श्रद्धालुओं को यह नकली चांदी बेच रहे हैं।

70 किलो से निकली सिर्फ 3 किलो चांदी

टकसाल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंदिर बोर्ड की ओर से हाल में पिघलाने के लिए दान में मिली 70 किलो चांदी का बैच मिला था। इस 70 किलो चांदी में से सिर्फ 3 किलो चांदी ही असली निकली। कचरे से चांदी अलग करने में 3 महीने लग गए। जहरीले धुएं के डर से पहले इसे पिघलाने से भी मना कर दिया था।

दैनिक जागरण वर्गीकृत
जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com
अण्डा
BHOPAL EGG
RATE 490/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.
सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

झंडा दिवस निधि में प्रदेश में पहले स्थान पर रहा आलीराजपुर

जागरण, आलीराजपुर। जिले ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में शानदार उपलब्धि हासिल कर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। यह सम्मान भोपाल के लोक भवन में आयोजित विशेष निधि प्रबंधन समिति की 25वीं वार्षिक बैठक में प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने की। वर्ष 2024-25 के लिए तय लक्ष्य 3,52,100 के बदले आलीराजपुर ने 9,53,100 रुपए से अधिक राशि एकत्रित कर कीर्तिमान स्थापित किया।

जबलपुर में नियम तोड़ने वाली आठ बसें जब्त

जागरण, जबलपुर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने दीनदयाल चौक पर परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान प्रशासन की संयुक्त टीम ने दबिश देकर सड़क पर खड़ी कर सवारी भरने वाली बसों पर कार्रवाई की। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाली आठ बसें जब्त कर लिया गया। प्रशासन को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि बस स्टैंड से आने-जाने वाली बसें दीनदयाल चौक के पास मुख्य सड़क पर ही रुक जाती हैं।

"ट्वीट ऑफ द डे"

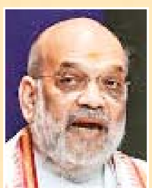

अमित शाह
गृह मंत्री

सनातन संस्कृति के प्राणाधार, परम पूज्य जगद्गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। जिस समय भारत अनेक रूढ़ियों से ग्रस्त था और हमारे धर्म व संस्कृति को निरंतर आघात पहुंचाया जा रहा था, तब उन्होंने समाज को सत्य का दर्शन कराने अद्वैत वेदांत का मार्ग प्रशस्त किया। सनातन धर्म की ध्वज-पताका को लहराने, उन्होंने भारत-भ्रमण किया और चार दिशाओं में चार मठ स्थापित किए।

मैहर में गर्म रात, 11 जिलों में लू का अलर्ट

2 से 3 डिग्री और बढ़ेगा प्रदेश का पारा, सिंगरौली सहित आस पास के क्षेत्र में चलीं तेज हवाएं

नगर संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में गर्मी अपने चरम पर पहुंच चुकी है, कुछ जिलों में पारा 44 डिग्री तक रिकार्ड किया जा चुका है। हालांकि मंगलवार को प्रदेश में सबसे अधिक तापमान नर्मदापुरम और खजुराहो में रिकार्ड किया गया, यहां दिन का अधिकतम तापमान 43 डिग्री रहा। गर्मी की तीव्रता को देखते हुए मैहर कलेक्टर ने पहली से पांचवी कक्षा तक के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की छुट्टी की घोषणा कर दी है। इधर मौसम विभाग से मिली जानकारी अनुसार मंगलवार को दिन में कहीं भी लू दर्ज नहीं की गई, लेकिन मैहर गर्म रात की चेतावनी जारी गई है। इसी के साथ बुधवार के लिए प्रदेश के 11 जिलों में हीट वेव की संभावना जताई गई है।

और बढ़ेगी गर्मी, टूट सकता है रिकार्ड: प्रदेश में गर्मी कम होने की संभावना फिलहाल कम है। भोपाल के मौसम केंद्र के मौसम वैज्ञानिक वीरेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि अप्रैल में उच्चतम तापमान का रिकार्ड 45 डिग्री तक रहा है। बीते वर्षों में गर्मी अप्रैल के आखिरी सप्ताह में और तेज हो जाती है। इसलिए यह कहना है कि दो चार दिन में गर्मी से राहत मिल जाएगी, यह गलत है। हालांकि प्रदेश में कहीं कहीं बादल छाए हुए हैं और तेज आंधी चली है, लेकिन इसका असर कम रहेगा। मौसम बुलेटिन के मुताबिक 23 अप्रैल से पश्चिमी विक्षोभ का असर मप्र के कुछ जिलों में नजर आ सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, नर्मदापुरम और बैतूल सहित अन्य जिलों में बारिश होने की संभावना है। जबकि कुछ जिले इस सिस्टम से अछूते हैं। भोपाल में पश्चिमी विक्षोभ का असर नहीं दिखेगा। इस कारण यहां के तापमान में भी कोई बड़ा परिवर्तन होने की संभावना नहीं है।

मैहर में स्कूलों की छुट्टी, रतलाम में समय बदला: भीषण गर्मी को देखते हुए मैहर जिले में प्री-प्राइमरी से कक्षा 5वीं तक के सभी स्कूलों में 21 से 30 अप्रैल तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। मैहर कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने यह आदेश बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जारी किया है। यह आदेश शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई और केंद्रीय विद्यालयों सहित सभी मान्यता प्राप्त स्कूलों पर लागू रहेगा।

इन जिलों में चली तेज आंधी

सिंगरौली, सीधी, अनुपपुर, शहडोल, डिंडोरी, मंडला, बालाघाट।

आज इन जिलों में लू का अलर्ट: भिंड, ग्वालियर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रतलाम, धार, झाबुआ और अलीराजपुर।

5 सबसे गर्म स्थान

नर्मदापुरम-	43
खजुराहो-	43
सीधी-	42.6
नौगांव-	42.5
रतलाम-	42

अब गर्म रातों की शुरुआत

मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार प्रदेश में एक तरफ जहां दिन में भीषण गर्मी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर रातें भी गर्म होना शुरु हो गई हैं। सोमवार को भोपाल में गर्म रात दर्ज की गई थी। मंगलवार को मैहर में गर्म रात रही। आने वाले दिनों में अन्य जिलों में भी यह स्थिति बनेगी। मौसम विभाग के अनुसार, जब रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा हो जाता है, तो उसे गर्म रात कहा जाता है। यह स्थिति तब बनती है जब रात का तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक हो और दिन का तापमान 40 डिग्री या उससे ऊपर बना रहे।

भीषण गर्मी ने राजधानी में बढ़ाए डायरिया और पीलिया के मरीज

नगर संवाददाता, भोपाल। अप्रैल के शुरू में कम और बाद में अचानक से तेज हुई गर्मी के कारण लोग बीमार पड़ रहे हैं। अस्पतालों में ओपीडी में एक तरफ जहां वायरल इंफेक्शन के मरीज पहुंच रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ डायरिया और उल्टी दस्त के मरीज भी पहुंच रहे हैं। सोमवार को जेपी व हमीदिया में चली तीन घंटे की ओपीडी में ऐसे कई मरीज पहुंचे, जिन्हें उल्टी व दस्त की शिकायत थी। मरीजों में सबसे ज्यादा 5 से 15 वर्ष के बच्चे हैं। इन बच्चों को डायरिया की शिकायत है। हमीदिया के डे केयर में रविवार को 6 बच्चे भर्ती किए थे, जिन्हें डायरिया का उपचार दिया गया और शाम को उनके परिजन उन्हें डिस्चार्ज कराकर घर ले गए। जेपी अस्पताल में भी बच्चा वार्ड मरीजों से फुल भरा हुआ है।

डिहाइड्रेशन और कमजोरी मुख्य लक्षण: जेपी, हमीदिया सहित शहर के तमाम स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंच रहे डायरिया के मरीजों में सबसे आम लक्षण डिहाइड्रेशन का है। पानी की कमी और कमजोरी के चलते मरीजों को भर्ती कर उन्हें ग्लूकोज की बाटल चढ़ाने की नौबत आ रही है। कुछ मामलों में मरीजों की शुगर भी कम हो जाने के कारण भी उन्हें कमजोरी महसूस हो रही है। जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन ने बताया कि मौसम नुकसानदायक है। बार बार मौसम में बदलाव की वजह से लोगों की सेहत बिगड़ रही है। इस कारण हमारे यहां ओपीडी के अलावा इमरजेंसी में भी डायरिया और उल्टी दस्त के मरीज आ रहे हैं। इसके लिए हमने अपने स्टाफ को निर्देश दिए हुए हैं कि किसी भी मरीज को कोई परेशान न हो। डे केयर में मरीजों को पूरा इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। डायरिया, बुखार, डिहाइड्रेशन का मुख्य कारण दूषित पानी को माना गया है। हमीदिया के उप अधीक्षक डॉ. जीवन सिंह मीणा ने बताया कि गर्मी में बाहर के पानी और भोजन से परहेज करना चाहिए। बाजार में मिलने वाले पेय पदार्थ जैसे, गन्ने का रस, नींबू पानी, शिकंजी और बर्फ गोला जितना फायदा नहीं करते, उससे ज्यादा यह नुकसान कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

अनुपम खेर व शुभांगी ने किए महाकाल के दर्शन

जागरण, उज्जैन। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अनुपम खेर, फिल्म अभिनेत्री शुभांगी दत्त और पंजाबी गायक अमित भल्ला मंगलवार को महाकाल मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर में आयोजित आरतियों में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। अभिनेता अनुपम खेर और अभिनेत्री शुभांगी दत्त भोग आरती में शामिल हुए, जबकि 'निंजा' के नाम से मशहूर पंजाबी सिंगर और अभिनेता अमित भल्ला तड़के 4 बजे होने वाली भस्म आरती में शामिल हुए। अमित भल्ला रात 2 बजे महाकाल मंदिर पहुंचे और दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती में शामिल रहे। इस दौरान उन्होंने नंदी जी का पूजन कर कान में अपनी मनोकामना भी कही। वहीं, अनुपम खेर और शुभांगी दत्त ने भोग आरती में शामिल होने के बाद मंदिर परिसर के अन्य मंदिरों में दर्शन किए। अनुपम खेर ने कहा कि मंदिर में आकर बहुत सुखद अनुभूति हुई। मंदिर समिति अच्छा कार्य कर रही है और बाबा महाकाल के दरबार में आत्मा शुद्ध हो जाती है। अभिनेत्री शुभांगी दत्त ने कहा कि वह पहली बार महाकाल मंदिर आई हैं और भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेना चाहती थीं।

टीआई लाइन अटैच, 14 कॉन्स्टेबल स्थानांतरित

जागरण, रतलाम। कार्य में घोर लापरवाही बरतने पर सोमवार रात को एसपी रतलाम अमित कुमार ने माणक चौक थाना प्रभारी (टीआई) पातीराम डावरे को लाइन अटैच कर दिया है। इससे पहले एसपी ने 14 हेड कॉन्स्टेबलों के थाने भी बदले हैं। टीआई पर आरोप है कि करमदी के मथुरी तालाब में दो युवकों के शव मिलने और ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए तीसरे संदिग्ध को शांति भंग में जेल भेजने के बाद मामले की आगे कोई जांच नहीं की गई। कार्रवाई के बाद माणकचौक थाने में किसी नए थाना प्रभारी को नियुक्त नहीं किया गया है। जानकारी के अनुसार, 15 अप्रैल की रात तीन लोग करमदी के मथुरी तालाब पर आए थे। मोटर चोरी की आशंका में ग्रामीणों ने तीनों को पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान दो युवक मौके से भाग निकले, जबकि एक को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। पुलिस ने फरार हुए दो अन्य युवकों की तलाश नहीं की और पकड़े गए युवक पर केवल शांति भंग के आरोप में केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। बाद में इस युवक की जमानत भी हो गई थी। घटना के दो दिन बाद भागे हुए दोनों युवकों के शव उसी मथुरी तालाब से बरामद हुए थे। ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए युवक से अगर पुलिस सही तरीके से पूछताछ करती तो भागे दोनों युवकों की जानकारी सामने आती।

विधायक पाठक ने हाईकोर्ट में उपस्थित होकर मांगी माफी

सुनवाई: जज को सीधे फोन करने पर लंबित आपराधिक अवमानना मामला

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा तथा जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष आपराधिक अवमानना मामले की सुनवाई के दौरान भाजपा विधायक संजय पाठक व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। विधायक संजय पाठक ने बिना शर्त माफी मांगते हुए कहा है कि उनसे गलती से हाईकोर्ट जज को फोन लग गया था। युगल पीठ ने याचिका पर अगली सुनवाई 14 मई को निर्धारित की है। गौरतलब है कि कटनी निवासी आशुतोष दीक्षित की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि विधायक संजय पाठक से संबंधित कंपनी के खिलाफ अवैध उत्खनन के मामले में हाईकोर्ट जस्टिस विशाल मिश्रा ने 1 सितंबर 2025 को सुनवाई से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट जस्टिस ने आदेश में कहा था कि विधायक ने उनसे फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया। इसके कारण वह सुनवाई से खुद को अगल कर रहे हैं। जस्टिस विशाल मिश्रा ने निष्पक्षता बनाए रखने मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। उन्होंने प्रकरण को प्रशासनिक स्तर पर चीफ जस्टिस के समक्ष भेजने का निर्देश भी दिया था। याचिका में कहा गया था कि विधायक के यह कृत्य न्यायपालिका की छवि को धूमिल करने तथा गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। न्यायिक कार्य में हस्तक्षेप करना आपराधिक अवमानना की श्रेणी में आता है। हाईकोर्ट ने 2 अप्रैल को याचिका का निराकरण करते हुए मामले को संज्ञान में लेते हुए भाजपा विधायक के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के निर्देश जारी किये थे। पिछली सुनवाई में विधायक संजय पाठक की तरफ से बिना शर्त माफी मांगने के संबंध में हलफनामा पेश किया गया था। उनकी तरफ से तर्क दिया गया कि आपराधिक अवमानना में दंड का प्रावधान है, जब गलती असक्षम हो या संबंधित व्यक्ति गलती स्वीकार नहीं करें। राजनीतिक प्रतिद्वंदी के द्वारा इस मामले में जनहित याचिका दायर की गयी थी। युगल पीठ ने सुनवाई के बाद विधायक को व्यक्तिगत रूप से तलब किया था। याचिका पर मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान भाजपा विधायक व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए और गलती स्वीकार करते हुए बिना शर्त माफी मांगी। पूर्व में याचिका दायर करने वाले आशुतोष दीक्षित की तरफ से याचिका में हस्तक्षेप कर्ता बनने के लिए आवेदन पेश किया। युगल पीठ ने सुनवाई के बाद हस्तक्षेप कर्ता बनने के आवेदन को निरस्त करते हुए उन्हें अपना पक्ष प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता प्रदान की है।

वित्त विभाग से मिली स्वीकृति मंत्रीमंडल की अनुमति शेष

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के गेट नंबर-4 के सामने एडवोकेट चेंबर और मल्टी लेवल पार्किंग प्रोजेक्ट के मामले में शासन की ओर से कहा गया कि उक्त प्रोजेक्ट के लिए वित्त विभाग की स्वीकृति मिल गई है, अब केवल मंत्रीमंडल की औपचारिक अनुमति शेष है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने अगली सुनवाई 29 अप्रैल के पहले स्वीकृति पर अंतिम निर्णय लेकर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। उल्लेखनीय है कि मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धन्य कुमार जैन की ओर से यह मामला दायर किया गया है। जिनकी ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि बार एसोसिएशन भवन का शिलान्यास 4 मई 2025 को हुआ था। हाईकोर्ट के गेट नंबर-चार के सामने करीब 117 करोड़ रुपये से आधुनिक लायर्स चेम्बर और बहुस्तरीय पार्किंग बनना है।

धरती खतरे में है! पृथ्वी दिवस धरती के लिए वैश्विक आंदोलन

नई दिल्ली, जेएनएन। हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस हमारी धरती के लिए एक वैश्विक आंदोलन है। बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, जंगलों की कटाई और घटते प्राकृतिक संसाधन, ये सब संकेत हैं कि अब जागने का समय आ गया है। पृथ्वी दिवस हमें याद दिलाता है कि हम सिर्फ इस ग्रह के निवासी नहीं, बल्कि इसके रक्षक भी हैं। आज की तेज रफ्तार दुनिया में विकास के नाम पर प्रकृति को लगातार नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

पृथ्वी दिवस इस नुकसान को रोकने के लिए चेतावनी देने का मौका है। यह दिन हमें प्रेरित करता है कि हम छोटे-छोटे कदम उठाकर बड़े बदलावों की शुरुआत कर सकते हैं, चाहे वह प्लास्टिक का कम इस्तेमाल हो, पेड़ लगाना हो या पानी बचाना। पृथ्वी दिवस हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन दुनियाभर में लोग पर्यावरण संरक्षण के लिए अभियान चलाते हैं, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हैं और धरती को बचाने के लिए संकल्प लेते हैं।

190 देशों में मनाया जाता है पृथ्वी दिवस

दिलचस्प बात यह है कि पृथ्वी दिवस अब सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दुनिया के 190 से अधिक देशों में इसे मनाया जाता है। हर साल इसकी एक खास थीम होती है, जो हमें पर्यावरण से जुड़े अहम मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती है।

तैयारी में जुटा उच्च शिक्षा विभाग, बीएड और एमएड में रोड़ा बन सकती है संबद्धता में देरी

बारहवीं का रिजल्ट जल्दी आने से उच्च शिक्षा ने भी बढ़ाए कदम, जल्द होगा ऐलान

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा इस बार बारहवीं के परीक्षा परिणाम जल्द कर देने का असर उच्च शिक्षा विभाग में भी नजर आ रहा है। स्कूल शिक्षा की मेहनत का लाभ उठाते हुए उच्च शिक्षा ने कॉलेजों की प्रवेश प्रक्रिया भी जल्दी शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। परंपरागत कोर्सेस के साथ ही बीएड, बीपीएड व एमएड-एमपीएड में प्रवेश के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाने लगा है। विभाग एक मई से पहले किसी भी हालत में प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है। सूत्रों की मानें तो विभागीय स्तर पर तैयारी कर ली गई है। एक-दो दिन में कॉलेजों में प्रवेश का कार्यक्रम घोषित किया जा सकता है। पूरी प्रक्रिया इस बार भी ऑनलाइन ही रहेगी। पंजीयन इसी माह के अंत या मई आरंभ में ही शुरू हो सकती है। अधिकारियों का कहना है कि बारहवीं के रिजल्ट जल्दी आने से स्नातक स्तर के कोर्सेस की शुरूआत तो हम जल्दी कर ही सकते हैं। यूजी के साथ पीजी कोर्स की प्रवेश प्रक्रिया भी इस बार जल्दी की जाएगी। ताकि नए सत्र की कक्षाएं समय से शुरू हो जाएं। अधिकतम प्रवेश मई-जून में ही पूर्ण होने से छात्र-छात्राओं को भी पढ़ाई के लिए ज्यादा समय मिल जाएगा। हर साल मई में रिजल्ट आने से कॉलेजों की प्रवेश प्रक्रिया भी देरी से शुरू होती थी।

बीएड कॉलेजों की संबद्धता में अटकेगा काम

उच्च शिक्षा विभाग बीए, बीकॉम, बीएससी, बीएचएससी सहित बीबीए, बीसीए और बीएड, बीपीएड की प्रवेश प्रक्रिया भी एक साथ शुरू करने की तैयारी कर रहा है। एनसीटीई के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों एमएड, एमपीएड में प्रवेश की प्रक्रिया भी जल्द घोषित हो सकती है। मगर बीएड-एमएड कॉलेजों की संबद्धता का मामला अब तक लटका हुआ है। प्रदेश के अधिकांश यूनिवर्सिटीज ने अभी तक कॉलेजों का निरीक्षण तक नहीं किया है। ऐसे में संबद्धता जारी होने में काफी समय लग सकता है। यदि विभाग जल्दी प्रवेश की घोषणा भी कर देता है तो उसे अपने कदम पीछे खींचना पड़ सकते हैं। बताया जाता है कि नए कॉलेजों के समान पुराने कॉलेजों को संबद्धता देने की प्रक्रिया में इस बार बदलाव कर दिया गया है। यूनिवर्सिटीज को कागजी खानापूर्ति की बजाय इस बार नवीनीकरण के पहले भी कालेजों में जाकर मौका मुआयना करना है। अभी तक सारे विश्वविद्यालय हाथ पर हाथ रखे बैठे हैं, किसी ने भी निरीक्षण दल तक नहीं बनाए हैं।

पीडब्ल्यूडी के ईई और एसडीओ ढाई लाख की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

सब इंजीनियर पर भी एफआईआर, ठेकेदार से बिल पेमेंट के बदले मांगे थे 3.5 लाख

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोकायुक्त पुलिस इंदौर की टीम ने मंगलवार को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के दो बड़े अधिकारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दोनों के अलावा एक सब इंजीनियर को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है। लोकायुक्त ने सबसे पहले मंगलवार सुबह कार्यपालन यंत्री (ईई) जयदेव गौतम को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। टीम ने उनके सरकारी घर में दबिश दी तो वह ठेकेदार से ली गई 1.5 लाख की रकम ले रहे थे। इसके बाद लोकायुक्त की टीम पीडब्ल्यूडी के दफ्तर पहुंची। वहां एसडीओ टीके जैन को ऑफिस के पोर्च में ही 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। इसके बाद टीम के निशाने पर एक सब इंजीनियर अंशु दुबे भी थे। उन्होंने भी एक लाख की रिश्वत मांगी थी, लेकिन पैसे कम होने के कारण उन्हें स्वीकार नहीं किया। हालांकि इस मामले में उन्हें भी आरोपी बनाया गया है।

अटका रखा था बिल का फाइनल पेमेंट: मामला पीथमपुर के सरकारी ठेकेदार राजपाल सिंह पंवार की शिकायत से जुड़ा है। उनकी फर्म पटेल श्री इंटरप्राइजेज ने 2023 में करीब 4.73 करोड़ रुपये की लागत से एक रोड बनाई थी। इसका फाइनल बिल पेमेंट जारी करने के लिए ईई जयदेव गौतम ने 1.50 लाख, एसडीओ टीके जैन ने 1 लाख और सब इंजीनियर अंशु दुबे ने 1 लाख की मांग रखी थी। परेशान ठेकेदार ने इसके बाद लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय से शिकायत की।

एक माह में दूसरी बार दो इंजीनियर एक ही दिन धराए

लोकायुक्त पुलिस के पास इस बात के सबूत हैं कि अंशु दुबे ने भी रिश्वत की मांग की थी। लोकायुक्त ने इस मामले में जयदेव गौतम, टीके जैन के साथ अंशु दुबे के खिलाफ भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और बीएनएस की धारा 61(2) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। गौरतलब है कि इंदौर पीडब्ल्यूडी में इसी माह यह दूसरा मौका है, जब दो इंजीनियर एक ही दिन एक ही ठेकेदार से रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए हों।

फिजिकल हेल्थ

तेजी से बदलती लाइफस्टाइल और कॉम्पटीशन में तनाव से बच पाना आसान नहीं

धमाके की आवाज से हो सकता है एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम

नई दिल्ली, जेएनएन। तेजी से बदलती लाइफस्टाइल और बढ़ते कॉम्पटीशन में तनाव से बच पाना आसान नहीं है। इसकी वजह से कई तरह की गंभीर समस्याएं बढ़ रही हैं। तनाव के चलते रात में नींद पूरी नहीं हो पाती है, जिसका असर हमारी दिनचर्या पर देखने को मिलता है. लगातार ऐसा होने से कई लोगों को रात में सोते समय सिर चकराने, तेज सिदरद्रद और कुछ टूटने की आवाज आती है। इसकी वजह से उनकी नींद टूट जाती है। इससे झुंझलाहट से पूरा शरीर भर जाता है।

सोते वक्त या नींद से ठीक पहले अचानक तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई देती है। पल भर के लिए ऐसा लगता है, जैसे कोई बम फट गया हो, दरवाजा जोर से बंद हुआ हो या बिजली गिरी हो। डर से नींद टूट जाती है और हार्ट बीट बढ़ जाती है। यह एक 'स्लीपिंग कंडीशन' है, जिसे 'एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम' कहते हैं। इसमें सुनाई देने वाली आवाज असली नहीं होती, बल्कि दिमागी भ्रम होता है। इससे घबराहट और नींद टूटने की समस्या हो सकती है। इस स्लीप डिसऑर्डर से कई तरह की परेशानियां होने लगती हैं।

एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम क्या होता है: एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम, एक स्लीप डिसऑर्डर है, जिसमें इंसान को अपने सिर में तेज आवाज, विस्फोट जैसी कई आवाजें सुनाई पड़ सकती है। इसे एपिसोडिक क्रेनियल सेंसरी शॉक भी कहा जाता हैं। इस कंडीशन को पैरासोमनिया भी कहा जाता है. इस समस्या में सुनाई देने वाली आवाजें काल्पनिक होती हैं। ऐसा होने पर डॉक्टर से जरूर सलाह लेनी चाहिए।

कारण क्या है: नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम है, जो अनजाने भय और चिंता से जुड़ा है. हाई लेवल का स्ट्रेस या नींद की कमी इस बीमारी का खतरा बढ़ा सकती है। रिसर्च के अनुसार, बुजुर्गों और महिलाओं में ये समस्या मुख्य तौर से मिलती है।

तेज धमाके जैसी आवाज क्यों सुनाई देती है?

पल्मोनोलॉजिस्ट डॉक्टर पीयूष गोयल बताते हैं कि सोने और जागने के बीच ब्रेन का कंट्रोल सिस्टम कुछ सेकेंड के लिए इंबैलेंस हो जाता है। उसी समय ब्रेन ऐसे सिग्नल बनाता है, जिससे तेज आवाज का अहसास होता है, जबकि असल में कोई आवाज नहीं होती। डॉक्टर पीयूष कहते हैं कि यह कोई बीमारी नहीं है। यह दिमाग का असामान्य, लेकिन हार्मलेस रिएक्शन है।

क्या होते हैं लक्षण

- ब्रेन के सेंसरी न्यूरॉन्स को बनाने वाले हिस्से में अचानक से इलेक्ट्रिकल एक्टीविटी महसूस होना।
- इनर ईयर का क्षतिग्रस्त होना और समस्याओं से भागने से बचना।
- कान में हमेशा झनझनाहट बने रहना।
- गहरी नींद में अचानक से आंख खुल जाना।
- सिरदर्द की समस्या बने रहना।
- तनाव, डिप्रेशन और एंग्जाइटी डिसऑर्डर रहना।

एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम से कैसे बचें

- तनाव से दूर रहें. योगा-मेडिटेशन और एक्सरसाइज करें।
- स्लीप डिसऑर्डर से बचने के लिए डॉक्टर से सलाह लेकर दवाएं लें।
- लाइप में हाइजीन मेंटेन करें. सोते समय आसपास अंधेरा करें. डिस्टर्ब करने वाली चीजों से खुद को बचाएं।
- सिडेंटरी लाइफस्टाइल मेंटल हेल्थ को बढ़ाता है. काम के दौरान ब्रेक जरूर लेते रहें।

5 लाख संविदा व आउट सोर्स कर्मियों को राहत, 10 साल बाद मिले नीतिगत लाभ

जागरण, जबलपुर। प्रदेश में संविदा और आउट सोर्स पर काम कर रहे करीब 5 लाख कर्मचारियों को हाईकोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए राज्य शासन को निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि इन कर्मचारियों का वर्गीकरण कर उन्हें वेतन और सेवा संबंधी लाभ दिए जाएं। जस्टिस विशाल धगट की बेंच ने मंगलवार को सुनाए फैसले में कहा कि 10 साल से अधिक समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों को 7 अक्टूबर 2016 की नीति का लाभ मिलना चाहिए, चाहे वे संविदा पर हों या आउटसोर्स व्यवस्था के तहत काम कर रहे हों। कोर्ट ने साफ कहा कि लंबे समय तक काम लेने के बाद कर्मचारियों को लाभ से वंचित रखना तर्कहीन है और उन्हें आर्थिक न्याय से दूर नहीं रखा जा सकता। अदालत ने यह भी माना कि 2016 की नीति संविधान के अनुच्छेद 38, 39 और 43 में बताए गए सामाजिक और आर्थिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप है। अब तक इस नीति का लाभ केवल दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को दिया जा रहा था। इसमें उन्हें कुशल, अर्धकुशल और अकुशल श्रेणियों के आधार पर वेतन मिलता है, लेकिन हाईकोर्ट ने कहा कि इसी आधार पर संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को भी शामिल किया जाए।

16 साल से संविदा पर सेवाएं : यह मामला 2009 में संविदा पर नियुक्त उन कर्मचारियों से जुड़ा है, जो करीब 16 साल से लगातार सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें स्थायी कर्मचारियों जैसे लाभ नहीं मिले। संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि वे स्थायी कर्मचारियों के बराबर काम करते हैं, फिर भी उन्हें कम वेतन दिया जाता है। यह संविधान से मिले समानता के अधिकार और सम्मान से जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने तर्क दिया कि 2016 की नीति संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों पर लागू नहीं होती, लेकिन कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया और सरकार को निर्देश दिए कि कर्मचारियों का वर्गीकरण कर उन्हें वेतनमान और सेवा संबंधी लाभ सुनिश्चित किए जाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,**
संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।